



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-26122020-223934
CG-DL-E-26122020-223934

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 368]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, दिसम्बर 24, 2020/पौष 3, 1942

No. 368]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 24, 2020/PAUSHA 3, 1942

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 2020

अंतिम जांच परिणाम

मामला सं. (एसएसआर) 10/2020

विषय: चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए “फ्रंट एक्सल बीम” “और स्टीयरिंग नकल” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की दूसरी निर्णायक समीक्षा (एसएसआर) में अन्तिम जांच परिणाम।

फा. सं. 7/26/2020- डीजीटीआर.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और समय-समय पर यथासंशोधित तत्संबंधी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए ;

1. पृष्ठभूमि

2. जबकि, भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए “फ्रंट एक्सल बीम” (एफएबी) और स्टीयरिंग नकल” (एस के) (इसके बाद इसे संबद्ध वस्तुओं के रूप में कहा गया है) के एक घरेलू उत्पादक द्वारा दायर किए गए एक आवेदन के आधार पर, निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद इन्हें “प्राधिकारी” के रूप में कहा गया है) द्वारा दिनांक

18 अगस्त, 2020 की अधिसूचना सं. फा.सं. 7/26/2020- डीजीटीआर के तहत चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों की एक पाटनरोधी जांच शुरू की गई थी।

3. वर्तमान में, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, “भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए फ्रंट एक्सल बीम और स्टीयरिंग नकल” के आयातों के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई एक मूल जांच, जो वर्ष 2010 में पूरी हुई थी, के अनुसरण में, पाटनरोधी उपाय लगाए गए थे और उसमें 2015 में प्रथम निर्णायक समीक्षा जांच के अध्यक्षीन इसकी पुष्टि की गई थी। चीन जन. गण. से फ्रंट एक्सल बीम और स्टीयरिंग नकल के सभी आयातों के खिलाफ दिनांक 12 अप्रैल, 2010 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 50/2010- सीमाशुल्क के तहत मूल निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए गए थे। इस सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा लगाए गए शुल्कों को एक व्यापक निर्णायक समीक्षा जांच के बाद दिनांक 21 अक्तूबर, 2015 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 49/2015-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत आगे बढ़ाया गया था और ये 20 अक्तूबर, 2020 तक लागू हैं। वर्तमान में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच के अनुसरण में, वित्त मंत्रालय ने दिनांक 16 अक्तूबर, 2020 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 31/2020- सीमा शुल्क (एडीडी) जारी की, जिसके तहत पाटनरोधी शुल्कों को 30 नवंबर, 2020 तक बढ़ाया गया।
4. जबकि, मैसर्स भारत फोर्ज लि., जो संबद्ध वस्तुओं का घरेलू उत्पादक हैं, ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी के समक्ष विधिवत् साक्ष्य सहित एक आवेदन दायर किया है, जिसके तहत चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना और उसके परिणाम घरेलू उद्योग को क्षति होने का आरोप लगाया गया है तथा चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने के लिए एक दूसरी निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करने का अनुरोध किया है।
5. वर्तमान निर्णायक समीक्षा के दायरे में संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में विगत जांच के सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

II. प्रक्रिया

6. संबद्ध जांच के संबंध में नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :
 - i. नियमावली के नियम 5 के उप नियम 5 के अनुसार प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास को, निर्णायक समीक्षा पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए आवेदन प्राप्त होने के संबंध में अधिसूचित किया था।
 - ii. नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को नियम 6 (2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचित किया गया था।
 - iii. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को, उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 18 अगस्त, 2020 की जांच शुरुआत करने संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी। इस जांच में पक्षकारों को प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने का अनुरोध किया गया था और निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने को कहा गया। प्रेषण पत्र, याचिका और निर्यातकों को भेजी गई प्रश्नावली की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/ आयातकों की एक सूची के साथ संबद्ध देश के दूतावास को भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई कि संबद्ध देश से निर्यातकों/ उत्पादकों को, निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का परामर्श दिया जाए।
 - iv. घरेलू उद्योग द्वारा दाखिल की गई याचिका के अगोपनीय पाठ की प्रतियां उपरोक्त नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार संबद्ध देश के दूतावास और ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराई गई।
 - v. नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार संगत सूचना प्रकट करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक की प्रश्नावली भेजी गई :
 - क. मैसर्स हुबेई ट्राई- रिंग फोर्जिंग कं. लि.
 - ख. मैसर्स हुबेई ट्राई- रिंग ऑटो एक्सल कं. लि.

- ग. मैसर्स हुबेई ट्राई- रिंग मोटर स्टीयरिंग कं. लि.
- घ. मैसर्स टायरन क्रैकशाफ्ट कं. लिमिटेड
- ड. मैसर्स चोंगकिंग क्यूइंगलिंग ट्राई- रिंग फोर्जिंग कं. लि.
- vi. चूंकि चीन जन. गण. एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है, इसलिए प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से ज्ञात निर्यातकों को अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/ साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया ताकि प्राधिकारी यह विचार कर सकें कि क्या बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार ऐसे सहयोगी निर्यातकों/ उत्पादकों को प्रदान किया जाना चाहिए, जो यह प्रदर्शित कर सकें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था शर्तों के तहत संचालित होते हैं।
- vii. संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं :-
- क. मैसर्स हुबेई ट्राई- रिंग फोर्जिंग कं. लि.
- ख. मैसर्स हुबेई ट्राई- रिंग ऑटो एक्सल कं. लि.
- viii. नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई :
- क. मैसर्स अशोक लेलैंड लि.
- ख. मैसर्स महिन्द्रा ट्रक्स ऐंड बसिस लि.
- ग. मैसर्स वी ई कामर्शियल व्हीकल्स लि.
- घ. मैसर्स टाटा मोटर लि.
- ड. मैसर्स ए एम डब्ल्यू मोटर्स लि.
- ix. चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक/ उपभोक्ता ने प्रश्नावली उत्तर अथवा अन्य टिप्पणियां दायर नहीं की हैं।
- x. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि और वर्तमान जांच में जांच की अवधि के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसी आई ऐंड डी) द्वारा सूचित किए गए सौदा-वार आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xi. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उपलब्ध कराए। कोविड-19 के उपरांत, सभी हितबद्ध पक्षकारों को डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड किए गए दिनांक 06.08.2020 के नोटिस के तहत, यह परामर्श दिया गया था कि वे उनके बीच अनुरोधों के अगोपनीय पाठ (एनसीवी) का ईमेल के माध्यम से स्वयं आदान-प्रदान करें।
- xii. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर तथा सामाय स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्माण और बिक्री की लागत तथा उत्पादन की ईष्टतम लागत निकाली गई थी ताकि "गैर क्षतिकारी कीमत" का पता लगाया जा सके।
- xiii. उनके द्वारा प्रस्तु किए गए आंकड़ों के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीय होने के दावों की जांच की गई है। ऐसी सूचना, जो हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई है अथवा वह गोपनीय प्रकृति की है, अथवा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा तत्संबंधी अगोपनीय सारांश के साथ उसे गोपनीय आधार पर प्रदान किया गया है, उसे गोपनीय माना गया है।
- xiv. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक रूप से सुनवाई करने के लिए दिनांक 11.11.2020 को एक

सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया, जिसमें घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया था। सभी पक्षकारों को अपने लिखित अनुरोध और तत्संबंधी रिज्वाइंडर दायर करने को कहा गया था। 23 नवंबर, 2020 को जारी किए गए प्रकटीकरण विवरण में इच्छुक पार्टियों से प्राप्त लिखित सबमिशन और रिजोइंडर्स पर विचार किया गया।

- xv. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का, जहां तक इन्हें आवश्यक माना गया, विशेषकर मौजूदा महामारी के मामले में, तालिका सत्यापन किया गया।
- xvi. उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, निष्कर्षों के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों / आधार का प्रकटीकरण 23 नवंबर, 2020 को जारी किए गए प्रकटीकरण विवरण के इच्छुक दलों को किया गया था और इस अंतिम निष्कर्ष में प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया गया है।
- xvii. दिनांक 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च, 2020 तक की अवधि (जांच की अवधि) के लिए जांच की गई थी। तथापि, जांच में वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19 की अवधि और जांच की अवधि शामिल है।
- xviii. इस अंतिम जांच परिणाम में *** गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा उन पर विचार किया गया है।
- xix. प्राधिकारी ने जांच की अवधि (पी ओ आई) के लिए (अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक) भारित औसत विनिमय दर 70.38 रु. = 1 अमेरिकी डॉलर ली है।

III. विचाराधीन उत्पाद का दायरा और समान वस्तु

क. उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- 7. किसी भी निर्यातक /आयातक, अथवा उपभोक्ता ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई विचार प्रस्तुत नहीं किया है :-

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

- 8. घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु को परिभाषित करने के लिए विगत निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी ने जांच परिणामों पर भरोसा किया है। घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में कोई विशिष्ट दावा नहीं किया गया है।
- 9. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि आयातित विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित वस्तुएं नियमावली के तात्पर्य से “समान वस्तुएं” हैं। यह दावा किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच के अन्तिम जांच परिणामों और निर्णायक समीक्षा जांच में वही निष्कर्ष निकाला है। चूंकि वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है, इसलिए घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही होना चाहिए जो कि मूल जांच में था।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

- 10. मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद और इस दूसरी निर्णायक समीक्षा जांच में, जांच की शुरुआत करने की अधिसूचना के अनुसार विचाराधीन उत्पाद “मध्यम और भारी” वाणिज्यिक वाहनों के लिए प्रयुक्त फ्रंट एक्सल बीम (एफएबी) और स्टीयरिंग नकल (एस के) हैं, चाहे फोर्ड हों या मशीनीकृत।
- 11. फ्रंट एक्सल बीम एक सुरक्षा से जुड़ी वस्तु है, क्योंकि यह वाहनों के भार को वहन करती हैं और साथ ही, स्टीयरिंग को यथास्थान रखती है। फ्रंट एक्सल बीम का कार्य वाहन के फ्रंट भाग को वहन करना, बम्पी रोड पर हॉरिजेंटल और वर्टिकल भार को वहन करना तथा एक आरामदायक सवारी के लिए स्प्रिंग के जरिए एक कुशन के रूप में कार्य करना है। स्टीयरिंग नकल एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक होता है और यह वाहन के स्टीयरिंग को नियंत्रित करने के लिए हाथ के जरिए एक्सल बीम पर फिट होता है।
- 12. फ्रंट एक्सल बीम और स्टीयरिंग नकल सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 87 के उप शीर्ष 8708.10.90 के तहत “वाहनों के पुर्जे और एसेसरी” की श्रेणी में आते हैं। ये उत्पाद कई अन्य सीमा शुल्क वर्गीकरणों के तहत भी

आयातित होते हैं। अतः यहां दिया गया सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के दायरे पर यह किसी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

13. जैसा कि संबद्ध वस्तुओं की विगत निर्णायक समीक्षा के अन्तिम जांच परिणामों में देखा गया है, उत्पादों, एफ ए बी और एस के को पहले स्टील बिलेट/ बार से बाहर निकाला जाता है और उसके बाद वाहनों में फिट किए जाने के लिए प्रसंस्कृत उत्पाद में मशीनीकृत किया जाता है। तथापि, उत्पादों को वाहन निर्यातकों को फोर्ज्ड अथवा मशीनीकृत, दोनों स्थितियों में बेचा जाता है। यद्यपि मशीनीकृत उत्पाद सीधे वाहनों में फिट करने के लिए भेजे जाते हैं लेकिन यदि उत्पाद को फोर्ज्ड स्थितियों में आपूर्ति किया जाता है तो उपभोक्ता/ वाहन निर्माता के वाहनों में फिट करने हेतु पूर्व फोर्ज्ड उत्पाद को मशीनीकृत कराना होता है। फोर्ज्ड उत्पाद और मशीनीकृत उत्पाद टाइप के बीच अन्तर केवल अतिरिक्त मशीनीकरण करने का है, जो फोर्ज्ड उत्पाद पर किया जाता है।
14. अतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और आपूर्ति किए गए तथा संबद्ध देश से आयात किए गए फ्रंट एक्सल बीम और स्टीयरिंग नकल इस निर्णायक समीक्षा जांच के प्रयोजन के लिए समान वस्तुएं हैं।
15. फ्रंट एक्सल बीम और स्टीयरिंग नकल की उत्पादकों द्वारा आपूर्ति करके ऑटोमोबाइल में संख्या के संदर्भ में इसकी खपत की जाती है। तथापि, विभिन्न प्रकार के एफ ए बी और एस के का भार अलग-अलग होता है, जो ऑटोमोबाइल के टाइप पर और डिजाइन विनिर्देशन पर निर्भर करता है और इसीलिए प्रति पीस/ यूनिट, लागत महत्वपूर्ण रूप से अलग-अलग होती है, यद्यपि भार की प्रवृत्तियों के संदर्भ में प्रति यूनिट लागत लगभग समान रहती है। इसलिए प्राधिकारी ने विगत जांचों में भार को विभिन्न निर्धारणों और पारदर्शी तुलना के प्रयोजन से मापन की उपयुक्त सामान्य यूनिट के रूप में माना है। इस जांच में भी वही पद्धति अपनाई गई है।

IV. घरेलू उद्योग और आधार

क. उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

16. किसी भी निर्यातक, आयातक अथवा उपभोक्ता ने घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में कोई दृष्टिकोण प्रस्तुत नहीं किया है।
17. विभिन्न उत्पादकों/ निर्यातकों, हुबेई ट्राइ-रिंग ऑटो कं. ("एच टी आर ए") तथा हुबेई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग कं. लि. ("एच टी आर एफ") ने यह प्रस्तुत किया है कि "समर्थक" कंपनी, मैसर्स रामकृष्णा फोर्जिंग्स लि. से कोई डाटा प्राप्त नहीं हुआ है। व्यापार सूचना सं. 13/2018, दिनांक 27 सितंबर, 2018 के तहत अपेक्षा का हवाला दिया गया है, जिसके तहत समर्थक कंपनी के आर्थिक मापदंडों के संबंध में निर्धारित फार्मेट में समर्थक कंपनी से कतिपय सूचना की अनिवार्यता है। यह दावा किया गया है कि समर्थक कंपनी के डाटा को रिकॉर्ड में लाने में याचिकाकर्ता की विफलता जांच के तहत याचिका को नुकसान पहुंचाना है।

कुल भारतीय उत्पादन

घरेलू उत्पादक का नाम	यूनिट	उत्पादन प्रति वर्ष					
		एफ ए बी	एस के	एफ ए बी %	एस के %	कुल	कुल %
भारत में कुल सस्थापित क्षमता		110267156	50415764	-	-	160682920	-
भारत फोर्ज लि.		***	***	***	***	***	***
राधाकृष्णा फोर्जिंग्स लि.	कि. ग्रा.	***	***	***	***	***	***
एम एम फोर्जिंग्स	कि. ग्रा.	***	***	***	***	***	***
हैप्पी फोर्ज	कि. ग्रा.	***	***	***	***	***	***

अन्य उत्पादकों का जोड़	कि. ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कुल भारतीय उत्पादन	कि. ग्रा.	6,42,48,800	2,44,08,860	100	100	88657660	100%

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

18. घरेलू उद्योग द्वारा इसके आधार के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. याचिकाकर्ता, मैसर्स भारत फोर्ज लिमिटेड के पास विचाराधीन उत्पादों के कुल भारतीय उत्पादन का करीब 40-60 प्रतिशत भाग है। याचिका को मैसर्स रामकृष्णा फोर्जिंग्स लि. द्वारा भी समर्थन किया गया है। याचिकाकर्ता और समर्थक कंपनी के पास भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक बताया गया है।
- ख. किसी भी अन्य भारतीय उत्पादक ने इस समीक्षा को दायर करने के लिए कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है।
- ग. याचिकाकर्ता संबद्ध वस्तुओं का एक बड़ा उत्पादक है और उसके पास आधार है तथा वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के संदर्भ में वर्तमान आवेदन दाखिल करने के लिए पात्र है।
- घ. समर्थक कंपनी से आंकड़े प्राप्त न होने के संबंध में, याचिकाकर्ता ने एक प्रतिस्पर्धी कंपनी के डाटा को रिकॉर्ड में लाने में असमर्थ होने का दावा किया गया है। इस प्रकार की संभावना का कानून में समर्थन नहीं किया गया है और इसका उल्लेख नहीं है। यह अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी को डाटा प्रदान करने में समर्थक कंपनी की विफलता से याचिका के साथ पूर्वाग्रह नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए व्यापार नोटिस की अपेक्षाओं के संदर्भ में समर्थक कंपनी का भाग लेना या भाग न लेना इस मामले में याचिका की कानूनी वैधता का निर्धारण नहीं कर सकता।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

19. यह याचिका मैसर्स भारत फोर्ज लि., पुणे द्वारा दायर की गई है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक प्रमुख निर्माता है और कई देशों को वस्तुओं की आपूर्ति करता है। मैसर्स रामकृष्णा फोर्जिंग्स लि., मैसर्स एम एम फोर्जिंग्स और मैसर्स हैपी फोर्ज भी संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करते हैं।
20. याचिकाकर्ता के आधार के संबंध में ही, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई दावा किया गया प्रतीत नहीं होता।
21. वर्तमान याचिका के प्रयोजनों के लिए एक "समर्थक" कंपनी के रूप में विचार किए जाने के लिए मैसर्स रामाकृष्णा फोर्जिंग्स लि. की पात्रता के संबंध में, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कतिपय चुनौतियां उठाई गई हैं।
22. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता घरेलू उत्पादक भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक प्रमुख उत्पादक है। यहां तक कि मैसर्स रामाकृष्णा फोर्जिंग्स लि. के अनुरोधों/ प्रतिवेदन को निरस्त करने से भी याचिकाकर्ता के पास अभी भी, समीक्षा के प्रयोजन के लिए किसी अन्य घरेलू उत्पादक से बिना किसी विरोध के घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। तदनुसार, क्षति और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच के प्रयोजन के लिए, याचिकाकर्ता अर्थात् मैसर्स भारत फोर्ज लिमिटेड नियमावली के नियम 2 (ख) के संदर्भ में घरेलू उद्योग हो सकता है।

V. व्यापार अर्थव्यवस्था व्यवहार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

23. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (5) के तहत यह प्रावधान है कि :-

“इस धारा के तहत लगाया गया पाटनरोधी शुल्क, जब तक कि उसे समाप्त न किया जाए, इस प्रकार से लगाए जाने की तारीख से 5 वर्षों की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगा”;

परंतु यदि किसी समीक्षा में केन्द्र सरकार का यह मत हो कि ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है तो वह समय-समय पर इस प्रकार से लगाए गए शुल्क की अवधि को आगे

और 5 वर्ष के लिए बढ़ा सकती है और आगे की ऐसी अवधि इस प्रकार के समय विस्तार के आदेश की तारीख से शुरू होगी।

इसके अलावा, बशर्ते कि जहां 5 वर्षों की उक्त अवधि की समाप्ति के पूर्व शुरू की गई कोई समीक्षा ऐसी समाप्ति के पूर्व किसी निष्कर्ष पर न पहुँची हो तब पाटनरोधी शुल्क ऐसी समीक्षा के परिणाम के लंबित रहने पर आगे अधिकतम 1 वर्ष की अवधि तक जारी रह सकती है।"

24. तदनुसार, एक निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी को यह जांच करनी अपेक्षित है कि :-

- क्या पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद पाटन जारी रहे और यदि हां तो क्या इसके जारी रहने की संभावना है।
- ऐसे मामले में, जहां पर पाटन जारी नहीं रहा, तो क्या पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने की स्थिति में पाटन की पुनरावृत्ति होगी।
- क्या घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति होना जारी रहा और यदि हां, तो यदि शुल्कों को हटा लिया जाता है तो क्या घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है।
- ऐसे मामले में, जहां घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति का सामना नहीं करना पड़ा है, तो पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने की स्थिति में क्या घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

25. अतः प्राधिकारी यह जांच करने से पूर्व कि यदि शुल्कों को हटा लिया जाता है तो पाटन के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, पहले इस बात की जांच करेंगे कि क्या संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहा और क्या घरेलू उद्योग को ऐसे पाटित आयातों के कारण से पर्याप्त क्षति होना जारी रहा और ऐसी स्थिति में क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

VI. पाटन जारी रहने की जांच : सामान्य मूल्य, निर्यात कीमतों और पाटन मार्जिन का निर्धारण

26. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन से दो उत्पादक निर्यातकों ने अपने प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत किए हैं लेकिन बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का दावा नहीं किया है। पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में निर्यातकों के विचारों को नीचे सारणीबद्ध किया गया है :

क. उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

27. भाग लेने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोधों को नीचे सारणी में दिया गया है :

क. प्राधिकारी को चीन की बाजार अर्थव्यवस्था के विकास के आधार पर प्रतिवादियों को "बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा" प्रदान करना चाहिए। इस संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि विश्व व्यापार संगठन के लिए चीन जन. गण. के प्रोटोकॉल एक्सेसन की धारा 15(क) (ii), दिनांक 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गई है। विश्व व्यापार संगठन के कानूनी फ्रेमवर्क के तहत, चीन जन. गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानने के लिए और गैर बाजार अर्थव्यवस्था पद्धति का उपयोग करके चीन जन. गण. से आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में सामान्य निर्धारण करने के लिए भारत के पास अब कोई कानूनी आधार नहीं है।

ख. सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता की कार्य प्रणाली पाटनरोधी नियमावली में विनिर्दिष्ट कार्य प्रणाली से असंगत है। इस संबंध में, शेन्यांग मत्सुशिता एस. बैट्रीज कं. लि. बनाम एक्साइड इंडस्ट्रीज लि. और अन्य (2005) के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों पर विश्वास किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में दिए गए अन्तिम विकल्प का सहारा केवल तभी ले सकते हैं जब पहले दो तरीके समाप्त हो गए हों। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए सामान्य मूल्य निकालने के लिए एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित मूल्य अथवा भारत सहित ऐसे अन्य देशों को एक तीसरे देश से कीमत का उपयोग करते हुए मुख्य विकल्पों को पहले समाप्त करके, इस मामले में, चीन जैसे गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के निर्यात के मामले में सामान्य मूल्य निकालने की अनिवार्यता है। केवल तभी जब पहले दो विकल्पों का उपयोग कर लिया गया है, निर्दिष्ट प्राधिकारी तर्कसंगत समायोजनों को शामिल करके, भारत में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने

वाली कीमतों सहित सामान्य मूल्य निकालने के लिए किसी अन्य तर्कसंगत आधार को लागू कर सकते हैं।

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

28. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. चीन जन. गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और भारत सहित अनेक देशों द्वारा उससे इसी तरह व्यवहार किया गया है। यद्यपि, डब्ल्यू टी ओ के लिए चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 के प्रावधान दिसंबर, 2016 में समाप्त हो गए थे, एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क) (i) के साथ पठित एडीए के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान के लिए भारत की पाटनरोधी नियमावली के पैरा 8 में कतिपय मापदंड अपेक्षित हैं, जिन्हें चीन जन. गण. से प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने के लिए पूरा किया जाता है।
- ख. भाग लेने वाले विदेशी उत्पादकों /निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा करने के लिए आवश्यक प्रश्नावली दायर नहीं की है।
- ग. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार किया जाना अपेक्षित है, जैसाकि प्राधिकारी द्वारा हाल की सभी जांचों में किया गया है।
- घ. जांच की अवधि के दौरान आयात कम कीमत पर हुए हैं और बहुत अधिक नहीं हैं, जिससे कि निर्यात कीमत अथवा पाटन मार्जिन का एक तर्कसंगत आकलन किया जा सके जिसे पाटनरोधी शुल्कों को वापस लिए जाने की स्थिति में निर्यातकों द्वारा अपनाया जा सकता है। चीन जन. गण., हांगकांग और चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “सभी प्रकार के डिजीटल वर्सेटइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर और डीवीडीआरडब्ल्यू)” के आयातों के खिलाफ पाटनरोधी शुल्क की पहली निर्णायक समीक्षा जांच में दिनांक 14 अक्तूबर, 2014 के अन्तिम जांच परिणामों का हवाला दिया गया है, जिसके तहत चीन और चीनी ताइपेई से आयात कम थे और हांगकांग से आयात शून्य थे, अतः प्राधिकारी ने यह पाया कि “जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा कम थी और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि इस अवधि के दौरान शुल्क लागू था, जांच की अवधि के दौरान वास्तविक आयातों अथवा शून्य आयातों के आधार पर पाटन मार्जिन की गणना से, यदि शुल्कों को हटाया जाता है, तो संभावित परिदृश्य की वास्तविक तस्वीर दिखाई नहीं देगी। इस प्रकार संभावना के मापदंडों की जांच पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए।
- ङ. इस वर्तमान मामले में आयातों की मात्रा कम है, (1) पाटनरोधी शुल्क, जो पाटन को रोकने में प्रभावी रहा है और (2) ऑटोमोबाइल उद्योग की बाजार की स्थिति सामान्यतः और मध्यम तथा भारी वाहनों में, विशेषकर क्षति जांच के दौरान भारी वाहनों के पाटन के कारण है। अतः प्राधिकारी के लिए यह उपयुक्त होगा कि उपरोक्त सिद्धांतों और वर्तमान पाटन व क्षति की बजाय पाटन और क्षति के जारी रखने के संबंध में सामान्य मूल्य की संभावना पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।
- च. याचिकाकर्ता ने पाटन मार्जिन के अनुमानों को दर्शाने के प्रयोजन के लिए केवल सामान्य मूल्य का निर्माण किया है। प्राधिकारी इसकी समीक्षा कर सकते हैं और प्रतिवादी द्वारा दाखिल किए गए प्रश्नावली उत्तरों के सत्यापन के बाद, उपयुक्त माने जाने के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण कर सकते हैं।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डीजीसीआई एंड एस के आयात संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान भारत को फ्रंट एक्सल बीम के चीन जन. गण. से आयातों की मात्रा केवल ***मी. टन और स्टीयरिंग नकल की मात्रा केवल ***मी. टन है।
30. मैसर्स हुबेई ट्राइ रिंग फोर्जिंग कं. लि. (एच टी आर ए) ने फ्रंट एक्सल बीम के निर्यातक के रूप में प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है। दोनों उत्पादक निर्यातक संबद्ध हैं लेकिन गृह बाजार में बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य का

निर्धारण करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एम ई टी) का दावा करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किए हैं। जांच की अवधि के दौरान एच टी आर एफ ने ***मी. टन स्टीयरिंग नकल का भारत को निर्यात किया है और एच टी आर ए ने ***मी. टन फ्रंट एक्सल बीम का भारत को निर्यात किया है।

31. चूंकि दोनों ही संबद्ध उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दाखिल नहीं की गई है, इसलिए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में कंपनी की लागत और कीमतें विश्वसनीय नहीं हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को नहीं दर्शाती। किसी भी मामले में, बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दाखिल करने में विफलता के कारण, उत्पादकों/ निर्यातकों के डाटा का उपयोग चीन में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नहीं किया जा सकता।

VII. सामान्य मूल्यों का निर्धारण

32. चूंकि प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रतिवादी निर्यातकों की उनके घरेलू बाजार में लागत और कीमत वास्तविक बाजार स्थिति को नहीं दर्शाती, इसलिए प्राधिकारी ने चीन में सामान्य मूल्यों के निर्धारण के लिए नियमावली में अन्य वैकल्पिक प्रावधानों पर विचार किया है।
33. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के तहत प्रावधान इस प्रकार हैं :
- “गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”
34. इस संबंध में, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को नोट करते हैं कि प्राधिकारी को तीसरे विकल्प का प्रयोग करने से पहले पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में पहले और दूसरी विकल्प की पहले जांच करनी चाहिए। इस संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उपरोक्त पैरा 7 में पहले दो विकल्पों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य के रूप में उस देश में लागत और कीमतों के आधार पर अथवा भारत सहित अन्य देशों को ऐसे देश से कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने किसी उपयुक्त तीसरी देश का एक सेरोगेट के रूप में चयन करने के लिए कोई सार्थ सूचना प्रदान नहीं की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान किसी अन्य देश से संबद्ध वस्तुओं का कोई/ महत्वपूर्ण आयात नहीं हुआ है। अतः उपरोक्त प्रावधान के अनुरूप चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए किसी अन्य देश से कीमतों को अपनाया नहीं जा सकता।
35. उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली में प्रदत्त तीसरे विकल्प के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।
36. तदनुसार, जांच की अवधि के दौरान आयातित एफ ए बी और एस के के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, प्रतिवादी निर्यातकों के खपत संबंधी मानकों और मशीनीकृत स्थितियों में आयातित एफ ए बी तथा एस के के लिए क्षति अवधि के दौरान प्राप्त घरेलू उद्योग के सर्वाधिक सक्षम मानकों पर विचार करने के बाद किया गया है। घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की खरीद कीमतें अपनाई गई हैं। घरेलू उद्योग के सर्वोत्तम खपत मानकों के अनुसार यूटिलिटी की लागत पर विचार किया गया है। लागत के अन्य सभी तत्व घरेलू उद्योग के ईष्टतम उत्पादन के आधार पर हैं। निर्मित लागत पर 5 प्रतिशत का एक सामान्य लाभ प्रदान किया गया है ताकि प्राधिकारी की प्रथा के अनुसार निर्मित सामान्य मूल्य निकाला जा सके।

VIII. मैसर्स हुबेई ट्राइ-रिंग ऑटो एक्सल कं. लि., चीन जन. गण. (एच टी आर ए) की निर्यात कीमतें

37. जांच की अवधि के बाद एच टी आर ए ने भारत को सीधे केवल मशीनीकृत फ्रंट एक्सल बीम का निर्यात किया था और *** मी. टन भार के एफएबी के *** पीस भारत को निर्यात किए गए थे। सूचित किए गए सौदों और उन्हें कारखाने से बाहर लाने के लिए अपेक्षित समायोजनों की, निर्यातक प्रश्नावली उत्तर से पुष्टि की गई थी। तदनुसार, एफ ए बी के लिए निवल कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण एच टी आर ए द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के आधार पर किया गया है।

IX. मैसर्स हुबेई ट्राइ-रिंग फोर्जिंग कं. लि., चीन जन. गण. (एच टी आर एफ) की निर्यात कीमत

38. जांच की अवधि के दौरान, एच टी आर एफ ने भारत को केवल मशीनी स्टीयरिंग नकल का ही निर्यात किया था। जांच की अवधि के दौरान *** मी. टन भार के स्टीयरिंग नकल के *** पीस का निर्यात किया गया था। सूचित किए गए सौदों और उन्हें कारखाने से बाहर लाने के लिए अपेक्षित समायोजन की, प्रश्नावली उत्तर से पुष्टि की गई थी। तदनुसार, एफ ए बी के लिए निवल कारखाना बाह्य निर्यात कीमत, एच टी आर ए द्वारा प्रदान किए गए डाटा के आधार पर निर्धारित की गई है।

X. पाटन मार्जिन

39. चीन से प्रतिवादी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए कारखाना बाह्य निर्मित सामान्य मूल्य और निवल कारखाना बाह्य निर्यात कीमतों की तुलना की गई है, जो इस प्रकार है :-

क. एच टी आर ए (एफ ए बी) के लिए

	एन वी यूएस डालर/ मी. टन	ई पी यूएस डालर/ मी. टन	डीएम यूएस डालर/ मी. टन	डीएम %	डीएम रेंज
एच टी आर ए (एफ ए बी)	***	***	***	***	(10)-1

ख. एचटीआरएफ(एसके) के लिए

	एन वी यूएस डालर/ मी. टन	ईपी यूएस डालर/ मी. टन	डीएम यूएस डालर/ मी. टन	डीएम %	डीएम रेंज
एच टी आर एफ (एस के)	***	***	***	***	20-30

XI. चीन जन. गण. से अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

40. चीन जन. गण. से अन्य निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है, जो इस प्रकार है :

	एन वी यूएस डालर/ मी. टन	ईपी यूएस डालर/ मी. टन	डीएम यूएस डालर/ मी. टन	डीएम %	डीएम रेंज
--	-------------------------------	--------------------------	------------------------------	--------	-----------

एफ ए बी	***	***	***	***	0-10
एस के	***	***	***	***	90-100

XII. क्षति का निर्धारण, क्षति की संभावना और कारणात्मक संबंध

41. जैसा कि पहले देखा गया है, क्षति की जांच के संबंध में एक निर्णायक समीक्षा जांच में, प्राधिकारी को यह जांच करनी अपेक्षित है कि :
- क्या घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति होना जारी रहा और यदि हां, तो यदि शुल्कों को हटा लिया जाता है तो क्या घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है।
 - ऐसे मामले में, जहां घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति का सामना नहीं करना पड़ा है, तो पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने की स्थिति में क्या घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।
42. घरेलू उद्योग ने अन्य के साथ-साथ यह अनुरोध किया है कि चीन जन. गण. से विचाराधीन उत्पाद का निरंतर पाटन हो रहा है, यद्यपि पाटित आयातों की मात्रा कम है, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क और पाटन में तेजी आने की संभावना है, यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाते हैं।
43. अतः प्राधिकारी ने पहले यह जांच की है कि क्या संबद्ध देश से शुल्कों को हटा लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति अथवा क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना की जांच करने से पूर्व संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति होनी जारी रही। घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति की जांच पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-II और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3 के अनुसार है।
44. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में “..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ” घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि पर रोक लगी है जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए इन सूचकांकों, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है।
45. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने के लिए मैसर्स भारत फोर्ज लिमिटेड द्वारा आवेदन दायर किया गया है, जिसके पास भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है। नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार, याचिकाकर्ता को इस जांच के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है। अतः इस निर्धारित प्रयोजन के लिए, याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की लागत और क्षति सूचना की जांच नियम 2 (ख) में यथावर्णित अनुसार की जा रही है।

क. उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

46. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अन्य के साथ-साथ यह तर्क दिए गए हैं :-
- क. याचिकाकर्ता, पाटनरोधी शुल्कों को हटाए जाने पर भविष्य में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना को सिद्ध करने में विफल रहा है।
 - ख. प्राधिकारी को भारत के उत्पादन अथवा खपत के निरपेक्ष अथवा सापेक्ष संदर्भ में पाटित आयातों में वृद्धि होने का आकलन करना है।
 - ग. आयातों से संबंधित डाटा यह बात काफी स्पष्ट कर देते हैं कि संबद्ध आयातों की मांग में सापेक्ष और निरपेक्ष,

दोनों संदर्भ में कमी आई है।

- घ. याचिकाकर्ता का यह कहना कि भावी निर्णायक समीक्षा जांच को देखते हुए विदेशी उत्पादक भारत को निर्यातों में कमी करते हैं, यह सही नहीं है। इसकी बजाय, चूंकि संबद्ध वस्तुएं वाणिज्यिक वाहनों ("सी वी") जैसे ट्रक और लॉरी के उत्पादन के लिए अपेक्षित हैं, भारत में कमजोर आर्थिक और बाजार स्थितियों के कारण जांच की अवधि में नए वाणिज्यिक वाहनों के लिए मांग में गिरावट के अनुसार भारत को निर्यातों में कमी आई है।
- ड. प्राधिकारी को मांग के आंकड़ों की पुष्टि करने के लिए और यह स्थापित करने के लिए कि वाणिज्यिक वाहनों के लिए मांग में गिरावट आने के कारण संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में कमी आई है, भारतीय ऑटोमोटिव मैनुफैक्चर्स सोसाइटी (एसआईएम) से वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन और बिक्रियों के आंकड़े प्राप्त करने चाहिए। इसी प्रकार की सूचना याचिकाकर्ता की वार्षिक रिपोर्ट में भी दिखाई देती है।
- च. किसी भी उत्पादक/ निर्यातक के लिए पूरे एक वित्तीय वर्ष के लिए, विशेषकर भारत जैसे भारी बाजार में, केवल वर्तमान जांच के परिणामों को अनुकूल बनाने के लिए निर्यातों को थोड़ा-थोड़ा करके कम करना वाणिज्यिक और रणनीतिक दृष्टि से उचित नहीं है। इस प्रकार के आरोप निराधार हैं और इन्हें रद्द किए जाने की जरूरत है।
- छ. संबद्ध आयातों की मात्रा में थोड़ी कमी हुई है और ये घरेलू उद्योग को किसी क्षति के कारण के लिए अपर्याप्त हैं। प्राधिकारी को निष्कर्ष रूप से यह देखना चाहिए कि संबद्ध आयातों से कोई मात्रा संबंधी प्रभाव नहीं पड़ा है और तदनुसार, जांच को समाप्त किया जाए।
- ज. प्राधिकारी को यह जांच करनी अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों के कारण महत्वपूर्ण कीमत कटौती हो रही है अथवा पाटित आयातों से महत्वपूर्ण कीमत संबंधी ह्रास अथवा दबाव पड़ रहा है।
- झ. कीमत संबंधी प्रभाव का निर्धारण करने के लिए कीमत कटौती महत्वपूर्ण होनी चाहिए। एफ ए बी के संदर्भ में कीमत कटौती केवल जांच की अवधि में सकारात्मक हुई है और उसके बाद भी, केवल एफ ए बी की पट्टी कीमतों में 2.50 रु. प्रति कि. ग्रा. की गिरावट आने के बाद। तथापि इसके बाद भी, कीमत कटौती 0-10 प्रतिशत की रेंज में है। इसके अलावा, एस के के संदर्भ में कीमत कटौती मात्रा *** प्रतिशत है, जो कि "पर्याप्त" नहीं है।
- ञ. वर्तमान मामले में कोई कीमत कटौती/ क्षति मार्जिन नहीं है। कमतर शुल्क नियमावली के अनुसार, लगाया गया पाटनरोधी शुल्क पाटन मार्जिन अथवा क्षति मार्जिन से कम होना चाहिए।
- ट. याचिकाकर्ता ने स्वयं ही संबद्ध आयातों से कीमत ह्रास और कीमत दबाव होने का दावा नहीं किया है।
- ठ. घरेलू उद्योग को क्षमता उपयोग, घरेलू उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में जांच की अवधि के पूर्ववर्ती वर्षों में एफ ए बी और एस के, दोनों में निरंतर सुधार आया है। गिरावट केवल जांच की अवधि में है, जो संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में गिरावट आने के कारण है।
- ड. संबद्ध आयातों के बाजार अंश में एफ ए बी और एस के दोनों के संदर्भ में जांच की अवधि में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। इसी के साथ ही, यद्यपि घरेलू उद्योग के बाजार अंश में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि नहीं हुई है, इसके प्रतिस्पर्धी, अन्य भारतीय उत्पादक ने याचिकाकर्ता की बाजार स्थिति में अच्छा प्रदर्शन किया है। अतः घरेलू उद्योग के क्षति संबद्ध देश के आयातों के कारण नहीं हो रही है।
- ढ. घरेलू बाजार के प्रचालनात्मक मापदंडों में गिरावट के बावजूद, घरेलू उद्योग के वित्तीय मापदंड में, जांच की अवधि में वास्तव में अच्छा निष्पादन रहा है।
- ण. एस के के मामले में, घरेलू उद्योग ने अपनी सभी हानियों से छुटकारा प्राप्त कर लिया है और जांच की अवधि में और जांच की अवधि से पूर्व की अवधि में लाभ अर्जित करना शुरू कर दिया है। एफएबी के मामले में, घरेलू उद्योग पूरी क्षति अवधि के दौरान न केवल लाभप्रद रहा बल्कि उसकी लाभप्रदता में क्षति अवधि में, विशेषकर जांच की अवधि में तीव्र वृद्धि हुई है।

- त. एफ ए बी के मामले में, याचिकाकर्ता के आर ओ सी ई में पूरी क्षति अवधि के दौरान निरंतर और पर्याप्त हुई है। एस के के मामले में, घरेलू उद्योग के आर ओ सी ई में सुधार हुआ है। इसमें वर्ष 2018-19 में तथा जांच की अवधि में सकारात्मक परिवर्तन आया है।
- थ. भारत में संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में अनुमानित वृद्धि की संभावना, बढ़ती कीमतों पर संबद्ध आयातों की मात्रा में गिरावट, घरेलू उद्योग के भीतर याचिकाकर्ता की सशक्त स्थिति, और क्षति अवधि के दौरान की लाभप्रदता में पर्याप्त वृद्धि की संभावना को देखते हुए घरेलू उद्योग की वित्तीय दृष्टि से प्रभावित होने की संभावना नहीं है। इस प्रकार से, पूंजीगत निवेश में वृद्धि करने के लिए इसकी क्षमता पर, चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की अल्प मात्रा पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त होने से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- द. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II, पैरा V के साथ पठित नियम 11 के तहत प्राधिकारी को पाटित आयातों के अलावा, अन्य किसी ज्ञात कारक की भी जांच करनी अपेक्षित है, जिनसे साथ ही, घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति पाटित आयातों के कारण से नहीं होनी चाहिए। पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के तहत यह स्पष्ट किया गया है कि नियम 11 एक निर्णायक समीक्षा के मामले में यथोचित परिवर्तनों के साथ लागू है। इसलिए, प्राधिकारी द्वारा एक निर्णायक समीक्षा जांच के कारणात्मक संबंध की जांच की जा सकती है और जांच करनी चाहिए।
- ध. प्राधिकारी की यह प्रथा रही है कि निर्णायक समीक्षा के मामले में कारणों की जांच की जाए। कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एन बी आर के लिए विगत तीन निर्णायक समीक्षा जांच का उल्लेख किया गया है।
- न. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा V में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी को घरेलू उद्योग को पाटन के प्रभाव के कारण क्षति होने के प्रभावों के ज़रिए पाटित आयातों की जांच करनी चाहिए। आयातों, कीमत कटौती और घरेलू उद्योग के निष्पादन मापदंडों के बीच समानता का, कारणात्मक संबंध के निर्धारण के लिए मूल्यांकन किया जाना है।
- प. घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग, घरेलू उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में आयातों की उसी अवधि में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2018-19 में सकारात्मक परिवर्तन होने से पूर्व, आधार वर्ष से वर्ष 2017-18 में पहले गिरावट आई है। वर्ष 2017-18 और 2018-19 में कीमत कटौती उसी स्तरों पर रही। इस प्रकार से, संबद्ध आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन के बीच कोई सह संबंध नहीं है, घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों में, बढ़ते आयातों को देखते हुए, वर्ष 2017-18 और 2018-19 में सुधार की बजाय गिरावट आई होगी, जो यह दर्शाता है कि संबद्ध आयातों और घरेलू उद्योग के आर्थिक निष्पादन के बीच कोई सह संबंध नहीं है। जब संबद्ध आयातों में गिरावट आई, तो घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड में भी सुधार नहीं आया।
- फ. ऑटोमोटिव उद्योग वर्ष 2019 से मंदी का सामना कर रहा है। फ्रंट एक्सल बीम और स्टीयरिंग नकल मध्यम और भारी वाहनों में प्रयुक्त चेसिस का एक प्रमुख घटक है और ऐसी मंदी से पूरे विश्व में कारोबार की मात्रा और मार्जिन पर प्रभाव पड़ा है।
- ब. अद्यतन याचिका में याचिकाकर्ता के अपने अनुरोध के अनुसार आई सी आर ए द्वारा भारत के वाणिज्यिक वाहनों ("सी वी") के बाजार के लिए तैयार की गई रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया है कि सी वी की घरेलू मांग में विगत 4-5 तिमाहियों के दौरान महत्वपूर्ण अस्थिरता देखी गई है क्योंकि फ्लीट ऑपरेटरों की खरीद करने की सोच पर अनेक कारकों जैसे नोटबंदी, बीएस-IV इमीशन मानकों के कार्यान्वयन, वस्तु और सेवा कर (जी एस टी) के कार्यान्वयन, ओवरलोडिंग मानकों को लागू करने और ब्लोवर सिस्टम के कार्यान्वयन के संबंध में अभी हाल के विनियमों के कारण महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इसकी पुष्टि याचिकाकर्ता की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भी की गई है।
- भ. भविष्य में क्षति की कोई भावी संभावना भी ऑटोमोटिव स्थिति में चल रहे मैक्रो परिवर्तनों के कारण होगी।
- म. घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति होने के लिए कोई पाटन सामने नहीं आया है। प्राधिकारी को पाटन और क्षति

की पुनरावृत्ति होने की संभावना का एक समग्र मूल्यांकन करना चाहिए। प्राधिकारी ने क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के निर्धारण के लिए क्षति की आशंका का निर्धारण करने के लिए प्रावधानों पर ऐतिहासिक रूप से भरोसा किया है।

- य. पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना के संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं की मात्रा में सापेक्ष दृष्टि से कोई निरपेक्ष संदर्भ में, उत्पादन और खपत, दोनों की दृष्टि से, वर्ष 2016-17 से, जांच की अवधि (2019-20) तक के डाटा की तुलना करने पर गिरावट आई है।
- कक. याचिकाकर्ता ने अपनी अद्यतन याचिका और मौखिक अनुरोध में यह माना है कि आयातों में गिरावट ऑटो सेक्टर में वैश्विक मंदी के कारण है और संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्रियों की मात्रा में, वाणिज्यिक वाहनों के सेगमेंट में गिरावट को देखते हुए अत्यधिक गिरावट आई है। ऑटो उद्योग की मंदी कोविड-19 महामारी के चलते अत्यंत खराब हुई है।
- खख. याचिकाकर्ता की लागत में कमी आई है और उनकी बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है जबकि अधिक लाभ अर्जित किए हैं। यह दर्शाता है कि याचिकाकर्ताओं की कीमत पर संबद्ध आयातों की कीमत की प्रवृत्तियों से प्रभाव नहीं पड़ा है। आंकड़ों से यह अनुरोध किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात ऐसी कीमतों पर प्रवेश नहीं कर रहे हैं जिनसे कोई पर्याप्त मंदी और दमनकारी प्रभाव पड़ता हो और न ही ऐसी कोई संभावना है कि ऐसे आयात भविष्य में ऐसी मंद और दमनकारी कीमतों पर प्रवेश करेंगे। उल्लिखित कीमत संबंधी प्रवृत्तियों के आधार पर, यह प्रतीत होता है कि संबद्ध देशों की कीमत संबंधी नीति से याचिकाकर्ता की कीमत संबंधी नीति पर प्रभाव नहीं पड़ता।
- गग. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पूरी क्षति अवधि के दौरान बिक्रियों की लागत से अधिक रही है।
- घघ. “अत्यधिक क्षमता” किसी विशिष्ट देश में घरेलू मांग से अधिक किसी क्षमता को नहीं दर्शाती। इसकी बजाय, यह निष्क्रिय क्षमताओं को दर्शाती है जो भारतीय बाजारों में पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री के लिए भविष्य में अनुबंधित की जा सकती है।
- ड.ड.. हुबेई ट्राइ-रिंग एक्सल कं. लि. के मामले में, अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए क्षमताओं में वृद्धि हुई है। चूंकि बढ़ती क्षमताएं अन्य बाजारों के लिए निर्यातों को ठीक करती हैं, इसलिए भारत को निर्यात करने के लिए क्षमता के उपयोग की संभावना बहुत ही कम है।
- चच. हुबेई ट्राइ रिंग फोर्जिंग कं. लि. के मामले में, उनका अधिकांश उत्पादन घरेलू बाजार की पूर्ति करने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। कोविड-19 से संबंधित प्रतिबंधों में धीरे-धीरे सहजता आने और आर्थिक स्थिति में सुधार आने के साथ ही, चीन जन. गण. के विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू मांग में आगे वृद्धि होने की संभावना है। अतः मौजूदा क्षमताएं, स्वयं ही, चीन जन. गण. में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए उपयोग की जाएंगी, न कि भारत को निर्यातों के लिए।
- छछ. प्रतिवादियों के प्रश्नावली उत्तरों का अवलोकन यह प्रदर्शित करेगा कि इन्वेन्ट्री के स्तर में गिरावट आई है। प्रतिवादियों के पास घरेलू बाजार और/ अथवा तीसरे देश के निर्यात बाजारों में इसकी बिक्री करने की बजाय, संबद्ध वस्तुओं की अधिक इन्वेन्ट्री नहीं है। यह अनुरोध किया जाता है कि इस मापदंड के आधार पर, घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है।
- जज. प्रतिवादियों ने जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान भारत को शून्य निर्यात किए हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह निर्धारित करना चाहिए कि क्या पाटनरोधी शुल्क को हटाने से घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। ऐसा करने के लिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटन और क्षति के वर्तमान स्तर का विश्लेषण करते हैं और जांच की अवधि के बाद के डाटा का मूल्यांकन करके पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना भी है, जो एक निर्णायक समीक्षा जांच में अधिक आवश्यक है। तथापि, वर्तमान जांच में, याचिकाकर्ता ने यह दर्शाने के लिए जांच की अवधि के बाद का कोई डाटा प्रदान नहीं किया है कि यहां तक कि जांच की अवधि के 3 माह के बाद के डाटा भी क्षति और पाटन के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

झझ. याचिकाकर्ताओं ने एक दावा स्थापित करने का प्रयास किया है कि संबद्ध देशों में उत्पादकों और निर्यातकों की निर्यात पर अत्यधिक निर्भरता है और इसलिए शुल्कों को हटाए जाने के मामले में, भारत को निर्यातों में तेजी आएगी। दिए गए विवरण अत्यधिक सामान्य प्रकृति के हैं और प्रतिभागियों के मामले में यह तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। याचिकाकर्ता के विवरण बिना किसी सहायक साक्ष्य के हैं। प्रतिवादी, घरेलू बिक्रियों के प्रति उन्मुखी हैं और कुछ हद तक तीसरे देशों को निर्यातों के प्रति उन्मुखी हैं। अतः भारतीय उत्पादकों को पाटन और क्षति की संभावना के लिए कोई दावा नहीं किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

47. घरेलू उद्योग ने क्षति और कारणता की संभावना के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. संबद्ध देश से पाटित किए गए आयात की मात्रा कम है, लेकिन यह विचार करते हुए यह नगण्य नहीं है कि शुल्क वर्तमान में लागू हैं और ये 10+ वर्षों से हैं।
- ख. भारत में घरेलू उद्योग, ऑटोमोटिव मार्केट के बावजूद मांग में कमी के कारण केवल अपने पाटन रोधी शुल्क के कारण निष्पादन में सुधार करने में सक्षम है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के अस्तित्व के लिए शुल्क की निरंतरता महत्वपूर्ण है।
- ग. आयात की मात्रा की प्रवृत्ति से पता चलता है कि जैसे-जैसे वर्तमान जांच की अवधि समीप आती गई, वैसे-वैसे इस देश के उत्पादकों/निर्यातकों ने भारत में अपने निर्यात की मात्रा को कार्यानीतिक रूप से गिरा दिया। स्वाभाविक रूप से, जब से निर्णायक समीक्षा जांच समय-समय पर होती है, सभी हितबद्ध पक्ष समय का अनुमान लगाने और तदनुसार अपने निर्यात का प्रबंधन करने में सक्षम होते हैं। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि जहां क्षति की जांच अवधि के पहले दो वर्षों में आयात की मात्रा महत्वपूर्ण थी, वहीं पिछले दो वर्षों के दौरान समान रूप से गिरावट आई है।
- घ. क्षति की जांच अवधि के दौरान पाटित किए गए आयात की मात्रा कम बनी हुई है और इसलिए, मांग में इसकी हिस्सेदारी आदि घरेलू उद्योग पर इसके मात्रा प्रभाव के बारे में स्पष्ट स्थिति प्रदान नहीं करेगी। प्राधिकारी को शुल्क हटाने की स्थिति में संभावना यानी संभावित आयात की जांच करनी चाहिए और इसके घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने की संभावना है।
- ङ. यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से आयात के लिए 10 साल से पाटनरोधी शुल्क लागू है। फिर भी, भारत में अधिकांश आयात चीन जन.गण. से ही होते हैं। यह स्पष्ट है कि भारत एक आकर्षक बाजार है, और चीनी उत्पादकों ने शुल्क को हटाए जाने के बाद 10 साल तक शुल्क में रहने के बावजूद भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बनाए रखना जारी रखा है।
- च. चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पादों के मूल्य निर्धारण ने पीओआई से पहले वर्ष में एक तेज और अस्वाभाविक वृद्धि दिखाई है, जो इस दृष्टिकोण का समर्थन करता है कि चीन में निर्यातक निर्णय समीक्षा की प्रत्याशा में अपने निर्यात का कृत्रिम रूप से रणनीतिकरण कर रहे थे जो अनुमानित है।
- छ. एफएबी के मामले में मूल्य कटौती करने के संबंध में, यह स्पष्ट है कि एडीडी को शामिल किए बिना मूल्य कम करना पीओआई में सकारात्मक है। इससे पता चलता है कि शुल्क के निरसन के मामले में, चीन जन.गण. से आयात एफएबी की घरेलू कीमतों की कटौती करने की संभावना है।
- ज. इसके मामले में मूल्य कटौती करने के संबंध में, यह स्पष्ट है कि क्षति की अवधि में एडीडी को शामिल किए बिना मूल्य कम करना सकारात्मक है और पीओआई में भी है। यह एक निश्चित प्रवृत्ति को दर्शाता है कि जब शुल्क को रद्द कर दिया जाता है, तो चीन जन.गण. से आयात इसके की घरेलू कीमतों की कटौती करना जारी रखेगा।
- झ. इसके अलावा, वर्तमान मूल्य कटौती करना बहुत सीमित निर्यात बिक्री से निर्धारित होता है। जैसे-जैसे मात्रा बढ़ती है, इन कम कीमतों का प्रभाव महत्वपूर्ण होगा और वास्तविक रूप से घरेलू उद्योग को क्षति होगी।
- ञ. पिछली जांच में प्राधिकारी ने देखा कि भारत में कुछ निश्चित ओईएम विनिर्माताओं ने आपूर्ति के एक व्यवहार्य स्रोत को बनाए रखने के लिए चीन में संबद्ध वस्तुओं की थोड़ी मात्रा का स्रोत जारी रखा और इस अवधि के दौरान आयात की एक छोटी मात्रा उस तथ्य का एक प्रमाण है। इसलिए, इन आयातों की कीमत एक महत्वपूर्ण कारक नहीं है,

लेकिन संबद्ध देश में उत्पादकों की क्षमता को बढ़ाने के लिए उनकी मात्रा और उस स्थिति में संभावित मूल्य परिदृश्य को इस निर्णय समीक्षा जांच में परीक्षण किए जाने की आवश्यकता है।

- ट. एफएबी के साथ-साथ उसके के मामले में कम कीमत पर बिक्री के संबंध में, यह स्पष्ट है कि महत्वपूर्ण रूप से कम कीमत पर बिक्री हुई है। एफएबी के मामले में, यह देखा गया है कि वर्तमान में लागू एडीडी की मात्रा को छोड़कर कम कीमत पर बिक्री 15 - 25% की सीमा में महत्वपूर्ण है। उसके के मामले में, महत्वपूर्ण पहलू है, चाहे एडीडी की मात्रा शामिल हो या न हो। वर्तमान में लागू एडीडी की मात्रा को शामिल करने या बाहर करने वाली कम कीमत पर बिक्री 100- 200% की सीमा में है।
- ठ. मूल्य प्रभाव विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि वर्तमान में पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के बावजूद, चीनी उत्पादकों/निर्यातकों का मूल्य निर्धारण व्यवहार घरेलू उद्योग के लिए हानिकारक है।
- ड. पीओआई में चीनी आयात की मात्रा कम है और इसलिए, घरेलू कीमतों के ह्रास/न्यूनीकरण के संदर्भ में उनका प्रभाव स्पष्ट नहीं है। हालाँकि, पाटन के महत्वपूर्ण स्तर और कीमत की प्रवृत्ति को देखते हुए, जैसा कि याचिका में दिखाया गया है, यह स्पष्ट है कि यदि शुल्क का निरसन कर दिया जाता है तो चीन जन.गण. से आयात मात्रा घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण क्षति पहुंचाएगी।
- ढ. चीन जन.गण. से प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के आधार पर अनुचित आयात को रोकने के कारण घरेलू उद्योग पूरी तरह से अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने में सक्षम रहा है। भारत और विश्व में सामान्य आर्थिक स्थिति में दिए गए डाउन टर्न में, शुल्क प्रोटेक्शन को निरस्त/बंद करने की स्थिति में याचिकाकर्ता को महत्वपूर्ण हानि होगी।
- ण. याचिकाकर्ता उत्पादों के महत्वपूर्ण माल सूचीपत्र को विचाराधीन नहीं रखता है। बल्कि, चूंकि उत्पादों को उपयोगकर्ताओं/खरीदारों के विनिर्देशों पर ऑर्डर करने के लिए बनाया जाता है, इसलिए, बाजार की हानि को उच्च माल सूचीपत्र के बजाय कम क्षमता के उपयोग में बेहतर देखा जाता है।
- त. घरेलू बाजार को वास्तविक और दूरदर्शिता के साथ आयात किए जाने वाले पाटित किए गए आयात के जोखिम ने स्वतंत्र रूप से प्रतिस्पर्धी बाजारों के सामान्य कामकाज के साथ, मूल्य निर्धारण के की उदार गति को रोकने का कार्य किया है। यदि आयात में वृद्धि होती है और घरेलू बाजार में कीमतें गिरती हैं, तो देश से पाटित किए गए आयात की वजह से थिन मार्जिन आगे चलकर वित्तीय हानि का कारण बनेगा।
- थ. याचिकाकर्ता को नियोजित पूंजी पर खराब लाभ का सामना करना पड़ा है, जिसे प्रपत्र ज/प्रारूप IV क में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों से देखा जा सकता है।
- द. संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री में काफी ह्रास हुआ है और बाजार में पाटित आयात की बढ़ती उपस्थिति की उपस्थिति और खतरे सहित कई कारकों के कारण पीओआई में महत्वपूर्ण गिरावट दिखाई देती है।
- ध. चीन जन.गण. से आयात की प्रवृत्ति में वृद्धि आयात की संभावना को दर्शाती है, विशेष रूप से शुल्क निरसन के मामले में। चीन जन.गण. से आयात की मात्रा में पाटनरोधी शुल्क और उसके बाद पीओआई में दखल के बावजूद 2018-19 तक लगातार वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, पीओआई में कोविड -19 महामारी के कारण चीन जन.गण. में राष्ट्रीय लॉकडाउन के कारण शून्य आयात की अवधि शामिल है।
- न. बढ़ती आयात की स्थिति को अद्वितीय महामारी के पश्चात की स्थिति से मिलाया गया है, जिसमें चीन जन.गण. में कारखानों और उद्योग वापस गति की स्थिति में हैं, जबकि भारतीय उत्पादकों ने जारी महामारी की स्थिति के कारण उत्पादन और विपणन पर प्रतिबंध जारी रखा है।
- प. एचटीआरए और एचटीआरएफ संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक बने हुए हैं और नई क्षमताएं हैं जो चीन में याचिकाकर्ता द्वारा एकत्र की गई बाजार की बुद्धिमत्ता के अनुसार जोड़ी गई हैं और उत्तरदाताओं के प्रश्नावली के उत्तर भी हैं।
- फ. तीसरे देशों में घरेलू खपत या निर्यात में वृद्धि के बिना नई क्षमताओं को जोड़ा गया है। इसलिए, इन क्षमताओं के आसन्न होने की संभावना है, जिसका उपयोग भारत में पाटन में काफी मात्रा में किया जाता है।
- ब. चीन जन.गण. में क्षमता से संबंधित सार्वजनिक जानकारी याचिका के साथ उपलब्ध कराई गई है।

- भ. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन.गण. में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा आयोजित माल सूचीपत्र भारत में पाटन की संभावना का संकेत होगा। इसके अलावा, उत्तरदाताओं द्वारा दायर प्रश्नावली प्रतिक्रिया के आधार पर, यह अनुरोध किया गया है कि एचटीआरए और एचटीआरएफ द्वारा रखे गए माल सूचीपत्र में काफी वृद्धि हुई है।
- म. जबकि चीनी उत्पादकों के पास चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध और महामारी के प्रभाव के बाद चीन में वर्तमान आर्थिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण क्षमता है, पिछले कई महीनों में चीनी घरेलू बाजार में मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में महत्वपूर्ण गिरावट की संभावना है। और कुछ समय तक जारी रहने की संभावना है।
- य. चीनी अर्थव्यवस्था की सामान्य निर्यात निर्भरता सर्वविदित है। चीनी उत्पादक अत्यधिक निर्यात पर निर्भर हैं और भारत लंबे समय से चीनी निर्माताओं के लिए एक लक्षित बाजार रहा है। भारत में कुल आयात का लगभग 14% आयात के साथ चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। ऑटो-घटकों में से, चीन अकेले 8708 5000 मर्चों के लिए भारत में कुल आयात का लगभग 20% की भागीदारी रखता है, जिसमें विचाराधीन उत्पादों सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
- कक. वर्तमान वैश्विक आर्थिक संकुचन के मद्देनजर, विशेष रूप से वैश्विक ऑटो उद्योग और विशेष रूप से चीनी ऑटो क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संकुचन से गुजरने की अपेक्षा है। ऐसा अनुमान है कि वर्ष 2020-21 में ऑटो की चीन की मांग में लगभग 10-20% की गिरावट होगी। हाल के वर्षों में चीन में निर्मित एक महत्वपूर्ण क्षमता है, जबकि संबद्ध वस्तुओं की मांग में भी संकुचन होगा। इसलिए, वैश्विक ऑटो मार्केट की मांग के अभाव में और चीन में घरेलू बाजार को गिराने के बाद, चीनी उत्पादकों के पास भारत में एक आकर्षक बाजार होगा जहां वे अपना सामान पाटित कर सकते हैं क्योंकि भारतीय ऑटो बाजार का कोविड दृष्टिकोण समाचार रिपोर्टों के अनुसार सकारात्मक है।
- खख. यह कानून की एक व्यवस्थित स्थिति है कि कारणात्मक संबंध विश्लेषण निर्णायक समीक्षा जांच में अनिवार्य रूप से आवश्यक नहीं है। *मेक्सिको से ऑयल कंट्री ट्यूबलर गुड्स* (डब्ल्यूटी/डीएस 282/एबी/आर दिनांक 2 नवंबर 2005) के मामले में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय के निर्णय का संदर्भ दिया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि निर्णय समीक्षा में, आयात मात्रा और मूल्य निर्धारण मापदंड वर्तमान में लागू शुल्क के प्रभाव में हैं और निर्यात देश में उत्पादकों के लिए यह बहुत आसान है कि जांच की अवधि के दौरान मात्रा और कीमतों में हेरफेर किया जाए जिससे किसी भी कारणता मूल्यांकन से निबटा जा सके।
- ग. किसी भी मामले में कारणता इस तथ्य से स्पष्ट है कि संबद्ध वस्तु मुख्य रूप से केवल चीन जन.गण. से आयात की जाती है। यह उत्पाद की विशिष्ट प्रकृति के कारण ऐसा होना जारी रहेगा, जहां ओईएम को स्थापित क्षमता स्थापित करने के लिए विक्रेता और ओईएम का सीधा संबंध है, हालांकि एक त्वरित स्विच संभव है।
- घघ. आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) की मांग में पिछले चार से छह तिमाहियों के लिए क्यूओक्यू आधार पर उतार-चढ़ाव हुआ है। फिर भी, वित्त वर्ष 2018 में सीवी, विशेष रूप से मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन (एम एंड एचसीवी) ट्रकों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) की मांग में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया। अनुकूल विनियामक विकास के अलावा, अवसंरचना क्षेत्र की मांग में वृद्धि भी टिप्स की मांग का समर्थन करना जारी रखेगी, एक ऐसा क्षेत्र जो चालू वित्त वर्ष के दौरान उद्योग से बेहतर निष्पादन कर रहा है। वित्त वर्ष 2019 के पहले नौ महीनों में एम एंड एचसीवी माल क्षेत्र निरंतर प्रतिस्थापन मांग, उच्च आर्थिक गतिविधियों, अवसंरचना के क्षेत्र में सरकार के खर्च के परिणामस्वरूप आगे बढ़ा। हालांकि अगले तीन महीनों की बिक्री थोड़ी धीमी थी, वित्त वर्ष के लिए समग्र संख्या में एक नया रिकॉर्ड उच्च था, जो वर्ष में 15 प्रतिशत की वृद्धि थी। यह स्पष्ट रूप से बढ़ती मांग के साथ भारत के सबसे बड़े भारी ट्रक बाजारों में से एक है।
- ड.ड.. 2017-18 और 2018-19 में अच्छी वृद्धि के बाद, 2019-20 में बीएस-VI की शुरुआत और बीएस-IV की पूर्व-खरीद और अर्थव्यवस्था में मामूली गिरावट के कारण ट्रक पक्ष पर एम एंड एचसीवी में मांग में भारी गिरावट देखी गई। कोविड -19 के कारण आर्थिक मंदी के कारण 2019 की तुलना में 2020 में मांग में एक और बड़ी गिरावट देखने की उम्मीद है। इसलिए, देश में मांग की स्थिति एक जटिल पद्धति दिखाती है ऐसे में, घरेलू बाजार में पाटित किए गए आयात की उपस्थिति सबसे खराब चीज है जो घरेलू उद्योग के लिए हो सकती है।

- चच. इस क्षेत्र में मांग की संवेदनशीलता को देखते हुए, सामान की कीमत आपूर्तिकर्ता की पसंद को निर्धारित करती है। आयातित माल और घरेलू रूप से उत्पादित माल लेखों की तरह हैं और समान अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोगों के लिए उपयोग किए जाते हैं। मूल्य निर्धारण लेख को आयातित स्रोतों या घरेलू स्रोतों से खरीदने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक है। चूंकि पाटित किए गए सामान को घरेलू बाजार में प्रदान किया जा रहा है और घरेलू बाजार में काफी कम कीमत पर प्रदान किए जाने की संभावना है, अगर शुल्क को रद्द कर दिया जाता है, तो घरेलू उद्योग में याचिका की कीमतों और लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। घरेलू उद्योग से यह उम्मीद की जाएगी कि वह आयातकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों को संबद्ध देश से मिलाए।
- छछ. प्रतिवादियों का ईक्यूआर 10 नवम्बर 2020 तक याचिकाकर्ता के साथ साझा नहीं किया गया था। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया कि यह उत्तरदाताओं पर निर्भर था कि वे ईमेल के जरिये दाखिल की एक प्रति प्रदान करेंगे (वर्तमान महामारी स्थिति बताते हुए)।
- जज. देर से दायर की गई ईक्यूआर में अत्याधिक गोपनीयता है जो ईक्यूआर के अगोपनीय संस्करण प्रदान करने की प्रथा को पराजित करने वाली है। प्रतिवादियों के संबंध में, *अन्य बातों के साथ*, चीन में लेखांकन अवधि, कच्ची सामग्री का *नाम/इनपुट* सामग्री, इस तरह के ब्रोशर के रूप में सार्वजनिक विपणन दस्तावेजों, विनिमय दर आरएमबी से अमरीकी डालर तक या वहां से अमरीकी डालर को भारतीय रुपए में रूपांतरण के लिए भरोसे के साथ गोपनीयता का दावा किया है। इस तरह की गोपनीयता का आधार स्पष्ट नहीं है क्योंकि प्रतिवादियों ने इसके लिए कोई औचित्य प्रदान नहीं किया है। परिशिष्ट-ग, कानूनी प्रतिनिधि द्वारा घोषित किया गया है, अहस्ताक्षरित दायर किया गया है और इसलिए, ईक्यूआर में निहित अनुरोध की सत्यता के बारे में शुभ चिंतन में की गई घोषणा नहीं माना जा सकता है।
- झझ. एचटीआरएफ और एचटीआरए, चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक हैं और भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक हैं। चीन के इन निर्माता/निर्यातकों द्वारा दी गई जानकारी, जो पिछली एसएसआर जांच में और साथ ही मूल जांच में केवल प्रतिभागी रही हैं, पिछले 10-12 वर्षों में चीन में अतिरिक्त क्षमता और भारतीय बाजार के लिए चीनी उत्पादकों के सामान्य नीति का एक अकाट्य संकेत देती है।
- ञञ. ईक्यूआर में मौजूद आंकड़ों के अनुसार, एचटीआरए की क्षमताओं को कम करके और पाटनरोधी शुल्क को लागू करने के मामले में भारतीय बाजार के लिए निर्देशित किया जा सकता है। इसने 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से 2018 में 114 की क्षति की अवधि में अपनी क्षमता में वृद्धि की। इस प्रकार, पीओआई में, 2017 की तुलना में क्षमता में कम से कम 14% की वृद्धि हुई। क्षमता का उपयोग सराहनीय रूप से नहीं बढ़ा। यह इंगित करता है कि एचटीआरए अधिशेष क्षमता रखता है और वर्तमान में इसकी वर्तमान क्षमता को कम कर रहा है।
- टट. इसके अलावा, भारत में एचटीआरए की बिक्री की प्रवृत्ति में काफी वृद्धि हुई है, जो पीओआई की ओर अग्रसर है और फिर एसएसआर के लिए सही समय पर लागू किया गया है। एचटीआरए ने 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से 2019 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों के लिए उत्पादन बढ़ाया। उल्लेखनीय रूप से, घरेलू बाजार में बिक्री एक स्थिर प्रवृत्ति दिखाती है, 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से 2018 में 138 और 2019 में 134 तक। हालांकि, बिक्री भारतीय बाजार 2017 और 2018 के बीच लगभग 350% की वृद्धि के साथ एक परिवर्तनशील वक्र दिखाता है और फिर तेजी से और अचानक 2019 में (आश्चर्यजनक रूप से, एसएसआर अवधि आसन्न हो जाती है) मात्र 22 सूचीबद्ध इकाइयों के लिए घटता है। यह चीनी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य व्यवहार के बारे में याचिकाकर्ता के दावों के साथ संरेखित करता है, क्योंकि निर्णय समीक्षा परीक्षा आसन्न हो जाती है।
- ठठ. पीओआई के संबंध में आंकड़ों को चीन जन.गण. में वाणिज्यिक शर्तों के द्वारा आरोपित किया जा सकता है क्योंकि यह कोविड -19 के कारण लॉकडाउन और राष्ट्रीय बंद का सामना करने वाला पहला देश है। हालांकि, 2019 के आंकड़े पीओआई के एक प्रमुख हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं, वही नोट किया जा सकता है।
- डड. एचटीआरए की माल सूचीपत्र क्षति की अवधि में वृद्धि दिखाते हैं और ये 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से 2019 तक 133 सूचीबद्ध इकाइयां हो गई। महत्वपूर्ण रूप से, जब निर्णय समीक्षा अवधि आती है, भारत में निर्यात में महत्वपूर्ण गिरावट की कीमत पर बड़ी हुई माल सूचीपत्र को रखा जाता है और यह भारत के अलावा घरेलू बाजार या वैश्विक बाजार में समान तेज गिरावट के बिना होता है। यह भी नोट करना प्रासंगिक है कि रखी गई

माल सूचीपत्र में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह एक महत्वपूर्ण वृद्धि है। इसके अलावा, बाद में कोविड परिदृश्य में, ये माल सूचीपत्र और भी अधिक हो सकते हैं।

द. इसके अलावा एचटीआरए की घरेलू बिक्री पीओआई तक पहुंचने वाली बिक्री मूल्य, 2018 में, निर्यात बिक्री से भारत या अन्य बाजारों में बिक्री मूल्य की तुलना में धीमी गति से बढ़ रहा है। अन्य बाजारों में निर्यात बिक्री में 253% की वृद्धि हुई है, जो चीन में घरेलू बिक्री में गिरावट की स्थिति में चीन में उत्पादकों के गंभीर निर्यात उन्मुखीकरण का संकेत देता है। यह सामान्य सूचना का भी समर्थन करता है कि चीनी ऑटो उद्योग को गंभीर मांग का सामना करना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप चीनी उत्पादकों के साथ महत्वपूर्ण सामानों का उत्पादन किया जाता है और यदि शुल्क को उठाया जाता है तो उन्हें भारत में पाटित करना होगा। इसके अलावा, प्रति यूनिट बिक्री प्राप्ति की प्रवृत्ति के संबंध में, भारत को निर्यात बिक्री की प्रति यूनिट बिक्री की प्राप्ति, घरेलू बिक्री की प्रति यूनिट बिक्री की तुलना में क्षति की अवधि और पीओआई पर एक उच्च प्रवृत्ति को दर्शाती है, इस प्रकार, भारत में तीव्र पाटन को सक्षम करने के लिए चीन में मांग स्लाइड और भारतीय बाजार में मूल्य आकर्षण की पुष्टि करती है, यदि शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है।

ण. यह स्पष्ट नहीं है कि घरेलू उपभोग के लिए और भारतीय बाजारों के लिए बने उत्पादों के संबंध में एचटीआरए की लागत की जानकारी के लिए अलग-अलग प्रवृत्ति क्यों हैं, निर्यात उत्पादों के लिए लागत की प्रवृत्ति के साथ 2018 के दौरान गिरावट दिखाई दे रही है जबकि घरेलू लागत में वृद्धि देखी गई है। यह स्पष्ट नहीं है कि लागत की गणना कैसे की गई है, जैसे कि भारतीय बाजार के लिए घरेलू सामान की तुलना में माल के लिए अलग-अलग मूल्य निर्धारण की प्रवृत्ति दिखाना।

त. एचटीआरए के ईक्यूआर के परिशिष्ट 1 में दर्शाया गया है कि प्रतिवादी ने क्षति की अवधि में अपनी क्षमता में वृद्धि की है, इसने भारत में अपनी बिक्री में काफी वृद्धि की है, जो कि पीओआई की ओर बढ़त है (संबद्ध वस्तुओं की बिक्री किसी अन्य वैश्विक बाजार में नहीं है) और क्षति की अवधि और पीओआई में महत्वपूर्ण माल सूचीपत्र रखे गए।

थ. क्षति की अवधि में एचटीआरए की क्षमता में वृद्धि हुई है और यह 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से 2019 में 105 सूचीबद्ध इकाइयां हो गई और पीओआई में वृद्धि हुई है। हालाँकि, क्षमता विस्तार से मेल खाने के लिए संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को नहीं बढ़ाया गया है। वास्तव में, 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से पीओआई में 86 सूचीबद्ध इकाइयों की क्षमता के उपयोग में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। इस प्रकार, कम क्षमता के उपयोग के साथ पठित हालिया क्षमता विस्तार, अधिशेष और एचटीआरए द्वारा आरक्षित अतिरिक्त क्षमता का संकेत है। यह आंकड़ा याचिकाकर्ता के दावे को पुष्ट करता है कि शुल्क के निरसन के मामले में, अधिशेष क्षमता का उपयोग किया जाएगा और इसे भारत में परिवर्तित किए जाने की संभावना है।

द. एचटीआरए की घरेलू बाजार में बिक्री स्थिर प्रवृत्ति दर्शाती है, 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों से 2018 में 107 और 2019 में 104 तक और उसके बाद चीन में मांग का धीमा होने का संकेत देते हुए पीओआई में 96 की गिरावट। हालाँकि, भारतीय बाजार में बिक्री एक परिवर्तनशील वक्र दिखाती है, 2017 और 2018 के बीच लगभग 250% बढ़त रही है और फिर तेजी से गिरावट और अचानक 2019 में केवल 19 सूचीबद्ध इकाइयां हो जाती हैं और आगे पीओआई में कम (आश्चर्यजनक रूप से, एसएसआर अवधि आसन्न) हो जाती है।

ध. एचटीआरए के माल सूचीपत्र ने क्षति की अवधि में काफी वृद्धि की और यह 2017 में 100 सूचीबद्ध इकाइयों की तुलना में 2019 तक 253 सूचीबद्ध इकाइयां हो गई। महत्वपूर्ण रूप से, जब निर्णय समीक्षा अवधि आती है, भारत में निर्यात में महत्वपूर्ण गिरावट की कीमत पर बड़ी हुई माल सूचीपत्र को रखा जाता है और यह घरेलू बाजार में समान तेज गिरावट के बिना होता है। यह भी नोट करना प्रासंगिक है कि आयोजित किए गए माल सूचीपत्र में लगभग 230% की वृद्धि हुई है। यह एक महत्वपूर्ण वृद्धि है जो इस तथ्य को स्थापित करती है कि घरेलू बाजार में कुछ गंभीर मांग-आपूर्ति मुद्दा है। इसके अलावा, कोविड के बाद के परिदृश्य में, ये मालसूची और भी अधिक हो सकते हैं और शुल्क के समाप्ति के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में इस मालसूची और अधिशेष क्षमता को बंद कर दिया जाएगा, इस तथ्य को देखते हुए कि इस निर्माता-निर्यातक के पास कोई अन्य बाजार नहीं है जैसा कि इसके आंकड़ों से स्पष्ट है।

नन. अंत में, प्रतिवादी द्वारा दिया गया आंकड़ा प्रतिवादी के निर्यात उन्मुखीकरण और भारतीय बाजारों पर इसकी निर्भरता को दिखाता है ताकि इसकी अतिरिक्त क्षमता और माल सूची से निपटा जा सके। यह आंकड़ा भारतीय बाजार के मूल्य आकर्षण को भी दर्शाता है। एचटीआरएफ भारत के अलावा किसी अन्य देश को संबद्ध वस्तु का विक्रय नहीं करता है। इस प्रकार, घरेलू मांग में गिरावट का समाधान भारत में निर्यात में वृद्धि के माध्यम से, विशेष रूप से एचटीआरएफ और उच्च माल सूचीपत्र द्वारा क्षमता विस्तार के मद्देनजर ही हो सकता है। एचटीआरएफ की मूल्य प्रवृत्ति, जैसा कि भारत में निर्यात से बिक्री की प्राप्ति से देखा जा सकता है, चीन के घरेलू बाजार में मूल्य प्रवृत्ति में गिरावट की तुलना में स्थिर रहे हैं। इसलिए, न केवल उत्पादकों का निर्यात उन्मुखी है (विशेष रूप से और केवल भारत के लिए), बल्कि यह भी स्पष्ट है कि उत्पादकों के पास भारत में निर्यात करने का अच्छा कारण तभी है जब भारत में कीमतें स्थिर होती हैं।

ग. क्षति मापदंडों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

48. प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और क्षति व कारणात्मक संबंध के दावों के संबंध में उनमें उठाए गए विभिन्न मुद्दों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर घरेलू उद्योग के जवाबी तर्कों को नोट करते हैं। सभी प्रासंगिक मुद्दों पर, जैसा कि नीचे कहा गया है, अंतिम जांच परिणाम में विचार किए जाने के लिए प्रस्ताव किया गया है।

49. लगातार क्षति अथवा उसकी संभावना के विस्तृत आकलन पर कार्रवाई आरंभ करने से पूर्व प्राधिकारी निम्नलिखित को नोट करना उचित समझते हैं:-

क. जहां तक इस दावे का संबंध है कि याचिका में पी ओ आई पश्चात आंकड़ों के साक्ष्य अंतर्निहित नहीं हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी ओ आई पश्चात आंकड़ों का विश्लेषण हालांकि संभावना के लिए अतिरिक्त रूप से वांछनीय है, पर न्यायसंगत स्थिति में विचार किया गया है। क्षति जांच अवधि में विकास और जांच की अवधि एक निर्णायक समीक्षा निर्धारण में प्रासंगिक है। तथापि, पी ओ आई पश्चात अवधि के लिए सूचना भी विशेष रूप से वर्तमान जांच के प्रयोजन हेतु असंगत है क्योंकि जारी महामारी के ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय लॉकडाउन के कारण दोनों देश अत्यधिक सीमित व्यापार का सामना कर रहे हैं।

ख. जहां तक इस दावे का संबंध है कि आयातों की वर्तमान मात्रा कम है और पाटन रोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता को पूरी नहीं करती, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्णायक समीक्षा में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की जाती है। चाहे इस समय आयातों की मात्रा कम है, यह पाटन रोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन और क्षति की किसी संभावना की अनुपस्थिति की ओर संकेत नहीं कर सकता।

ग. जहां तक अन्य घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि गिरती हुई मांग और पाटन रोधी शुल्कों के लगातार अधिरोपण, बाजार हिस्से में परिवर्तन का वर्तमान परिदृश्य संभावित मानदंडों के संबंध में एक स्पष्ट स्थिति उपलब्ध नहीं कराते। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह दावा नहीं किया है कि यह भारत में केवल चीनी आयातों के कारण क्षति का सामना कर रहा है। वर्तमान जांच अन्य सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए पाटन रोधी शुल्क को निरस्त करने की स्थिति में पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा पुनरावृत्ति की संभावना की जांच करने के लिए है, जिसका अंतिम जांच परिणाम में उल्लेख किया जाएगा।

घ. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दावा किए गए कारणात्मक संबंध के अभाव का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान अवधि में कारणात्मक संबंध की अनुपस्थिति केवल ऐसी स्थिति में संगत है जहां प्राधिकारी निष्कर्ष देते हैं कि घरेलू उद्योग को वर्तमान क्षति देश में चालू पाटन आयातों के कारण है। इस संबंध में जांच परिणाम जारी पाटन और क्षति की स्थिति साथ ही पाटन रोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति की संभावना की जांच करेंगे।

ङ. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के दावों को नोट किया है कि घरेलू उद्योग के बहुत से क्षति संबंधी मापदंडों ने सुधार दर्शाया है और घरेलू उद्योग डाउन-स्ट्रीम ऑटोमोबाइल क्षेत्र से मांग के संकुचन के कारण मांग में गिरावट के बावजूद लाभों/बढ़ते लाभों की स्थिति में बना हुआ है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक निर्णायक समीक्षा में पाटन और क्षति की संभावना का मूल्यांकन किए जाने की जरूरत है।

50. एडी नियमावली का अनुबंध - II में इन दोनों का उद्देश्यपरक जांच की व्यवस्था करता की गई है (क) समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और पाटित आयातों की मात्रा; और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव प्राधिकारी द्वारा यह जांच किए जाने की आवश्यकता है कि क्या भारत में या तो कुल रूप में या उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष में, पाटित आयातों में वृद्धि की दर महत्वपूर्ण है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना जरूरी है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव महत्वपूर्ण सीमा तक कीमतों में ह्रास करता है अथवा कीमतों में वृद्धि को रोकता है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक बढ़ गई होती।
51. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, सभी संगत आर्थिक कारकों और आंकड़ों, जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जिनमें बिक्री, लाभों, आउटपुट, बाजार-हिस्से, उत्पादकता, निवेशों पर आय या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव, माल सूचियां, रोजगार, मजदूरी वृद्धि, पूंजी या निवेशों को जुटाने की क्षमता पर नियमावली के अनुबंध - II के अनुसरण में विचार किया गया है। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मापदंडों जैसा कि ऊपर इंगित किया गया है, की निम्नानुसार जांच की गई है:-

1. पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

क) आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

52. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में या तो कुल रूप में या उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष पाटित आयातों में वृद्धि की उल्लेखनीय दर है। प्राधिकारी डी जी सी आई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदावार आयात आंकड़ों के आधार और जैसा कि सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के साथ सह संबंधित है, संबद्ध देश और अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा की जांच करने का प्रस्ताव करते हैं।
53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस रिपोर्टों तथा चीन के सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार, जो उस देश से एकमात्र निर्यातक बताए गए है, पी ओ आई के दौरान भारत को केवल मशीनी उत्पाद निर्यात किए गए है। इसलिए, आयात भार को, जैसा कि निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट की गई है, मशीनी उत्पादों के युनिट भार को ध्यान में रखते हुए परिवर्तित किया गया है। तदनुसार, संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा निम्नानुसार है:-

विवरण	युनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
फ्रंट एक्सल बीम					
चीन जन.गण. से आयात	मी. टन	1013.11	1,587.60	2,155.97	182.34
अन्य देशों से आयात	मी. टन	-	-	-	-
कुल आयात	मी. टन	1,013.11	1,587.60	2,155.97	182.34
स्टियरिंग नकैल					
चीन जन.गण. से आयात	मी. टन	864.71	1,301.83	1,930.52	127.01
अन्य देशों से आयात	मी. टन	-	0.68	2.70	1.21
कुल आयात	मी. टन	864.71	1,302.51	1,933.23	128.21

54. आंकड़े 2016-17 से 2018-19 की अवधि के बीच एक वृद्धि कारक प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। उसके पश्चात पी ओ आई के दौरान, संबद्ध देश से आयातों में नाटकीय रूप से कमी आई है।

क) मांग/स्पष्ट खपत और मांग में बाजार हिस्से का आकलन

55. भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत का घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों, अन्य भारतीय उत्पादकों और सभी स्रोतों से आयातों के आधार पर आकलन किया गया है। तदनुसार, घरेलू बाजार में एफ ए बी के लिए अनुमानित मांग निम्नानुसार है:-

एफ ए बी					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
चीन जन.गण. से आयात	मी. टन	1013.11	1587.6	2155.97	182.34
	प्रवृत्ति	100	157	213	18
कुल घरेलू बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	114	112	59
मांग	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	115	115	58
मांग के संबंध में चीन जन.गण. से आयात	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	136	186	31
घरेलू उत्पादन के संबंध में चीन जन.गण. से आयात	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	134	182	21

56. एस के के लिए अनुमानित मांग घरेलू बाजार में निम्नानुसार है:-

एस के					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पीओआई)
चीन जन.गण. से आयात	मी. टन	864.713	1301.83	1930.52	127.008
	प्रवृत्ति	100	151	223	147
कुल घरेलू बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	110	101	71
मांग	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	112	108	67
मांग के संबंध में चीन जन.गण. से आयात	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	134	206	22
घरेलू उत्पादन के संबंध में चीन जन.गण. से आयात	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	140	211	15

57. पूर्ववर्ती आंकड़े दर्शाते हैं कि 2016-17 और 2017-18 के बीच भारत में संबद्ध वस्तुओं (एफ ए बी और एस के) के लिए मांग बढ़ी है। इसके बाद, 2018-19 में मांग 2017-18 के समान स्तर पर बनी रही है। तथापि, पी ओ आई में संबद्ध वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आई है।
58. आंकड़े घरेलू उद्योग या अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री की वृद्धि के संबंध में चीन जन. गण. से आयातों की मात्रा में वृद्धि की महत्वपूर्ण दर, साथ ही भारतीय मांग के संबंध में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाते हैं।
59. घरेलू बिक्रियों और बाजार हिस्सों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर एफ ए बी एंड एस के लिए तथा संयुक्त आधार पर विचार किया गया है। यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं की मांग 2018-19 तक क्षति अवधि के दौरान बढ़ी है और पी ओ आई में इसमें गिरावट आई है।
60. जहां तक एफ ए बी का संबंध है, याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में 2016-17 की तुलना में 2017-18 के आरंभ में वृद्धि हुई है तब पी ओ आई के दौरान आधार वर्ष की तुलना में एक बिंदु कम होकर इसमें गिरावट आई है। इसी समय, चीन जन. गण. से एफ ए बी के आयातों में 2018-19 तक क्षति की पूरी अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और पी ओ आई के दौरान गिरावट आई है।
61. जहां तक एस के का संबंध है, 2016-17 की तुलना में 2017-18 में याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में आरंभ में वृद्धि हुई है और तब पी ओ आई के दौरान आधार वर्ष की तुलना में एक बिंदु की हानि के अनुमान पर कम होकर गिरावट आई है।

2. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

62. पाटित आयातों पर कीमत प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार किए जाने की जरूरत है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत से तुलना किए जाने पर पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव ने अन्यथा महत्वपूर्ण रूप से कीमतों में ह्रास किया है अथवा कीमतों में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा महत्वपूर्ण स्तर तक हुई होती। इसलिए पाटित आयातों के कीमत कटौती और कीमत से कम कीमत पर बिक्री दोनों प्रभावों की जांच की गई है हालांकि, आयात की मात्रा निम्न है।

क) कीमत में कटौती

63. पाटित आयातों के कीमत कटौती प्रभाव की जांच किए जाने के प्रयोजन हेतु, दोनों उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के अनुसार तदनुरूपी उत्पादों के आयातों के पहुंच मूल्य के साथ तुलना की गई है। चीन से आयातित उत्पादों के केवल मशीनीकृत रूप का आयात किया गया है और इसलिए, कीमत कटौती का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे गए मशीनीकृत उत्पादों पर विचार किया गया है।
64. संबद्ध देश से एफ ए बी के पाटित आयातों के कीमत कटौती प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:-

एफ ए बी					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
आयात मात्रा	मी. टन	1,013.11	1,587.60	2,155.97	182.34
निर्धारणीय योग्य मूल्य	लाख रु.	***	***	***	***
निर्धारणीय योग्य कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	141.85	139.34	151.60	153
निवल बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***

एफ ए बी					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
	रेंज	(0-10)	(0-10)	(0-10)	0-10

65. यह नोट किया गया है कि पी ओ आई में ए डी डी को शामिल किए बिना कीमत कटौती सकारात्मक है। पूर्व वर्षों के लिए, ए डी डी को शामिल किए बिना, कीमत कटौती ऋणात्मक है। शामिल की गई ए डी डी की मात्रा के साथ विचार किए जाने पर, पूरी क्षति अवधि के दौरान अथवा पी ओ आई में पाटित आयातों के कारण कोई कीमत कटौती नहीं हुई है।

66. संबद्ध देश से एस के पाटित आयातों के कीमत कटौती प्रभाव की निम्नानुसार जांच की गई है:-

एस के					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पीओआई)
आयात मात्रा	मी.टन	864.71	1,301.83	1,930.52	127.01
निर्धारणीय योग्य मूल्य	लाख रु.	***	***	***	***
निर्धारणीय योग्य कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	121.57	121.68	131.29	131.12
निवल बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
	रेंज	35-45	35-45	35-45	45-55

ख) कीमत में ह्रास/न्यूनीकरण

67. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत में ह्रास/न्यूनीकरण प्रभावों की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और मशीनीकृत उत्पादों के लिए पाटित आयातों की पहुंच कीमत के साथ निम्नानुसार तुलना की गई है:-

फ्रंट एक्सल बीम					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	107	113	99

फ्रंट एक्सल बीम					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	103	110	123
चीन जन. गण. से पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	141.85	139.34	151.60	153
	प्रवृत्ति	100	98	107	105
स्टीयरिंग पोर					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पी ओ आई)
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	91	87	115
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	100	109	121
चीन जन.गण से पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	121.57	121.68	131.29	131.12
	प्रवृत्ति	100	100	108	108

68. उपर्युक्त आंकड़े इंगित करते हैं कि एफ ए बी के मामले में, 2018-19 तक उत्पादन की लागत में वृद्धि हुई थी और तब पी ओ आई में इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई है। समग्र रूप से, 2016-17 और पी ओ आई के बीच बिक्री की लागत लगभग समान बनी रही है। आधार वर्ष की तुलना में आयातों की पहुंच कीमत लगभग 5% तक बढ़ी है किंतु घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में निम्न होने के कारण अंतर को समाप्त किया है।
69. जहां तक स्टीयरिंग नकल का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत लगभग 15% बढ़ी है। उसी समय, बिक्री कीमत भी बढ़ी है। तथापि, बिक्री कीमत अधिकतर क्षति की अवधि और पी ओ आई के दौरान बिक्री की लागत की तुलना में निम्न बनी रही है। यह बताना भी प्रासंगिक है कि चीन जन. गण. से पहुंच कीमत एक समानांतर प्रवृत्ति को नहीं दर्शाती बल्कि इसके बजाए इसमें एक अधिक धीमी गति से वृद्धि हुई है। अंत में यह देखा गया है कि पहुंच कीमत (एस डी डी के बिना) ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती की है।
70. घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकार, दोनों ने तर्क दिया है कि आयातों की निम्न मात्रा कीमत में कमी या ह्रास को प्रदर्शित नहीं करती। तथापि, घरेलू उद्योग शुल्क वापसी की स्थिति में आयातों की मात्रा में वृद्धि की स्थिति में संभावित प्रभाव पर बल देता है जबकि हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं को सिर्फ इस दावे तक सीमित रखा है।

3. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक पैरामीटरों की जांच

क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

71. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना नीचे सारणी में दी गई है:-

विवरण	यूनिट/मुद्रा	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	पी ओ आई
स्थापित क्षमता	मी.टन	सूचकांकित	90-100	90-100	90-100	90-100
उत्पादन मात्रा*	मी.टन	सूचकांकित	100	124	133	97
क्षमता उपयोग प्रतिशत	%	सूचकांकित	100	124	135	106

72. घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन के आंकड़ों की समीक्षा और सुधार किया गया है, जैसा कि इच्छुक पार्टियों द्वारा बताया गया है, घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए संशोधित आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए गैर-गोपनीय सारांश जिसमें सभी इच्छुक पार्टियों को भी प्रदान किया गया था

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि क्षति जांच के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा निम्न रही है, उक्त मापदंडों पर आयातों का वास्तविक प्रभाव संभवतः महत्वपूर्ण नहीं है।

(ख) लाभप्रदता, लाभों, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

74. प्राधिकारी द्वारा उत्पादन की लागत और अन्य संबद्ध लागतों साथ ही बिक्री कीमतों की विस्तृत जांच के आधार पर, घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्रियों से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ को निम्नानुसार तैयार किया गया है:-

फ्रंट एक्सल बीम	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पी ओ आई
लाभ/हानि (मशीनीकृत)	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	(3021)	(2243)	13550
नकद लाभ	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	104	96	355
ब्याज पूर्व लाभ	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	121	118	455
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	154	125	220
स्टीयरिंग नकॅल	युनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
लाभ/हानि (मशीनीकृत)	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	(100)	(14.86)	110.16	(57.99)
नकद लाभ	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	(100)	(56)	129	122.13
ब्याज पूर्व लाभ	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	(100)	(63)	26	19
नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	(100)	(90)	(19)	5

75. हितबद्ध पक्षकारों ने कहा है कि याचिकाकर्ता कस आर ओ सी ई में लगातार और उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। इसी प्रकार, एस के के संबंध में, घरेलू उद्योग के आर ओ सी ई में सुधार हुआ है और यह सकारात्मक हुआ है।
76. उपर्युक्त आंकड़े इंगित करते हैं कि एफ ए बी के मामले में, लाभ, नकद लाभ, ब्याज पूर्व लाभ और नियोजित पूंजी पर आय में, पी ओ आई के समय में निश्चयात्मक वृद्धि के साथ अनियमित रूप से वृद्धि हुई है।
77. स्टीयरिंग नकल के मामले में, घरेलू उद्योग पूर्ण क्षति अवधि के दौरान और पी ओ आई में हानि में था, हालांकि, क्षति की अवधि में प्रति यूनिट हानि में गिरावट आई है। नकद लाभ, ब्याज पूर्व लाभ और नियोजित पूंजी पर आय ने पूरी क्षति अवधि के दौरान और पी ओ आई में सुधार दर्शाया है।

ग) बाजार हिस्से पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

78. जैसा कि पहले बताया गया है, संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में पी ओ आई में गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति जांच अवधि के दौरान चीन से आयातों की मात्रा बहुत निम्न रही है जो पाटनरोधी शुल्क को लागू करने के लिए यथोचित प्रतीत होती है।

घ) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

एफ ए बी	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पी ओ आई
कर्मचारियों की संख्या – कंपनी	संख्या	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	106	54	51
वेतन और मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	117	124	16
एस के	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पी ओ आई
कर्मचारियों की संख्या – कंपनी	संख्या	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	106	54	51
वेतन और मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	111	118	8

ड) माल सूची पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

79. विचाराधीन उत्पाद आदेश पर बनाई जाने वाली मर्दे हैं।

च) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

80. आंकड़ों की जांच दर्शाती है कि संबद्ध देश से पाटित आयात, हालांकि मात्रा में कम है, उत्पादन की लागत और घरेलू की बिक्री कीमतों से बहुत कम कीमतों पर अभी भी भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं और जिससे पी ओ आई के दौरान भारतीय बाजार में कीमत कटौती और कीमत से कम कीमत पर बिक्री का कारण रहे हैं, जब इन्हें ए डी डी की मात्रा को छोड़ कर माना गया था। ऑटोमोबाइल क्षेत्र की वैश्विक रूप से सामान्य स्थितियों के कारण मांग में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

(छ) वृद्धि पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

81. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में विशेष कमी की स्थिति में, विभिन्न भौतिक तथा वित्तीय मानदंडों में वृद्धि का उचित मूल्यांकन आवश्यक है जो अनुचित आयातों के कारण होने वाले क्षति निर्धारण पर कोई अर्थपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान नहीं करेगा। यह, इस तथ्य के साथ कि, मौजूदा समय में सेवाएं प्रभाव में हैं, वृद्धि मानदंडों पर व्यर्थ आयातों के प्रभाव को कम करना कठिन बनाता है।

ज) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

82. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता सभी क्षेत्रों में विभिन्न नकली तथा यांत्रिक उत्पादों को कवर करने वाली एक बहु-उत्पाद कंपनी है। अतः पूंजी निवेश जुटाने की उनकी क्षमता केवल विषय वस्तुओं के उत्पादन के प्रदर्शन से प्रभावित नहीं हो सकती। मंदी के साथ मिलकर, पाटन के वर्तमान तथा संभावित परिदृश्य में विषय वस्तुओं के उत्पादन के नए निवेश तथा विस्तार के लिए कंपनी की क्षमता ऑटो क्षेत्र में प्रभावित होने की संभावना है।

ध) पाटन का स्तर तथा पाटन मार्जिन

83. क्षति का अभिप्राय हेतु एक तथ्य के रूप में क्षति का निर्धारण बताता है कि देश के लिए निर्धारित दबाव के पाटन आयातों का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा तथा विशिष्टता से ऊपर है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन की संभावना तथा साथ ही एफ ए बी के लिए क्षति की भी संभावना है।

4. मौजूदा क्षति का संपूर्ण मूल्यांकन तथा कारणात्मक संबंध

84. प्राधिकारी प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियां प्राप्त करने के पश्चात पूर्ववर्ती मानदंडों का प्रभाव का मूल्यांकन करने का प्रस्ताव रखते हैं।
85. प्राधिकारी, घरेलू उद्योगों की क्षति के लिए आयात के अलावा अन्य कारक उत्तरदायी हैं या नहीं, मूल्यांकन के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए मुद्दों के आलोक में अन्य कारकों की जांच करने का भी प्रस्ताव रखते हैं।

क) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

86. यह नोट किया गया है कि आयात आंकड़ों से केवल संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुएं आयात की गई हैं। एफ ए बी के संबंध में अन्य देशों से आयात की मात्रा नगण्य है तथा एस के के विषय में अस्तित्वहीन है।

ख) मांग में संकुचन तथा/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

87. जैसा कि ऊपर देखा गया है, घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के लिए खपत की पद्धति तथा मांग परिदृश्य दर्शाता है कि क्षति की अवधि से संबंधित उत्पादों की मांग में विशेष गिरावट आई है, जिसे विभिन्न कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसमें विमुद्रीकरण, ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मंदी, बी एस – IV मानकों का परिचय इत्यादि शामिल हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि यदि कोई क्षति है, तो वह मांग में गिरावट के कारण है न कि संबद्ध देश से महत्वहीन आयात के कारण।
88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऑटोमोबाइल उद्योग में एक वैश्विक मंदी थी तथा संबद्ध उत्पादों के लिए मांग में गिरावट से जूझ रहे क्षति जांच अवधि के दौरान भारत में वाणिज्यिक वाहनों की खपत तथा उत्पादन में भी गिरावट हुई। इस प्रकार उत्पाद की मात्रा तथा बिक्री के मामले में घरेलू उद्योग के वास्तविक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक मुख्य कारक मांग है। प्राधिकारी, क्षति अवधि तथा इसकी संभावना के दौरान मात्रा तथा कीमत दोनों की जांच करने की प्रस्ताव रखते हैं।

ख) व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं तथा विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध-वस्तुओं के कई अन्य उत्पादक हैं जो घरेलू बाजार में उत्पादन तथा बिक्री कर रहे हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क नहीं दिया है कि भारतीय बाजार में परस्पर प्रतिस्पर्धा जैसे कारकों के कारण घरेलू उद्योग पर प्रभाव है। इसके अतिरिक्त अन्य उत्पादकों में से किसी भी उत्पादक ने प्राधिकारी को अपने आंकड़ों की सूचना नहीं दी है अथवा याचिका का विरोध नहीं किया है, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध आंकड़ों तथा अनुरोधों की जांच करने का प्रस्ताव रखते हैं।
90. घरेलू बाजार में घरेलू उत्पादकों अथवा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं के मध्य कोई अनुचित प्रतिस्पर्धा का आरोप नहीं है जो घरेलू उद्योग में क्षति का कारण बन चुका है।

घ) तकनीकी विकास

91. न तो घरेलू उद्योग और न ही हितबद्ध पक्षकार विषय वस्तुओं के उत्पादन हेतु तकनीक में कोई परिवर्तन करते हैं।

ड) घरेलू उद्योग का निर्यात प्रदर्शन

92. याचिकाकर्ता के पास निम्नलिखित सारणी के अनुसार क्षति जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पादों का विशेष निर्यात है घरेलू बाजार के जोखिम पर हितबद्ध पक्षकारों का आरोप यह नहीं है कि घरेलू उद्योग की कोई भी क्षति खराब निर्यात प्रदर्शन या निर्यात बाजार पर बढ़ते संकेन्द्रण का परिणाम हो सकती है।

निर्यात बिक्री	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पी ओ आई
फ्रंट एक्सल बीम	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	144	103
फोर्ज्ड	मी. टन	***	***	***	***
यांत्रिक	मी. टन	***	***	***	***
स्टीयरिंग नकॅल	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	129	153	137
फोर्ज्ड	मी. टन	***	***	***	***
यांत्रिक	मी. टन	***	***	***	***

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित एफ ए बी तथा एस के के निर्यात में, क्षति अवधि तथा पी ओ आई में बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारी, निर्यात बिक्री के किसी प्रभाव के बिना इसकी घरेलू बिक्री के कारण डी आई को क्षति पहुंचाने पर विचार करने का प्रस्ताव रखते हैं।

च) क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

94. क्षति की संभावना के निर्धारण हेतु प्राधिकारी के पाटन रोधी नियम के अनुबंध - III के अनुसार क्षति रहित मूल्य (एन आई पी) का निर्धारण किया है। डी जी सी आई एण्ड एस आंकड़ों के अनुसार पी ओ आई के दौरान आयात किए सामान भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना निर्धारित की गई क्षतिरहित कीमत से की गई है। तदनुसार, संबद्ध देश से आयात किए गए विचाराधीन उत्पादों के लिए क्षति की गुंजाइश इस प्रकार है:-

विवरण	यूनिट	एचटीआरएफ एबी	एफएबी के लिए गैर- सहकारी निर्यातक	एचटीआरएफ एसके	एसके के लिए गैर-सहकारी निर्यातक
ए डी डी के बिना चीन जन. गण. से आयातों की पहुंच कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
एन आई पी	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
ए डी डी के बिना क्षति मार्जिन	वास्तविक	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	रेंज	(30)-(20)	(20)-(10)	10-20	40-50

95. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है, तथा जांच की अवधि के दौरान उत्तरदायी निर्यातकों द्वारा निर्यात की जाने वाले मात्रा के साथ ही संबद्ध देश से आयात की कुल मात्रा कम है। अतः

पाटन तथा क्षति की गुंजाइश दोनों के मूल्यांकन हेतु भारत में आयात और उत्तरदायी उत्पादक/निर्यातक द्वारा तीसरे देश को निर्यात को संदर्भित करने की जरूरत है।

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक अंतिम समीक्षा जांच होने के बावजूद, जबकि सेवाएं प्रभाव में थीं, वर्तमान क्षति की गुंजाइश भविष्य में हानिकारक आयात के स्तर का कोई स्पष्ट संकेत नहीं दे सकता क्योंकि अनुमानित पाटन मार्जिन काफी सकारात्मक है, हालांकि, मात्रा कम है। इसलिए, प्राधिकरण के विभिन्न अन्य मानदंडों के माध्यम से पाटन तथा क्षति की निरंतरता या पुनरावृत्ति की संभावना पहलुओं पर ध्यान दिया है, जैसा कि निम्नलिखित पैराग्राफ में कहा गया है।

ड. प्राधिकरण द्वारा क्षति मानदंडों की संभावना से संबंधित जांच

97. चीन जन. गण. द्वारा दबाव के आयात पर पाटन रोधी शुल्क लागू होने के बावजूद, यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि के लिए पाटन की गुंजाइश तथा क्षति की गुंजाइश सकारात्मक तथा काफी महत्वपूर्ण है। चूंकि किसी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने प्रतिक्रिया नहीं दी, इसलिए प्राधिकारी गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए भी पूर्वोक्त अवलोकन रखने का प्रस्ताव रखते हैं।
98. फ्रंट एक्सल बीम के संबंध में, प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों द्वारा पाटन तथा क्षति की संभावना की जांच का प्रस्ताव है।

- क. भारत में व्यर्थ आयात की बढ़ोतरी की विशिष्ट दर से आयात की संभावना का संकेत मिलता है।
- ख. क्या आयात ऐसी कीमतों में प्रवेश कर रहे हैं, जिनका घरेलू कीमतों पर विशेष ह्रास अथवा न्यूनीकरण प्रभाव होगा, तथा इससे आगे के आयात की मांग में वृद्धि होगी; तथा
- ग. वस्तु की मालसूची की जांच की जा रही है।
- घ. प्रस्तावित पीओआई तथा 3 वर्ष पूर्व के दौरान संबद्ध देशों में विचार के तहत उत्पादों की कुल तथा अधिशेष क्षमता;
- ड. भारत के अलावा अन्य देशों में संबद्ध देशों द्वारा उत्पादकों/निर्यातकों से निर्यात की मात्रा तथा कीमतें यदि उत्पादकों/निर्यातकों के लिए विशेष रूप से, जिनके लिए व्यक्तिगत मूल्यांकन किया गया है, आंकड़ें उपलब्ध नहीं हैं, संबद्ध देश हेतु संपूर्ण जानकारी प्रदान की जा सकती है;
- च. संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों का अभिविन्यास, उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, जिनके लिए व्यक्तिगत मूल्यांकन किया गया है, आंकड़े उपलब्ध नहीं है। संबद्ध देश के लिए समग्र जानकारी दी जा सकती है;
- छ. पाटन रोधी शुल्कों को वापस लेने के बावजूद भारतीय बाजार को उपरोक्त (क) से (ग) निर्यात के लिए एक गंतव्य के रूप में क्यों चुना जाएगा, के रूप में औचित्य भारतीय बाजार का आकर्षण होगा।

99. इन मापदंडों की जांच करने के लिए, उत्तरदायी उत्पादकों/निर्यातकों के निम्नलिखित आंकड़ों को संदर्भित किया जाना प्रस्तावित है:-

क. निर्यात अभिविन्यास:

एफ ए बी के लिए एच टी आर ए का निर्यात अभिविन्यास					
विवरण	बिक्री कीमत का %	2016-17	2017-18	2018-19	पी ओ आई
उत्पादन क्षमता	पीस	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	114	114	114
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	94	101	88

कुल बिक्री	पीस	***	***	***	***
घरेलू बिक्री	पीस	***	***	***	***
घरेलू बाजार को बिक्री	%	***	***	***	***
तीसरे देशों में निर्यात बिक्री	पीस	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
भारत को निर्यात बिक्री	पीस	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
कुल निर्यातों के % के रूप में भारत में निर्यात बिक्री	%	***	***	***	***
	% रेंज	35-55	35-55	5-15	5-15

एस के के लिए एच टी आर एफ का निर्यात अभिविन्यास					
विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	POI
संस्थापित क्षमता	पीस	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	102	105	105
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	96	95	86
कुल बिक्री	पीस	***	***	***	***
घरेलू बिक्री	पीस	***	***	***	***
घरेलू बाजार में बिक्री	%	***	***	***	***
भारत में निर्यात बिक्री	पीस	***	***	***	***
भारत में निर्यात बिक्री	%	***	***	***	***
तीसरे देशों में निर्यात बिक्री	पीस	0	0	0	0
तीसरे देशों में निर्यात बिक्री	%	0	0	0	0
कुल निर्यातों के % के रूप में भारत में निर्यात बिक्री	% रेंज	80 - 100%	80 - 100%	80 - 100%	80 - 100%

अन्य ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों की क्षमताएं

विवरण	यूनिट	स्थापित क्षमता (पी ओ आई)	2021-2022	2022-2023
चोंगकिंग किंगलिंग फोर्गिंग कं. लि.	मी. टन	***	***	***
तियानरन क्रेकशाफ्ट कं. लि.	मी. टन	***	***	***
मै. हुबई त्रि-रिंग ऑटो – एक्सेल कं. लि.	मी. टन	***	***	***
मै. हुबई त्रि-रिंग फोर्गिंग कं. लि.	मी. टन	***	***	***
चीन में कुल क्षमता		3,03,888	3,03,888	3,03,888

स्रोत : याचिका का अनुबंध एन तथा निर्यातक प्रश्नावली प्रतिक्रियाएं

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका में डी आई ने विभिन्न उत्पादकों/निर्यातकों की क्षमताएं प्रदान की हैं। इसके अतिरिक्त यह नोट किया गया है कि क्षति की अवधि में उत्पादकों/निर्यातकों की बिक्री योग्य क्षमता बढ़ गई है।

ख. तृतीय देश के निर्यात

101. उपलब्ध इकाई मूल्य के आधार पर, यह नोट किया गया है कि तीसरे देश की कीमतें अधिक हैं जो भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटन का संकेत देता है। प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के पाटन व्यवहार का मूल्यांकन करने के लिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु, दो विकल्पों के बारे में कोई जानकारी प्रदान नहीं की गई है, प्राधिकरण ने पाटन के मूल्यांकन हेतु निर्मित सामान्य मूल्य को अपनाया है। तथापि, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत के अतिरिक्त तीसरे देश के प्रति उत्तरदायी उत्पादक/निर्यातक के निर्यात मूल्य की प्रवृत्ति का संकेत देती है कि तीसरे देशों की संबद्ध वस्तुओं का निर्यात मूल्य भारत से अधिक है।

विवरण	इकाई	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (पीओआई)
फ्रंट एक्सल बीम- बीम- एचटीआरए					
घरेलू बाजार में बिक्री	आरएमबी/कीमत	***	***	***	***
भारत को आयात	आरएमबी/कीमत	***	***	***	***
अन्य देशों को आयात	आरएमबी/कीमत	***	***	***	***

ग. भारत में निर्यात का परिवर्तन

102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्तरदायी उत्पादक/निर्यातक की विषय सूची भारत के साथ एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उत्तम है। क्षति की अवधि के दौरान, चीन जन. गण. से एफ ए बी के निर्यात का हिस्सा कुल मांग का 4-5% है। उत्तरदायी उत्पादक/निर्यातक की अधिशेष क्षमताओं तथा निर्यात अभिविन्यास को देखते हुए तथा पी ओ आई से पूर्व के वर्षों में भारत में प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक के निर्यात की निरंतर उच्च हिस्सेदारी को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ए डी शुल्क की समाप्ति की स्थिति में भारत को तीसरे देशों से संबद्ध-वस्तुओं के निर्यात के परिवर्तन पर विचार करने का प्रस्ताव रखते हैं।
103. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पी ओ आई से पूर्व के वर्षों में संबद्ध देश से आयात का बड़ा हिस्सा, उच्च अप्रयुक्त क्षमताओं तथा उच्च परिणामी आविष्कारों की उपलब्धता, चीन द्वारा आयात से क्षति तथा पाटन की संभावना पर विशेष प्रभाव डालेगी। यह भी नोट किया गया है यदि ए डी को पुनः लागू किया जाता है तो संबद्ध देश से आयात की मात्रा में वृद्धि द्वारा घरेलू उद्योग के बाजार में हिस्सेदारी को नष्ट करने की संभावना है।

Particulars	यूनिट	2017	2018	2019	POI
एचटीआरए	पीस	***	***	***	***
एबी	सूचीबद्ध	100	115	133	74
एचटीआरएफ	पीस	***	***	***	***
एसके	सूचीबद्ध	100	254	253	230

104. प्रतिवादी उत्पादकों के लिए विषय वस्तुओं की विषय सूची को अत्यधिक उच्च माना जाता है।

प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियां

घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए अनुरोध

चीन पीआरओ में अधिशेष क्षमता

105. जैसा कि प्राधिकरण द्वारा उल्लेख किया गया है, एचटीआरए और एचटीआरएफ विषय वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक बने हुए हैं और चीन में ऐसी नई क्षमताएं हैं जो इन उत्तरदाताओं द्वारा दायर EQR के अनुसार चीन में जोड़ी गई हैं और आवेदक द्वारा प्रस्तुत डेटा स्पष्ट रूप से स्थापित करता है कि चीन में अधिशेष क्षमता है। पीआर।
106. हालांकि, पिछली जांच में चीन से निर्यातकों के मूल्य व्यवहार और सीमांत लागत मूल्य निर्धारण के आधार पर उत्पादन और निर्यात करने की क्षमता में कर्तव्यों के आधार पर बाजार पर कब्जा करने के लिए भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण रूप से रेखांकित करने और रेखांकित करने की क्षमता है। उनकी अतिरिक्त क्षमताओं का उपयोग करने के लिए निरस्त किया जाता है।

सूची

107. प्राधिकरण ने उल्लेख किया है कि चीन पीआर में उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा आयोजित आविष्कार भारत में डंपिंग की संभावना के संकेत हैं। वर्तमान मामले में, दोनों एचटीआरए और एचटीआरएफ ने इन्वेंट्री की महत्वपूर्ण मात्रा (विशेष रूप से भारत में गिरावट की बिक्री की अवधि, अर्थात्, 2019) की सूचना दी है। यह कर्तव्यों के निरसन के मामले में चीन पीआर से आयात में वृद्धि की संभावना का संकेत है।
108. इसके अलावा, यह ध्यान दिया जा सकता है कि चीनी उत्पादकों के पास महत्वपूर्ण क्षमता है, जबकि चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध और महामारी के प्रभाव के बाद चीन में वर्तमान आर्थिक स्थिति के कारण मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में महत्वपूर्ण गिरावट की संभावना है। पिछले कई महीनों में चीनी घरेलू बाजार और कुछ समय के लिए जारी रहने की संभावना है।

चीनी उत्पादकों का निर्यात उन्मुखीकरण

109. प्राधिकरण ने उल्लेख किया है कि POI से पहले के वर्षों में विषय देश से आयात की हिस्सेदारी लगातार अधिक है, उच्च अप्रयुक्त क्षमता और उच्च परिणामी आविष्कारों की उपलब्धता चीन के आयात से चोट और डंपिंग की पुनरावृत्ति की संभावना पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगी।
110. इसके अलावा आवेदक प्रस्तुत करता है कि पिछले सबमिशन में दी गई जानकारी स्पष्ट रूप से स्थापित करती है कि कर्तव्यों को वापस लेने की स्थिति में बड़ी मात्रा में डंपिंग की पुनरावृत्ति की आसन्न संभावना है। आयात की मात्रा में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि नाजुक स्थिति को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगी जिसमें घरेलू ऑटो बाजार की स्थिति को देखते हुए घरेलू परिचालन हो रहा है।
111. इसके अलावा, जैसा कि प्राधिकरण द्वारा कहा गया है कि भाग लेने वाले निर्यातक डेटा से स्पष्ट है कि एचटीआरए ने भारत में अपने निर्यात की मात्रा में लगभग 300% की वृद्धि की है जबकि एचटीआरएफ ने 2017 की तुलना में 2018 में भारत में अपने निर्यात की मात्रा में लगभग 250% की वृद्धि की है। यह, इस तथ्य के साथ युग्मित है कि भारत में ये

वृद्धि अन्य वैश्विक बाजारों के प्रति उनके निर्यात अभिविन्यास से काफी अधिक है (एचटीआरएफ) के पास अन्य बाजारों में विषय वस्तुओं की बिक्री शून्य है), चीनी उत्पादकों के निर्यात उन्मुखीकरण को दर्शाता है, विशेष रूप से भारतीय बाजार को लक्षित करता है।

112. प्राधिकरण इस तथ्य का संज्ञान ले सकता है कि वर्तमान महामारी की स्थिति ने भारत और चीन सहित वैश्विक ऑटो क्षेत्र में गंभीर मांग संकट पैदा कर दिया है और ऐसी स्थिति में झूटी का निरसन घरेलू उद्योग को नुकसान पहुंचाएगा यदि एंटीडंपिंग झूटी को निरस्त कर दिया जाता है। प्राधिकरण ने एक आकलन किया है कि डंपिंग का सिलसिला जारी है, हालांकि बल में एंटीडंपिंग झूटी के कारण आयात की मात्रा कम है, और घरेलू उद्योग का प्रदर्शन भी कई कारकों से प्रभावित हुआ है, जिसमें डंप किए गए आयातों की उपस्थिति भी शामिल है। विषय देश, घरेलू उद्योग के लिए डंपिंग और चोट की निरंतरता, तीव्रता और / या पुनरावृत्ति की संभावना और आसन्न है।

निर्यातकों द्वारा दायर किए गए अनुरोध

113. उत्तरदाताओं द्वारा बिक्री के बारे में डेटा से पता चलता है कि भारत को उनका निर्यात घट रहा है जबकि अन्य देशों को निर्यात और घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ रही है। साथ ही, ग्राहकों की आवश्यकताओं के आधार पर विषय-वस्तु को ऑर्डर और कस्टमाइज़ किया जाता है। इस प्रकार, एक उत्पाद को दूसरे के लिए आसानी से स्थानापन्न करना और एक ग्राहक से दूसरे ग्राहक के लिए इच्छित उत्पाद का निर्यात करना संभव नहीं होगा। भारत में उपयोगकर्ता खंड से मांग में गिरावट के साथ किसी भी मामले में, उत्तरदाताओं ने अन्य देशों को निर्यात करने की दिशा में अधिक प्रयास किए हैं और अपने स्वयं के घरेलू बाजार से भी मांग की है।
114. यहां तक कि उत्तरदाताओं के साथ भारत में मौजूदा ग्राहक आधार सिर्फ एक ग्राहक तक सीमित है, पिछले दस वर्षों से लागू प्रतिस्पर्द्धा वाले कर्तव्यों के कारण रिस्पोंडेंट के अन्य ग्राहकों द्वारा मांग के साथ। यदि डंपिंग रोधी शुल्क हटा दिया जाता है, तो भी उत्तरदाताओं के लिए घरेलू उद्योग और बाजार पर हावी अन्य उत्पादकों के साथ बाजार हिस्सेदारी हासिल करना मुश्किल होगा। इस प्रकार, उत्तरदाता न केवल भारत में अपने निर्यात को बढ़ाने की दिशा में उन्मुख हैं, बल्कि यदि वे आयातों पर डंपिंग रोधी शुल्क हटाते हैं, तो वे भारत को अपने निर्यात को बढ़ाने में सक्षम नहीं होंगे।
115. पैरा 100 में, प्राधिकरण ने चीन पीआर में क्षमताओं का आकलन करने के लिए अन्य ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों की क्षमताओं वाली एक तालिका प्रदान की है, जिसमें तियानन क्रैकशाफ्ट कं, लिमिटेड शामिल हैं। उत्तरदाता हालांकि यह कहते हैं कि यह विशेष निर्माता विषय वस्तुओं का निर्माण नहीं करता है। चीन पीआर में और उसी को उक्त कंपनी की सार्वजनिक वेबसाइट से समझा जा सकता है। वास्तव में, वे क्रैकशाफ्ट के निर्माता हैं, जो इंजनों में फिट है और विषय के सामानों से पूरी तरह से अलग है। इसलिए, इस कंपनी की क्षमता को चीन पीआर में विषय वस्तुओं की कुल क्षमता से हटा दिया जाना चाहिए।

अतिरिक्त क्षमता

116. पैरा 101 में, प्राधिकरण ने उल्लेख किया है कि चोट की अवधि में उत्तरदाताओं की डिस्पोजेबल क्षमता बढ़ गई है। उत्तरदाता इस बात को स्वीकार करते हैं कि यह आकलन गलत है और अपनी पिछली प्रस्तुतियाँ दोहराते हैं कि उनकी क्षमता का उपयोग इष्टतम स्तरों पर है। भारत में घरेलू उत्पादकों, जैसे कि याचिकाकर्ता, विषय वस्तुओं का कोई भी निर्माता अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं करेगा। इसलिए, प्राधिकरण का आकलन है कि उत्तरदाताओं के साथ अधिशेष क्षमता पूरी तरह से गलत है।
117. उत्तरदाताओं ने आगे कहा कि एचटीआरए के मामले में, घरेलू स्तर पर और अन्य देशों से विषय वस्तुओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्षमता बढ़ाई गई है। चूंकि बढ़ी हुई क्षमताओं को घरेलू बिक्री और अन्य बाजारों में निर्यात की ओर बढ़ाया जाता है, इसलिए भारत को निर्यात करने के लिए क्षमता के उपयोग की संभावना बहुत कम है। HTRF के मामले में, उनका अधिकांश उत्पादन घरेलू बाजार में खानपान की ओर है। धीरे-धीरे सीओवीआईडी से संबंधित प्रतिबंधों में ढील और आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ, चीन पीआर में पीयूसी की घरेलू मांग में और वृद्धि होने की उम्मीद है। इसलिए, मौजूदा क्षमताओं का उपयोग चीन पीआर में घरेलू मांग के लिए खानपान के लिए किया जाएगा और भारत को निर्यात के लिए नहीं।

118. उत्तरदाता आगे प्रस्तुत करते हैं कि, यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को देखते हुए, चीन पीआर में उत्तरदाताओं के साथ उपलब्ध डिस्पोजेबल क्षमताएं घरेलू बिक्री और तीसरे देश के निर्यात की ओर उन्मुख हैं। डंपिंग की पुनरावृत्ति / निरंतरता की कोई संभावना नहीं है (यदि कोई हो) यदि डंपिंग रोधी कर्तव्यों को समाप्त करने की अनुमति है।

तीसरा देश निर्यात

119. पैरा 102 में, प्राधिकरण ने कहा है कि भारत के अलावा तीसरे देश के प्रति उत्तरदाता निर्माता / निर्यातक के निर्यात मूल्य की प्रवृत्ति इंगित करती है कि तीसरे देशों को विषय वस्तुओं का निर्यात मूल्य भारत से अधिक है। उत्तरदाता सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करते हैं कि इसका अर्थ यह नहीं है कि उत्तरदाताओं द्वारा अंतिम निष्कर्षों में प्राधिकरण को इस मामले में आने पर विषय वस्तु को उत्तरदाताओं द्वारा भारत में डंप किया जा रहा है।
120. उत्तरदाता प्रस्तुत करते हैं कि भारत को निर्यात और अन्य देशों को निर्यात के बीच एक सेब-से-सेब की तुलना नहीं की जा सकती है क्योंकि विषय वस्तुएं ऑर्डर से बनाई जाती हैं, जो ग्राहक की जरूरतों के अनुसार अनुकूलित होती हैं, जैसा कि नोट किया गया है। प्रकटीकरण स्टेटमेंट में ही प्राधिकरण। इन निर्यातों में से कुछ तीसरे देशों को उच्च और विभिन्न प्रकार के मशीनिंग की आवश्यकता होती है। इसके अलावा, चूंकि दूसरे देश जिनके लिए प्रतिसाददाता विषय वस्तु का निर्यात करते हैं, वे भारत से दूर हैं, निर्यात की कीमतें उच्च महासागर माल ढुलाई, भंडारण लागत और बीमा लागत के कारण अधिक होती हैं। नतीजतन, विभिन्न देशों में विभिन्न ग्राहकों को निर्यात किए गए सामानों की कीमतों में एक उल्लेखनीय अंतर होने के लिए बाध्य है। इस प्रकार, भारत को निर्यात की कीमतों का विश्लेषण करने के लिए अन्य देशों को निर्यात मूल्य प्रासंगिक नहीं हैं। उत्तरदाता यह भी कहते हैं कि प्राधिकरण को प्रभावली के जवाब में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर भरोसा करना चाहिए जो स्पष्ट रूप से दिखाएगा कि तीसरे देशों को निर्यात किए गए विषय वस्तु एक भिन्न भिन्नता के हैं।

भारत को निर्यात का मोड़

121. पारस 103 और 104 में, प्राधिकरण ने उल्लेख किया है कि POI से पहले के वर्षों में विषय देश से आयात की लगातार उच्च हिस्सेदारी, भारतीय बाजार के आकर्षण के साथ युग्मित उत्तरदाताओं के साथ उच्च अप्रयुक्त क्षमता और उच्च परिणामी आविष्कारों की उपलब्धता। चीन पीआर से आयात से चोट की पुनरावृत्ति और डंपिंग की संभावना पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। नतीजतन, प्राधिकरण ने शुल्क समाप्ति के मामले में तीसरे देशों से भारत में निर्यात के मोड़ पर विचार करने का प्रस्ताव दिया है। प्रतिसाद देने वाला मानता है कि वे इस संबंध में प्राधिकरण से सहमत नहीं हैं।
122. विषय देश से आयात के संबंध में, उत्तरदाताओं ने प्रस्तुत किया है कि यह पहले ही नोट किया गया है कि भारत में मांग के सापेक्ष विषय आयात की मात्रा चोट की अवधि में कम रही है। घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों की बाजार हिस्सेदारी का प्रमुख अनुपात है। घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों का बाजार में पहले से ही दबदबा होने के कारण, डंपिंग रोधी शुल्क को समाप्त करने पर उत्तरदाताओं की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि की संभावना नहीं है। इस प्रकार, प्राधिकरण इस संबंध में अपने निष्कर्षों पर पुनर्विचार कर सकता है।
123. पूर्वोक्त प्रस्तुतियों के पूर्वाग्रह के बिना, उत्तरदाता यह प्रस्तुत करते हैं कि घरेलू उद्योग को पिछले दस वर्षों के लिए डंपिंग रोधी कर्तव्यों के माध्यम से पहले से ही पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गई है। इस तरह के संरक्षण के बावजूद, घरेलू उद्योग भारत में कुछ उपभोक्ताओं द्वारा विशिष्ट ग्रेड की मांग को पूरा करने में विफल रहा है। इसलिए, अन्यथा, उत्तरदाताओं के साथ इन्वेंट्री के अस्तित्व से यह संकेत नहीं मिलता है कि झूटी समाप्त होने की स्थिति में भारत को निर्यात बढ़ेगा।
124. इसके अलावा, POI में HTRA और HTRF दोनों के आविष्कारों में गिरावट आई है। HTRA की सूची में गिरावट बहुत कठोर थी। हालाँकि, HTRF की अपेक्षाकृत उच्च इन्वेंट्री स्तर HTRF की चीन पीआर में उच्च घरेलू बिक्री से प्रेरित थी। परिणामस्वरूप, पैरा 104 में प्राधिकरण के दावे "बेहद उच्च" सूची स्तर होने के बारे में गलत है।
125. उत्तरदाता यह भी कहते हैं कि तीसरे देशों को निर्यात की मात्रा और पीयूसी की घरेलू बिक्री वास्तव में बढ़ी है। इसलिए यदि डंपिंग रोधी शुल्क को बंद कर दिया जाता है तो भारत को निर्यात के मोड़ की कोई संभावना नहीं है।

प्राधिकरण द्वारा परीक्षा

126. प्राधिकरण ने डीआई की क्षमता को प्रस्तुत करने का उल्लेख किया है और डीआई द्वारा संशोधित याचिका और एनआईपी गणना के लिए अपनाई गई क्षमता को देखते हुए इसे ठीक किया है। निर्माता / निर्यातक को जवाब देने के प्रस्तुतिकरण का उल्लेख नहीं है कि निर्यात मूल्य की शर्तों का सही उल्लेख नहीं किया गया है, प्राधिकरण ने प्रस्तुतियाँ और प्रासंगिक रिकॉर्ड के आधार पर त्रुटि को ठीक किया है।
127. प्राधिकरण मौजूदा विज्ञापन शुल्क को समाप्त करने पर डंपिंग की संभावना और चोट के मुद्दे के बारे में इच्छुक पार्टियों द्वारा पोस्ट प्रकटीकरण टिप्पणियों को नोट करता है। प्राधिकरण ने नोट किया कि जांच की अवधि में स्टीयरिंग नॉकल्स के आयात को डंप किया गया है और यह भी हानिकारक है, हालांकि आयात जांच की अवधि में काफी कम हो गए हैं और डीजी सिस्टम डेटा के अनुसार जांच की अवधि में शून्य हैं। जैसा कि फ्रंट एक्सल बीम के संबंध में, डंपिंग मार्जिन और चोट मार्जिन दोनों को जांच की अवधि में नकारात्मक माना जाता है और आयात को काफी कम किया जाता है। इसके बाद के जांच की अवधि में, फ्रंट एक्सल बीम का आयात डीजी सिस्टम के आंकड़ों के अनुसार शून्य है। प्राधिकरण ने हालांकि इस खुलासे में देखा था कि फ्रंट एक्सल बीम का आयात जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रहा है। जवाब देने वाले निर्माता / निर्यातक द्वारा तीसरे देश के निर्यात से पता चलता है कि उनकी कीमतें भारत को निर्यात किए जाने की तुलना में अधिक हैं और इस प्रकार मौजूदा एडी ड्यूटी के समापन पर भारत को निर्यात की संभावना पर डंपिंग की संभावना है। जवाब देने वाले निर्माता / निर्यातक ने अपने तीसरे देश के निर्यात के आधार पर डंपिंग के पहलू का खंडन किया है लेकिन किसी भी सबूत और डेटा के साथ इसकी पुष्टि नहीं की है। प्राधिकरण ने उल्लेख किया कि 2010 में संपन्न हुई मूल जांच में, कुल मांग में फ्रंट एक्सल बीम का हिस्सा लगभग 25% था। उत्तरदाता निर्माता / निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, हालांकि उनकी घरेलू बिक्री कुल उत्पादन का 90% है, 10% के लिए निर्यात करने वाले निर्यात में भारत शामिल है, जिसमें भारत के हिस्से में चोट के वर्षों में 50% होने के साथ एक पसंदीदा स्थान है। अवधि। इसलिए, अगर भारत में निर्यात का डायवर्जन मौजूदा एडी ड्यूटी के बाद बंद हो जाता है और निर्यात का मूल स्तर विषय देश द्वारा प्राप्त कर लिया जाता है, तो घरेलू उद्योग का एक महत्वपूर्ण बाजार में क्षरण हो सकता है यदि मांग का 25% विषय द्वारा कब्जा कर लिया जाता है देश।
128. प्राधिकरण यह भी नोट करता है कि ऑटोमोबाइल उद्योग की मंदी के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री सहित विषय वस्तुओं की मांग चोट की अवधि में कम हो गई है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि विषय वस्तुओं में से एक, यानी स्टीयरिंग नॉक को डंप और चोट पहुंचाना जारी है और दूसरा, फ्रंट एक्सल बीम घरेलू कीमतों को कम कर रहा है, जिसमें निकट भविष्य में विषय वस्तुओं के डायवर्जन की संभावना है। रसद पोस्ट महामारी और कर्तव्य की समाप्ति, प्राधिकरण का मानना है कि कम शुल्क नियम के अनुसार जांच की अवधि के लिए मूल्यांकन डंपिंग मार्जिन / चोट मार्जिन के आधार पर संचालन निधियों पर ए डी शुल्क की निरंतरता की सिफारिश करना उचित हो सकता है और फ्रंट एक्सल बीम पर 30 महीनों की अवधि के लिए मौजूदा ए डी शुल्क जारी रखना अनुशंसित शुल्क लगाने की तिथि से।
129. जांच की अवधि में आयात में काफी कमी आई है और जांच के बाद की अवधि में शून्य हो गए हैं और आगे इस बात को ध्यान में रखते हुए कि यह दूसरा दूसरी निर्णायक समीक्षा है, 30 महीने के निरंतर उपाय प्रस्तावित है। पिछले मामलों में भी, प्राधिकरण ने विस्तारित शुल्क की शर्तों से पर्दा उठाया है।

निष्कर्ष

130. जांच में किए गए सबमिशन के संबंध में, पोस्ट खुलासे की टिप्पणी और उपलब्ध तथ्य, प्राधिकरण का निष्कर्ष है कि:
- ए। विषय देश से निर्यात किए जाने वाले स्टीयरिंग पोर अपने सामान्य मूल्य से नीचे की कीमतों पर हैं, इस प्रकार भारत में इसकी डंपिंग हुई। स्टीयरिंग नॉकल्स का आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रहा है। स्टीयरिंग पोर के लिए डंपिंग और ज्यूरी मार्जिन दोनों पीओआई में सकारात्मक हैं।
- बी। जांच की अवधि के दौरान फ्रंट एक्सल बीम के लिए डंपिंग मार्जिन और चोट मार्जिन नकारात्मक हैं। हालांकि, घरेलू उद्योग में डंपिंग और परिणामी चोट की पुनरावृत्ति की संभावना है, अगर एंटी-डंपिंग कर्तव्यों को बचाया जाता है।

- सी। विषय देश से जारी डंप आयात के कारण डंपिंग रोधी शुल्क की समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग के लिए चोट की पुनरावृत्ति की प्रबल संभावना है;
- डी। प्राधिकरण इस प्रकार विषय देश से विषय वस्तुओं के आयात पर निश्चित ए डी शुल्क की निरंतरता की सिफारिश करना आवश्यक समझता है।

अनुशंसाएँ

131. ऊपर के रूप में निष्कर्ष निकाला गया, प्राधिकरण का विचार है कि पाटनरोधी उपाय नीचे झूटी टेबल में निर्दिष्ट है।
132. कम झूटी नियम के संबंध में, प्राधिकरण डंपिंग के मार्जिन के कम डंपिंग के बराबर एंटी-डंपिंग झूटी लगाने और जांच की अवधि के लिए मूल्यांकन किए गए विषय देश से स्टीयरिंग नॉकल्स के आयात पर चोट के मार्जिन की सिफारिश करता है। इसके अलावा, प्राधिकरण सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 50/2010-सीमा शुल्क दिनांक 12 अप्रैल 2010 के तहत अधिसूचित फ्रंट एक्सल बीम के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करता है। तदनुसार, कॉलम नं में इंगित राशि के बराबर एंटी-डंपिंग झूटी। नीचे दी गई तालिका में से 7 को केंद्र सरकार द्वारा फ्रंट एक्सल बीम (एफएबी) और स्टीयरिंग नॉकल्स (एसके) के आयात पर लगाने की सिफारिश की गई है, जो मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों में उपयोग किया जाता है और जो विषय देश से उत्पन्न या निर्यात किया जाता है, अनुशंसित शुल्क लगाने की तिथि से 30 महीने के लिए।

क्र. सं.	शीर्ष	वर्णन	मूलता का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	मुद्रा	यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	87081090 87089400	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए "फ्रंट एक्सल बीम"	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हुबेई ट्राई-रिंग ऑटो एक्सल कंपनी लिमिटेड	0.35	यूएस डॉलर	किलोग्राम
2	87081090 87089400	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए "फ्रंट एक्सल बीम"	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हुबेई ट्राई-रिंग ऑटो एक्सल कंपनी लिमिटेड को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	0.63	यूएस डॉलर	किलोग्राम
3	87081090 87089400	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए "फ्रंट एक्सल बीम"	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	हुबेई ट्राई-रिंग ऑटो एक्सल कंपनी लिमिटेड	0.35	यूएस डॉलर	किलोग्राम
4	87081090 87089400	भारी और मध्यम वाणिज्यिक	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	हुबेई ट्राई-रिंग ऑटो एक्सल	0.63	यूएस डॉलर	किलोग्राम

क्र. सं.	शीर्ष	वर्णन	मूलता का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	मुद्रा	यूनिट
		वाहनों के प्रयोग के लिए "फ्रंट एक्सल बीम"			कंपनी लिमिटेड को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक			
5	87081090 87089400	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए "फ्रंट एक्सल बीम"	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	हुबेई ट्राई-रिंग ऑटो एक्सल कंपनी लिमिटेड	0.35	यूएस डॉलर	किलोग्राम
6	87081090 87089400	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए "फ्रंट एक्सल बीम"	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	हुबेई ट्राई-रिंग ऑटो एक्सल कंपनी लिमिटेड को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	0.63	यूएस डॉलर	किलोग्राम
7	87081090 87085000	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए स्टीयरिंग नकल	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हुबेई ट्रियरिंग फोर्जिंग कंपनी लिमिटेड	0.47	यूएस डॉलर	किलोग्राम
8	87081090 87085000	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए स्टीयरिंग नकल	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हुबेई ट्रियरिंग फोर्जिंग कंपनी लिमिटेड को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	1.09	यूएस डॉलर	किलोग्राम
9	87081090 87085000	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए स्टीयरिंग नकल	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	हुबेई ट्रियरिंग फोर्जिंग कंपनी लिमिटेड	0.47	यूएस डॉलर	किलोग्राम
10	87081090 87085000	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	हुबेई ट्रियरिंग फोर्जिंग कंपनी लिमिटेड को छोड़कर अन्य	1.09	यूएस डॉलर	किलोग्राम

क्र. सं.	शीर्ष	वर्णन	मूलता का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	मुद्रा	यूनिट
		स्टीयरिंग नकल			कोई उत्पादक			
11	87081090 87085000	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए स्टीयरिंग नकल	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	हुबेई ट्रियरिंग फोर्जिंग कंपनी लिमिटेड	0.47	यूएस डॉलर	किलोग्राम
12	87081090 87085000	भारी और मध्यम वाणिज्यिक वाहनों के प्रयोग के लिए स्टीयरिंग नकल	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	हुबेई ट्रियरिंग फोर्जिंग कंपनी लिमिटेड को छोड़कर अन्य कोई उत्पादक	1.09	यूएस डॉलर	किलोग्राम

आगे की कार्य प्रक्रिया

133. इन निष्कर्षों से उत्पन्न होने वाली केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ एक अपील सीमा शुल्क, अधिनियम, 1975 के संबंधित प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुत होगी।

बी. बी. स्वेन, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th December 2020

FINAL FINDINGS

Case No. SSR-10/2020

Subject: Final Findings in Second Sunset Review (SSR) Anti-dumping investigation concerning imports of 'Front Axle Beam' and 'Steering Knuckles' meant for heavy and medium commercial vehicles originating in or exported from China PR.

F. No. 7/26/2020-DGTR.—Having regard to the Custom Tariff Act, 1975 as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, THEREOF:

I. BACKGROUND

- WHEREAS** on the basis of an application filed by a domestic producer of the "Front Axle Beam" (FAB) and "Steering Knuckles" (SK) meant for heavy and medium commercial vehicles (herein after referred to as subject goods), the Designated Authority (hereinafter "Authority") had initiated an antidumping investigation into the imports of the subject goods originating in or exported from China PR vide Notification No. F. No. 7/26/2020-DGTR dated 18th August 2020.
- The imports of "Front Axle Beam and Steering Knuckles meant for heavy and medium commercial vehicles", originating in or exported from China PR are, at present, subject to anti-dumping measures following an original investigation undertaken by the Designated Authority which was completed in 2010, and thereafter, reaffirmed subject to the first Sunset Review Investigation in 2015. The Original definitive anti-dumping duties were imposed vide Customs Notification No. 50/2010 -Customs dated 12th April 2010 against all imports of Front Axle Beam and Steering Knuckles from China PR. The duties imposed by this Customs Notification were further

extended for application vide Customs Notification No.49/2015-Customs (ADD) dated 21st October 2015, after an elaborate sunset review examination and is in force up to 20th October 2020. At present, pursuant to the initiation by the Designated Authority of the current sunset review investigation, the Ministry of Finance issued Customs Notification No. 31/2020-Customs (ADD) dated 16 October 2020 extending the anti-dumping duties in force up to 30 November 2020.

4. Whereas, M/s Bharat Forge Ltd., the domestic producer of the subject goods, has filed a duly substantiated application before the Authority, in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR and consequent injury to the domestic industry and requested for initiation of a second sunset review investigation for continuation of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR.
5. The scope of the present sunset review covers all aspects of the previous investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

II. PROCEDURE

6. The procedure described below has been followed with regard to the subject investigation:
 - i. In terms of sub-Rule 5 of Rule 5, the Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the application for initiation of sunset review antidumping investigation.
 - ii. The Embassy of the subject country in New Delhi was also informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).
 - iii. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 18 August 2020 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file questionnaire responses and make their views known in writing within prescribed time limit. Copies of the forwarding letter, petition and questionnaire sent to the exporters, were also sent to the Embassy of subject country along with a list of known exporters/ producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
 - iv. Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra.
 - v. Exporters' Questionnaires were sent to the following known exporters from subject country in accordance with the Rule 6(4) to elicit relevant information.
 - a. M/s Hubei Tri-Ring Forging Co Ltd.
 - b. M/s Hubei Tri-Ring Auto Axle Co Ltd.
 - c. M/s Hubei Tri-Ring Motor Steering Co. Ltd.
 - d. M/s Tianrun Crankshaft Co Limited
 - e. M/s Chongqing Qingling Forging Co., Ltd
 - vi. The People's Republic of China being a Non Market Economy Country, the Authority informed the known exporters from China PR to furnish necessary information/ evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 of the Annexure-1 to the Rules to enable the Authority to consider whether market economy treatment should be granted to such cooperating exporters/producers who could demonstrate that they operate under market economy conditions.
 - vii. The following producers/exporters exporting the subject goods originating in or exported from the subject country have filed questionnaire responses:
 - a. M/s Hubei Tri-Ring Forging Co Ltd.
 - b. M/s Hubei Tri-Ring Auto Axle Co Ltd.
 - viii. Questionnaires were sent to the following known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4):
 - a. M/s Ashok Leyland Ltd.
 - b. M/s Mahindra Trucks and Buses Ltd.
 - c. M/s VE Commercial Vehicles Ltd.
 - d. M/s Tata Motor Ltd.
 - e. M/s AMW Motors Ltd.

- ix. None of the importers / consumers of the subject goods originating in or exporter from China PR have filed their questionnaire responses or other comments.
- x. The Authority has relied upon the transaction-wise import data reported by Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) for the period of injury and the POI in the present investigation.
- xi. The Authority made available non-confidential versions of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Post the outbreak of COVID-19, all interested parties were advised, vide notice dated 06.08.2020 uploaded on DGTR's website, to exchange non-confidential versions (NCV) of their submissions among themselves through email.
- xii. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India, based on the information furnished by the petitioner and on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP), was worked out so as to ascertain a "non-injurious price".
- xiii. The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, along with non-confidential summary thereof, has been treated as confidential.
- xiv. The Authority held a public hearing on 11.11.2020 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry and other interested parties. All the parties were asked to file their written submissions and rejoinders thereon. The written submissions and rejoinders received from interested parties were considered in the Disclosure Statement issued on 23rd November, 2020.
- xv. The Authority carried out table verification of the data submitted by the domestic industry to the extent considered necessary and feasible, particularly in view of the ongoing pandemic.
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for the findings were disclosed to the interested parties vide the Disclosure Statement issued on 23rd November, 2020 and comments received thereon have been considered in this Final Findings.
- xvii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2019 to 31st March, 2020 (POI). However, the injury investigation covers the period 2016-17, 2017-18, 2018-19 and the POI.
- xviii. *** in this Final Findings represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xix. The Authority has taken weighted average exchange rate for the POI (April 2019- March 2020) as Rs 70.38 = 1 US\$.

III. SCOPE OF PRODUCTS UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

A. Submissions made by Producers / Exporters / other interested parties

7. None of the exporters, importers or consumers has offered any views with regard to product under consideration.

B. Submissions made by Domestic Industry

8. The Domestic Industry has relied on the findings of the Authority in the previous sunset review investigation to define the PUC and the like article. No specific claims in this regard have been raised by the domestic industry.
9. The domestic industry has claimed that imported product under consideration and the goods manufactured by the domestic industry are "like articles" within the meaning of the term as per the Rules. It has been claimed that the Designated Authority has come to the same conclusion in the final findings of the original investigation and the previous sunset review investigation. Since the present investigation is a sunset review investigation, the Domestic Industry has submitted that the scope of the products under consideration should be the same as that of original investigation.

C. Examination by the Authority

10. The products under consideration in the original investigation and as notified in the initiation notification in this second sunset review investigation are "Front Axle Beams (FAB) and Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles, whether forged or machined".
11. Front axle beam is a safety critical item as it carries the load of the vehicle and also keeps the steering in place. The function of the Front axle beam is to carry the front weight of the vehicle, to carry the horizontal and vertical loads on bumpy roads and acts as a cushion through spring leaves for a comfortable ride. The steering knuckle is a very critical component and fits on the axle beam through the arms to control the steering of the vehicle.
12. Front axle beam and Steering knuckles are in the category of "parts or accessories of vehicles" falling under

Chapter 87 of the Customs Tariff Act under subheading 8708.10.90. These products are also imported under several other customs classifications also. Therefore, the customs classifications given here are only indicative, and are no way binding on the scope of the investigation.

13. As seen in the previous Sunset Review Final Findings for the subject goods, the products, FAB and SK, are first forged out of the steel billets/bars and then machined into the finished product to be fitted into the vehicles. However, the products are sold to the vehicle manufacturers both in forged or machined conditions. While the machined products go directly to be fitted in the vehicles, if the product is supplied in forged conditions, the customer / vehicle manufacturer has to get the forged product machined before fitting into the vehicles. The only difference between the forged and machined product types is the additional machining which is done on the forged product.
14. Therefore, the Authority finds that front axle beams and steering knuckles manufactured and supplied by the domestic industry and imported from the subject country are like articles for the purpose of this sunset review investigation.
15. Front Axle Beams and Steering Knuckles are supplied by the producers and consumed in the automobiles in terms of numbers. However, weight of various types of FABs and SKs vary depending upon type of Automobiles and design specifications and therefore, the cost per piece/unit varies to a very significant extent though per unit cost in terms of weight tends to remain more or less same. Therefore, the Authority had, in the earlier investigations, considered weight as the appropriate common unit of measurement for the purpose of various determination and fair comparison. Same method has been adopted in this investigation also.

IV. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

A. Submissions made by Producers / Exporters / other interested parties

16. None of the exporters, importers or consumers has offered any views with regard to the standing of the Domestic Industry.
17. The foreign producers / exporters, Hubei Tri-Ring Auto Co. Ltd. ("HTRA") and Hubei Tri-Ring Forging Co. Ltd. ("HTRF"), have submitted that no data has been received from the "supporter" company, M/s. Ramkrishna Forgings Ltd. Reference has been made to the requirement under Trade Notice No. 13/2018 dated 27th September 2018, which mandates certain information from the supporter in prescribed formats regarding the economic parameters of the supporter. It is claimed that the failure of the Petitioner to bring the data of the supporter company on record vitiates the Petition under investigation.

Total Indian Production

Name of Domestic Producer	Unit	Production Per Annum					
		FAB	SK	FAB %	SK%	Total	Total %
Total Installed Capacity in India	Kgs	110267156	50415764	-	-	160682920	-
Bharat Forge Ltd.	Kgs	***	***	***	***	***	***
Radhakrishna Forgings Ltd.	Kgs	***	***	***	***	***	***
MM Forgings	Kgs	***	***	***	***	***	***
Happy Forge	Kgs	***	***	***	***	***	***
Other Producers Total	Kgs	***	***	***	***	***	***
Total Indian Production	Kgs	6,42,48,800	2,44,08,860	100	100	88657660	100%

B. Submissions made by Domestic Industry

18. The Domestic Industry has made the following submissions regarding its standing:
 - a. The Petitioner, M/s. Bharat Forge Limited, accounts for about 40- 60% of the total Indian production of the products under consideration. The Petition has also been supported by M/s Ramkrishna Forgings Ltd. The Petitioner and the supporter named command more than 50% of the total production of the subject goods in India.
 - b. None of the other Indian producers have registered any objection to the filing of this review.
 - c. The Petitioner is a major producer of the subject goods and commands the standing and is eligible to file the present application in terms of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.

- d. With respect to the lack of data from the supporting company, the Petitioner has claimed inability to bring on record the data of a competitor company. Such an expectation is untenable and unfounded in law. It has been submitted that the Supporting Company's failure to provide its data to the Authority cannot prejudice the Petition. The participation or non- participation of the supporting company in terms of the requirements of the Trade Notice issued by the Authority cannot determine the legality of the Petition in this case.

C. Examination by the Authority

19. The petition has been filed by M/s Bharat Forge Ltd., Pune. The applicant is one of the leading manufacturers of the subject goods in India and supplies the goods to several countries. Other than the petitioner, M/s Ramkrishna Forgings Ltd., M/s MM Forgings and M/s Happy Forge also produce the subject goods.
20. With respect to the standing of the Petitioner itself, no claims appear to have been raised by the interested parties.
21. With respect to the eligibility of M/s Ramkrishna Forgings Ltd. to be considered a "supporting" company for the purposes of the present petition, certain challenge has been raised by the interested parties.
22. The Authority notes that the petitioner domestic producer is one of the major producers of the subject goods in India. Even discarding the submissions / representation of M/s Ramkrishna Forgings Ltd., the Petitioner would still command a major proportion of the domestic production without any opposition from any other domestic producer for the review application. Accordingly, for the purpose of examination of injury and likelihood of continuation or recurrence of injury the petitioner i.e. M/s Bharat Forge Limited may duly constitute domestic industry in terms of Rule 2(b).

V. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

23. Section 9A (5) of Customs Tariff Act, 1975 provides that,

"The anti-dumping duty imposed under this Section shall, unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition:

Provided that if the Central Government, in a review, is of the opinion that the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury, it may, from time to time, extend the period of such imposition for a further period of five years and such further period shall commence from the date of order of such extension;

Provided further that where a review initiated before the expiry of the aforesaid period of five years has not come to a conclusion before such expiry, the Anti-dumping duty may continue to remain in force pending the outcome of such a review for a further period not exceeding one year."

24. Accordingly, in a sunset review investigation the Authority is required to examine:
- Whether the dumping continues after imposition of the antidumping duty and if so, whether it is likely to continue;
 - In cases where dumping did not continue, whether the dumping would recur in the event of revocation of anti-dumping duties;
 - Whether the domestic industry continued to suffer material injury and if so, whether injury to the domestic industry is likely to continue if the duties are removed;
 - In cases where the domestic industry has not suffered continued injury, whether injury to the domestic industry is likely to recur in the event of revocation of anti-dumping duties.
25. Therefore, the Authority will first proceed with the examination of whether dumping of the subject goods continues from the subject country and whether the domestic industry continues to suffer material injury on account of such dumped imports before examining whether dumping is likely to continue or recur if the duties are revoked, and injury is likely to continue or recur in such a situation.

VI. EXAMINATION OF CONTINUATION OF DUMPING: DETERMINATION OF NORMAL VALUES, EXPORT PRICES AND DUMPING MARGINS

26. The Authority notes that two producing exporters from China have submitted their questionnaire responses but

have not claimed market economy status. The views of the exporters with regard to determination of dumping margins have been summarized below.

A. Submissions made by Producers / Exporters / other interested parties

27. The submissions made by the participating producers / exporters are summarized below:

- a. The Authority should grant “market economy status” to the Respondents based on the development of market economy of China. In this regard, it is submitted that Section 15(a) (ii) of the Protocol of Accession of the People’s Republic of China to the World Trade Organization expired on 11th December 2016. India no longer has a legal basis under the WTO’s legal framework to treat China PR as non-market economy and thereby determine normal value in anti-dumping investigations concerning imports from China PR using the non-market economy methodology.
- b. The methodology of the Petitioner for determination of Normal Value is inconsistent with the methodology prescribed in the AD Rules. In this regard, reliance was placed on the observation of the Hon’ble Supreme Court in *Shenyang Matsushita S. Battery Co. Ltd. v. Exide Industries Ltd. and others*, (2005) that the Designated Authority can resort to the last alternative in Para 7 of Annexure I of the AD Rules, only when the first two methods have been exhausted. Therefore, the Designated Authority is mandated to arrive at normal value in cases of exports from non-market economy countries such as China in this case, by first exhausting the main options of using the price or constructed value in a market economy third country or the price from such a third country to other countries including India. Only when the first two options have been exhausted, the Designated Authority may apply any other reasonable basis to arrive at the normal value including prices paid or payable in India giving due account to reasonable adjustments.

B. Submissions made by Domestic Industry

28. The Domestic Industry has made the following submissions:

- a. China PR is a non-market economy country and is treated as such by various countries including India. Though the provisions of Article 15 of the accession protocol of China to WTO has expired in December 2016, the provisions under Article 2.2.1.1 of ADA read with Article 15(a)(i) of the Accession protocol require certain criteria in para 8 of the Antidumping Rule of India to be satisfied for claiming market economy status by the responding exporters from China PR.
- b. The participating foreign producers / exporters have not filed the necessary questionnaire for claiming market economy treatment.
- c. The normal value for China PR is required to be determined as per procedure described in Para 7 of Annexure I to the Anti-dumping Rules as has been done by the Authority in all recent investigations.
- d. The imports during the POI are low and not very significant to enable a reasonable assessment of the export price, or dumping margin, which may be adopted by the exporters in the event of withdrawal of the antidumping duties. Reference is made to *Final Findings dated 14th October 2014 in the First Sunset Review Investigation of Anti-Dumping Duty against imports of “Digital Versatile Discs-Recordable of all kinds (DVD-R and DVDRW)” originating in or exported from China PR, Hong Kong and Chinese Taipei*, vide, wherein imports from Hong Kong were NIL and imports from China and Chinese Taipei were low, the Authority held that “the volume of imports of the subject goods being low during the POI and considering the fact that the duty was in force during this period, the dumping margin calculations based on the actual imports or nil imports during the POI may not reflect the true picture of the likely scenario if the duties are revoked.” Thus, focus must be on the examination of the likelihood parameters.
- e. The volume of imports in the instant case are low because of (i) imposition of the antidumping duty which has been effective in containing the dumping, and (2) the market situation of the automobile industry in general and medium and heavy vehicles in particular during the injury period. Therefore, it would be appropriate for the Authority to follow the above principles and focus on the likelihood of recurrence of dumping and injury rather than the current dumping and injury.
- f. The Petitioner has constructed the Normal Value only for the purposes of indicating estimates of dumping margins. The Authority may review the same and construct the Normal value on the basis it deems appropriate, after verification of the Questionnaire Response filed by the Respondents.

C. Examination by the Authority

29. The Authority notes that as per analysis of the import data of DGCI&S, the volume of imports from China PR of Front Axle Beams is only *** MTs and of Steering Knuckles is only *** MTs to India during the POI.

30. M/s Hubei Tri-ring Forging Co. Ltd. (HTRF) has filed the questionnaire response as an exporter of Steering Knuckles and M/s. Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd. (HTRA) has filed a questionnaire response as exporter of Front Axle Beams. Both the producing exporters are related but have not filed Market Economy Treatment Questionnaire Response claiming MET for determination of normal value on the basis of sales in the home market. During the POI HTRF has exported *** MT of Steering knuckles to India and HTRA has exported *** MT of Front axle beam to India.
31. Since no MET Questionnaire has been filed by the two related producers / exporters, the Authority notes that the cost and prices of the Company in the domestic market are not reliable and may not reflect market economy conditions. In any case, due to the failure to file MET Questionnaire, the data of the producers / exporters cannot be used for determination of normal values of the subject goods in China.

VII. DETERMINATION OF NORMAL VALUES

32. Since the Authority considers that the cost and prices of the responding exporters in their domestic market may not reflect true market situation, the Authority has considered other alternative provisions in the Rules for determination of the Normal Values in China.
33. Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Para 7 of Annexure-I reads as follows:
- “7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Account shall also be taken within time limits, where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.”*
34. In this connection, the Authority notes the arguments of the interested parties that the Authority should first examine the first and second option in Para 7 of Annexure-I of the AD Rules before exercising the third alternative. In this regard the Authority notes that none of the interested parties have provided any meaningful information for selection of an appropriate third country as a surrogate for construction of the normal value on the basis of cost and prices in that country or price from such country to other countries, including India, as the normal value in China as per the first two alternatives in the Para-7 referred above. The Authority also notes that there is no / insignificant import of the subject goods from any other country during the POI. Therefore, prices from no other country could be adopted for determination of the Normal value in China as per the above provision.
35. In view of the above, the Authority has determined the normal value in China as per the third alternative provided in the Rules referred above.
36. Accordingly, the Normal value for FAB and SK imported during the POI has been determined after due consideration of the consumption norms of the responding exporters and the domestic industry's most efficient norms achieved during the injury period for the imported FAB and SK in machined conditions. The raw material purchase prices of the domestic industry have been adopted. Cost of utilities has been considered as per the best consumption norms of the domestic industry. All other elements of cost are based on the optimum production of the domestic industry. A normal profit of 5% on constructed cost has been provided to arrive at the Constructed Normal Value as per the consistent practice of the Authority.

VIII. EXPORT PRICES EXPORT PRICE OF M/S HUBEI TRI-RING AUTO AXLE CO., LTD., CHINA PR (HTRA)

37. During the POI HTRA had exported only Machined Front Axle Beams directly to India and *** pieces of FAB weighing *** MT were exported to India. The reported transactions and the adjustments required to bring them to ex-works were verified from the questionnaire response. Accordingly, the net ex-works export price for FAB has been determined based on the data provided by HTRA.

IX. EXPORT PRICE OF M/S HUBEI TRI-RING FORGING CO., LTD., CHINA PR (HTRF)

38. During the POI, HTRF had exported only Machined Steering Knuckles to India*** Pcs of Steering Knuckles weighing *** MT were exported during the POI. The reported transactions and the adjustments required to bring them to ex-works were verified from the questionnaire response. Accordingly, the net ex-works export price for

FAB has been determined based on the data provided by HTRA.

X. DUMPING MARGIN

39. The ex-works constructed normal values and the net-ex-works export prices have been compared to determine the dumping margin for the responding exporters from China as follows:

a. For HTRA (FAB):

	NV US\$/MT	EP US\$/MT	DM US\$/MT	DM %	DM Range
HTRA (FAB)	***	***	***	***	(10)-1

b. For HTRF (SK):

	NV US\$/MT	EP US\$/MT	DM US\$/MT	DM %	DM Range
HTRF (SK)	***	***	***	***	20-30

XI. DUMPING MARGIN FOR OTHER EXPORTERS FROM CHINA PR

40. Dumping Margins for other exporters from China PR has been determined on facts available basis as follows:

	NV US\$/MT	EP US\$/MT	DM US\$/MT	DM %	DM Range
FAB	***	***	***	***	0-10
SK	***	***	***	***	90-100

XII. DETERMINATION OF INJURY, LIKELIHOOD OF INJURY AND CAUSAL LINK

41. As seen earlier, in a sunset review investigation, with regard to injury examination, the Authority is required to examine:

- Whether the domestic industry continued to suffer injury and if so, whether injury to the domestic industry is likely to continue;
- In cases where the domestic industry has not suffered continued injury, whether injury to the domestic industry is likely to recur in the event of revocation of anti-dumping duties.

42. The domestic industry has *inter alia* submitted that there is continued dumping of the product under consideration from China PR though the volume of dumped imports is low as a result of current anti-dumping duties and dumping is likely to intensify should the current anti-dumping duty be revoked.

43. Therefore, the Authority has first examined whether the domestic industry continues to suffer material injury on account of dumped imports from the subject country before proceeding to examine the likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry in the event of revocation of the duties from the subject country. Examination of material injury to the domestic industry is in accordance with the Article 3 of the AD Agreement and Annexure II to the AD Rules, 1995.

44. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

45. The Authority notes that the application for continuation of antidumping duty has been filed by M/s Bharat Forge Limited, who commands a major proportion of total production of the subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules, the petitioner has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. Therefore, for the purpose of this determination the cost and injury information of the petitioner, constituting the domestic industry, as defined in Rule 2(b), is being examined.

A. **Submissions made by Producers / Exporters / other interested parties**

46. The interested parties have, *inter alia*, argued that:

- a. the petitioner has failed to substantiate likelihood of continuation or recurrence of dumping & injuries in future, if the anti-dumping duties are revoked.
- b. Authority has to assess increase in dumped imports, in absolute or relative to production or consumption in India.
- c. The data pertaining to imports makes it abundantly clear that the volume of subject imports have reduced in both absolute and relative terms.
- d. The Petitioner's submission that foreign producers decreased exports to India in view of the upcoming sunset review is incorrect. Rather, since the subject goods are required for producing commercial vehicles ("CV") such as trucks and lorries, the exports to India have declined in line with the slide in demand for new commercial vehicles in the POI as a result of weakening economic and market conditions in India.
- e. The Authority must obtain statistics of production and sales of commercial vehicles from the Society of Indian Automotive Manufacturers (SIAM) to verify the demand statistics and establish that the demand for the subject goods has declined due to decline in demand for commercial vehicles. Similar information also emerges from the Petitioner's Annual Reports.
- f. It is commercially and strategically imprudent for any producer/exporter to reduce the exports to a trickle for one whole financial year, especially to a huge market such as India, merely for the purposes of shaping the outcome of the present investigation. Such an allegation is unfounded and deserves to be set aside.
- g. The volume of subject imports have reduced to a trickle and are absolute insignificant to cause any injury to the domestic industry. The Authority must conclusively hold that there is no volume effect by the subject imports and terminate the investigation accordingly.
- h. The Authority is required to examine whether the dumped imports have caused significant price undercutting; or significant price suppression or depression by the dumped imports.
- i. To determine price effect, price undercutting has to be significant. The price undercutting w.r.t FAB became positive only in the POI only, and then too, only after a decline in landed prices of FAB by Rs. 2.50/- per kg. However, even then, the price undercutting is in the range of 0-10%. Further, price undercutting with respect to SK is merely *** %, which is not "significant".
- j. There is no price underselling / injury margin in the present case. As per the lesser duty rule, anti-dumping duty imposed should be the lesser of the dumping margin or injury margin.
- k. The Petitioner itself has not claimed the subject imports are causing price suppression or depression.
- l. The domestic industry's capacity utilization, domestic production and domestic sales have continuously improved in the years preceding the POI in both FAB and SK. The decline is only in the POI owing to the decline in demand for the subject goods.
- m. The market share of the subject imports have declined significantly in the POI in case of both FAB and SK. At the same time, though the domestic industry's market share has not increased during the POI, its competitors/other Indian producers have performed well in the same market conditions as the Petitioner. Therefore, injury to the domestic industry is not being caused by the subject country imports.
- n. In spite of the decline in the domestic industry's operational parameters, the domestic industry's financial parameters have performed really well in the injury period.
- o. In the case of SK, the domestic industry has reversed all its losses and started to make profits in the POI and the year preceding the POI. In the case of FAB, the domestic industry has not only been profitable throughout the injury period but profitability has sharply increased in the injury period, particularly in the POI.
- p. In the case of FAB, the Petitioner's ROCE has continuously and significantly increased throughout the injury period. In the case of SK, the domestic industry's ROCE has improved and turned positive in 2018-19 and the POI.
- q. In the light of predicted potential increase in demand for the subject goods in India, declining volume of subject imports at increasing prices, strong market position of the Petitioners within the domestic

industry and its significantly increased profitability over the injury period, the domestic industry is unlikely to be affected financially. Thus, its ability to raise capital investments will not be affected by the cessation of anti-dumping duties on the miniscule quantity of imports of the subject goods from China PR.

- r. Rule 11 read with Annexure II, paragraph V of the Anti-Dumping Rules requires the Authority to also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Rule 23 of the AD Rules makes it amply clear that Rule 11 is mutatis mutandis applicable in the case of a sunset review. Therefore, causal link can and must be examined by the Authority in a sunset review investigation.
- s. It is the consistent practice of the Authority to examine causality in the case of sunset reviews. Previous three sunset review investigations for NBR originating in or exported from Korea RP cited.
- t. Annexure II, paragraph V of the Anti-Dumping Rules provides that the Authority must examine if dumped imports through the effects of dumping cause injury to the domestic industry. Coincidence between imports, price undercutting and performance parameters of the domestic industry is to be evaluated to determine causal link.
- u. The domestic industry's capacity utilization, domestic production and domestic sales increased in the same period as imports. However, the domestic industry's profitability had first declined in 2017-18 from the base year before turning positive in 2018-19. Price undercutting had remained at the same levels in 2017-18 and 2018-19. Thus, there was no correlation between the subject imports and performance of the domestic industry, the economic parameters of the domestic industry would have declined in the 2017-18 and 2018-19 in light of increasing imports but instead improved, which shows that there is no correlation between the subject imports and the domestic industry's economic performance. Neither did the domestic industry's economic performance improve when subject imports declined.
- v. The automotive industry has been facing a slowdown since 2019. Front axle beams and steering knuckles are a major component of the chassis used in medium and heavy commercial vehicles, and such a slowdown has affected business volumes and margins across the world.
- w. As per the Petitioner's own submissions in the updated petition, a report prepared by ICRA for the India Commercial Vehicles ("CV") market suggests that the domestic CV demand has witnessed significantly volatility over the past 4-6 quarters as purchase considerations of fleet operators have been significantly influenced by series of factors including demonetisation, implementation of BS- IV emission norms, implementation of Goods & Services Tax (GST), enforcement of overloading norms and more recently regulations related to implementation of blower systems. This is confirmed by the Petitioner's own Annual Reports also.
- x. Any future likelihood of injury would also be due to macro changes going on in the automotive landscape.
- y. No case is borne out for continued injury to the domestic industry. The Authority must conduct a holistic assessment of the likelihood of recurrence of dumping and injury. The Authority has historically relied on the provisions for determination of threat of injury for determination of likelihood of recurrence of injury.
- z. With respect to likelihood of recurrence of dumping and injury, it is submitted that the volume of subject goods imported from the subject country in absolute terms and in relation to both production and consumption declined when comparing data from 2016-17 to POI (2019-20).
- aa. Petitioner has acknowledged in their updated petition as well as oral submissions that that the decline in imports is due to the global slowdown in the auto sector and the production and sales volumes of the subject goods have decreased drastically in view of decline in Commercial Vehicles segment. The auto industry slowdown has been made worse by COVID-19 pandemic.
- bb. the Petitioners' cost has reduced, and their selling price has increased while achieving higher profits. This shows that the Petitioners' pricing is unaffected by the trends of pricing of the subject imports. From the data, it is submitted that the imports from the subject countries are not entering India at prices that have a significant depressing or suppressing effect and neither is there any likelihood that such imports would, in the future, enter India at such suppressive or depressive prices. Based on the observed pricing trends, it appears that the pricing policy of the subject countries does not affect the pricing policy of the petitioners.
- cc. The selling price of the DI has been higher than the cost of sales throughout the injury period.

- dd. "Excess capacity" does not refer to any capacity over and above the domestic demand in a particular country. Rather, it refers to idle capacities that may be engaged, in the future, for production and sale of subject goods to the Indian markets at dumped prices.
- ee. In the case of Hubei Tri-Ring Axle Co. Ltd., capacities have been increased to cater to increased demand of the subject goods from other countries. Since the increased capacities are geared towards exports to other markets, the possibility of utilization of capacity for exporting to India is very unlikely.
- ff. In the case of Hubei Tri-Ring Forging Co. Ltd, most of their production is geared towards catering to the domestic market. With the gradual easing of COVID-related restrictions and improving of the economic situation, domestic demand for PUC in China PR is expected to further increase. Therefore, existing capacities itself will be utilized for catering to domestic demand in China PR and not for exports to India.
- gg. A perusal of questionnaire responses of the Respondents would demonstrate that inventory levels have declined. The Respondents do not hold much inventory of the subject goods, but rather sell the same in the domestic market and / or third country export markets. It is submitted that, based on this parameter, there is no likelihood of recurrence of dumping and injury to the domestic industry.
- hh. The Respondents made nil exports to India during the post-POI period. The Designated Authority must determine whether the revocation of anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry. To do so, the Designated Authority analyses the present level of dumping and injury and also the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury by assessing the post-POI data, which is more essential in a sunset review investigation. However, in the present investigation, the Petitioner has not provided any post POI data to indicate the likelihood of the continuation or recurrence of dumping and injury, even though data of the post POI 3 months could easily have been supplied.
- ii. The Petitioners have attempted to set up a claim that the producers and exporters in the subject countries are highly export dependent and therefore, in case of revocation of duties, exports to India would surge. The statements made are extremely generic in nature and in case of the Respondents are factually incorrect. The Petitioner's statements are without any supporting evidence. The Respondents are oriented towards domestic sales and to some extent exports to third countries. As such, no claim is made out for likelihood of dumping and injury to the Indian domestic producers.

B. Submissions made by Domestic Industry

47. The Domestic Industry has made the following submissions with respect to injury likelihood of injury and causality:
- a. The volume of the dumped imports from the subject country is low, but it is not negligible considering that duties are currently in force and have been for 10+ years.
 - b. The Domestic Industry has been able to improve its performance only due to the anti-dumping duties in force, and despite the automotive market in India facing a demand crunch. Thus, continuation of duties is critical to the survival of the domestic industry.
 - c. The trend of the volume of imports shows that as the period of the present investigation approached, the producers/exporters from the subject country strategically dropped the volume of their exports to India. Naturally, since Sunset Review Investigations occur periodically, all interested parties are able to predict the timing and manage their exports accordingly. This is evidenced by the fact that while the volume of imports was significant in the first two years of the injury investigation period, the same drastically declined during the last two years.
 - d. The volume of dumped imports has remained low during the injury investigation period and therefore, its share in demand etc. will not provide a clear picture about its volume impact on the domestic industry. Authority must examine the potential i.e. likely imports in the event of removal of duty and its likely impact on the domestic industry.
 - e. It is notable that anti dumping duties have been in force against imports from China PR for 10 years. Yet, the majority of imports into India continue to be from China PR only. It is clear that India is an attractive market, and Chinese producers have continued to retain their presence in the Indian market despite duties being in force for 10 years to be able to re-enter this market in greater volume once the duties are removed.
 - f. The pricing of the products under consideration, from China PR, have shown a sharp and unnatural increase in the year prior to the POI, which supports the view that the exporters in China were

artificially strategizing their exports in anticipation of a sunset review the period of which is predictable.

- g. With respect to price undercutting in case of FAB, it is evident that price undercutting without inclusion of ADD is positive in the POI. This shows that in case of revocation of duties, the imports from China PR are likely to undercut the domestic prices of FAB.
- h. With respect to price undercutting in case of SK, it is evident that price undercutting without inclusion of ADD is positive throughout the injury period and even in the POI. This shows a definitive trend that in case duties are revoked, the imports from China PR are going to continue undercutting the domestic prices of SK.
- i. Further, the current price undercutting is determined from very limited export sales. As the volume grows, the impact of these low prices will become significant and materially injury the domestic industry.
- j. In the previous investigation the Authority seen that certain OEM manufacturers in India continued to source small quantities of the subject goods in China to retain a viable source of supply and a small volume of imports during this period is a testimony of that fact. Therefore, the price of these imports is not a critical factor but the capacity of the producers in the subject country to increase their volume and likely price scenario in that case needs to be examined in this sunset review investigation.
- k. With respect to price underselling in the case of FAB as well as SK, it is evident that there is significant underselling. In case of FAB, it is seen that price underselling excluding the quantum of ADD currently in force is significant, in the range of 15 - 25%. In case of SK, there is significant underselling, regardless of whether quantum of ADD is included or not. The price underselling including or excluding the quantum of ADD currently in force is in the range of 100- 200%.
- l. Based on the price effect analysis, it is evident that even though the anti-dumping duties are currently in force, the pricing behaviour of the Chinese producers / exporters continues to be injurious to the Domestic Industry.
- m. There is low volume of Chinese imports in the POI and therefore, their impact in terms of suppression / depression of domestic prices is not evident. However, given the significant levels of dumping, and the price trends as shown in the Petition, it is evident that in case duties are revoked, the import volumes from China PR would soar causing significant injury to the Domestic Industry.
- n. The domestic industry has been able to retain its market share solely due to prevention of unfair imports from China PR by virtue of the anti-dumping duties in force. In the given down turn in general economic condition in India and world over, the Petitioner would face significant losses in case the duty protections were revoked / discontinued.
- o. The Petitioner does not hold significant inventories of the products under consideration. Rather, since the products are made to order, upon specifications of the users / buyers, therefore, the loss of market is better seen in lower capacity utilization rather than in high inventories.
- p. The risk of dumped imports taking over the domestic market being real and foreseeable has acted to curb liberal movement of pricing, in line with general functioning of freely competitive markets. If the imports increase and prices drop in the domestic market due to dumped imports from the subject country the thin margin will further erode leading to financial losses.
- q. The Petitioner has faced poor returns on capital employed, which can be seen from the data as provided in Format H / Performa IV A.
- r. The production and sales of the subject goods have remained significantly suppressed and shows significant drop in the POI due to several factors including the presence and threat of increased presence of dumped imports into the market.
- s. The trend of imports from China PR shows a likelihood of increased imports, particularly in case of duty revocation. The volume of imports from China PR has steadily increased upto 2018-19, despite the antidumping duty and then nose-dived in the POI. Additionally, the POI contains a period of zero imports due to the national lockdown in China PR owing to the pandemic COVID 19.
- t. The situation of growing imports is compounded by the unique post-pandemic situation, wherein China PR has factories and industry back in motion while Indian producers continue to deal with restrictions on production and marketing owing to continued pandemic situation.
- u. HTRA and HTRF continue to be major producers of the subject goods and there are new capacities that have been added in China as per the market intelligence gathered by the Petitioner and also the

Questionnaire Response of the Respondents.

- v. The new capacities have been added without matching increase in domestic consumption or exports to third countries. Therefore, there is an imminent possibility of these capacities being utilised to dumping in India in significantly increased quantities.
- w. The public information pertaining to capacity in China PR has been made available along with the Petition.
- x. The Petitioner has claimed that inventories held by the producers / exporters in China PR would be indicative of likelihood of dumping in India. Further, based on the Questionnaire response filed by the Respondents, it has been submitted that the inventories held by HTRA and HTRF have increased significantly.
- y. While the Chinese producers hold significant capacities, due to present economic condition in China after the US-China Trade war and impact of the Pandemic there is a likelihood of significant drop in the medium and heavy commercial vehicles in the Chinese domestic market in last several months and is likely to continue for some time.
- z. General export dependence of the Chinese economy is well known. Chinese producers are highly export dependent and India has been a target market for Chinese manufacturers for a long time. China has emerged as India's largest trading partner with imports accounting for close to 14% of the total imports into India. Of auto-components, China alone accounts for nearly 20% of the total imports into India for the item 8708 5000, which includes a wide range of products including the products under consideration.
- aa. In view of the current global economic contraction, the global auto industry in general and Chinese auto sector in particular is expected to undergo a significant contraction. It is estimated that Chinese demand for autos would decline by about 10-20% in the year 2020-21. Resultantly demand for the subject goods would also contract while there is a significant capacity built up in China in the recent years. Therefore, in the absence of a demand from the global auto markets and plummeting domestic market in China, the Chinese producers will have a lucrative market in India to dump their goods as the post COVID outlook of Indian auto market is positive as per news reports.
- bb. It is a settled position of law that causal link analysis is not mandatorily required in sunset review investigations. Reference is made to WTO Appellate Body decision in the case of *Oil Country Tubular Goods from Mexico* (WT/DS282/AB/R dated 2 November 2005). This is so because in sunset review investigations, import volumes and pricing parameters are under the impact of the duties currently in force and it is far too easy for the producers in the exporting country to manipulate volumes and prices during the period of investigation in such a way as to defeat any causality assessment.
- cc. In any case causality is evident from the fact that the subject goods are predominantly imported from China PR only. This shall continue to be so because of the peculiar nature of the product where there is a direct linkage of the vendor and OEMs to establish capacities dedicated to the OEM though a quick switch over is possible.
- dd. As per ICRA Report, the demand for Commercial Vehicles (CVs) fluctuated on QoQ basis for the past four to six quarters. Nevertheless, FY 2018 witnessed healthy recovery in demand for CVs, especially Medium and Heavy Commercial Vehicle (M&HCV) Trucks & Light Commercial Vehicles (LCVs). Apart from favorable regulatory developments, pent-up demand from infrastructure sector would also continue to support demand for tippers, a segment which has outperformed the industry during the current fiscal. The first nine months of FY2019 saw the M&HCV goods segment raced ahead as a result of sustained replacement demand, higher economic activities, government spend on the infrastructure sector. While the next three months' sales were a tad slow, the overall numbers for the fiscal were a new record high, up by 15 percent year on year. This clearly pegs India as one of the largest heavy truck markets and with growing demand.
- ee. After a good growth in 2017-18 and 2018-19, 2019-20 saw a significant drop in demand in M&HCVs on the truck side because of BS-VI introduction and the pre-buy of BS-IV and also a marginal slowdown in the economy. 2020 is expected to see another big drop in demand as compared to 2019 because of the economic slowdown due to Covid-19. Therefore, the demand situation in the country shows a complex pattern. In such a case, presence of the dumped imports in the domestic market is the worst thing that can happen to the domestic industry.
- ff. Given the sensitivity of demand in this sector, the price of the goods determines the choice of supplier. The imported goods and the domestically produced goods are like articles and are used for the same applications/end uses. Pricing is the most important factor for purchasing the article either

from imported sources or domestic sources. Since the dumped goods are being introduced in the domestic market and are likely to be introduced in the domestic market at significantly low price if the duties are revoked, the prices and profitability of the petitioning domestic industry would be adversely affected. The domestic industry will be expected to match the dumped prices offered by the importers from the subject country.

- gg. The Respondents' EQR was not shared with the Petitioner until 10th November 2020. In this regard, the Petitioner submits that it was incumbent upon the Respondents to serve a copy of their filing, vide email (given the current pandemic situation).
- hh. The belatedly filed EQR suffers from excessive confidentiality which defeats the practice of serving a non-confidential version of the EQR. The Respondents have claimed confidentiality with respect to, *inter alia*, the accounting period in China, the *names* of raw material / input material, public marketing documents such as brochures, the exchange rate relied upon for conversion from RMB to USD or from USD to INR. The basis of such confidentiality is unclear since the Respondents have not provided any rationale for the same. The Appendix-C, a Declaration by the Legal Representative, has been filed unsigned and therefore, cannot be considered a declaration made in good faith regarding the veracity of the submissions contained in the EQR itself.
- ii. HTRF and HTRA are major producers of the subject goods in China PR and are one of the biggest exporters of the subject goods to India. The information provided by these producer/exporters from China, who have been the only participants in the previous SSR investigation and in the original investigation as well, gives an irrefutable indication of excess capacities in China and the general orientation of Chinese producers towards the Indian market over the last 10-12 years.
- jj. As per data in the EQR, HTRA's capacities are underutilized and liable to be directed towards the Indian market in case of revocation of anti-dumping duties in force. It increased its capacity over the period of injury from 100 indexed units in 2017 to 114 in 2018. Thus, in the POI, the capacity increased by at least 14% compared to 2017. The capacity utilization did not increase commensurately. This indicates that HTRA holds surplus capacity and is currently underutilizing its present capacity.
- kk. Further, trend of sales of HTRA to India increased significantly in the period leading up to the POI and then nosedived right in time for the SSR. HTRA increased production from 100 indexed units in 2017 to 116 indexed units in 2019. Notably, the Sales to the domestic market show a steady trend, from 100 indexed units in 2017 to 138 in 2018 and 134 in 2019. However, the sales to the Indian market show a variable curve, increasing almost 350% between 2017 and 2018 and then declining rapidly and suddenly in 2019 (unsurprisingly, as the SSR period becomes imminent) to a mere 22 indexed units. This aligns with Petitioner's claims regarding the general behaviour of Chinese producers / exporters, as a sunset review examination becomes imminent.
- ll. The data with respect to POI may be tainted by the commercial conditions in China PR as the first country to face lockdowns and national shutdown owing to COVID-19. However, since 2019 data represents a major part of the POI, the same may be noted.
- mm. HTRA's inventories show an increase over the injury period from 100 indexed units in 2017 to 133 indexed units by 2019. Importantly, the increased inventories are held at a cost of significant drop in exports to India as the sunset review period approaches, and without an equal sharp decline in the domestic market or global markets other than India. It is also relevant to note that the inventories held have increased by 33 per cent. This is a significant increase. Further, in the post-COVID scenario, these inventories may be even higher.
- nn. Further HTRA's sales value from domestic sales leading upto the POI, in 2018, is growing at a slower pace than the sales value from export sales to India or other markets. The export sales to other markets has increased by 253% indicating serious export orientation of the producers in China on the face of declining domestic sales in China. It also supports the general information that the Chinese Auto industry is facing a serious demand slide resulting in significant spare capacities with the Chinese producers to produce the subject goods and dump them in India if the duties are lifted. Further, with respect to the trend of sales realisations per unit, the sales realisation per unit of export sales to India shows a higher trend over the injury period and the POI as compared to the sales realisation per unit of domestic sales thus confirming the demand slide in China and price attractiveness of the Indian market to enable intensified dumping in India if the duties are revoked.
- oo. It is unclear why there is different trends in costing information of HTRA with respect to the products meant for domestic consumption and those meant for the Indian markets, with the cost trend for the export products showing a decline during 2018 while the domestic cost shows an increase. It is unclear how the cost calculation has been done, such as to show a different pricing trend for goods

meant for domestic consumption vis-à-vis goods meant for the Indian market.

- pp. Appendix 1 of the HTRF's EQR shows that the Respondent has increased its capacity over the period of injury, has significantly increased its sales to India in the period leading up to the POI (with no sales of the subject goods to any other global market) and held significant inventories over the period of injury and in the POI.
- qq. HTRF's capacity increased over the period of injury from 100 indexed units in 2017 to 105 indexed units in 2019 and POI. However, production of the subject goods has not been scaled up to match the capacity expansion. In fact, the significant decline in the capacity utilization from 100 indexed units in 2017 to 86 indexed units in the POI. Thus, recent capacity expansion read with reduced capacity utilization is indicative of surplus and excess capacity held in reserve by HTRF. This data corroborates the Petitioner's claim that in case of revocation of duty, the surplus capacity would be utilized and is likely to be diverted to India.
- rr. HTRF's Sales to the domestic market show a steady trend, from 100 indexed units in 2017 to 107 in 2018 and 104 in 2019 and then decline to 96 in POI indicating slow down in demand in China. However, the sales to the Indian market show a variable curve, increasing almost 250% between 2017 and 2018 and then declining rapidly and suddenly in 2019 (unsurprisingly, as the SSR period becomes imminent) to a mere 19 indexed units and further lower in the POI.
- ss. HTRF's inventories increased significantly over the injury period from 100 indexed units in 2017 to 253 indexed units by 2019. Importantly, the increased inventories are held at a cost of significant drop in exports to India as the sunset review period approaches, and without an equal sharp decline in the domestic market. It is also relevant to note that the inventories held have increased by almost 230%. This is a significant increase which establishes the fact that there is some serious demand-supply issue in the domestic market. Further, in the post-COVID scenario, these inventories may be even higher and revocation of duty will result in offloading of this inventory and surplus capacity in the Indian market given the fact that this producer-exporter does not have any other market as is evident from its data.
- tt. Finally, the data supplied by the Respondent shows the export orientation of the Respondent and its reliance on Indian markets to deal with its excess capacity and inventory. The data also shows price attractiveness of the Indian market. HTRF does not sell the subject goods to any other country apart from India. Thus, declining domestic demand can only be addressed by way of increase in exports to India, specially in view of capacity expansion by HTRF and high inventories. HTRF's price trends, as can be seen from sales realisation from exports to India have remained stable in the face of declining price trends in the domestic market of China. Therefore, not only are the producers export oriented (specifically and only to India), but it is also evident that the producers have good reason to export to India only as the prices in India remain stable.

C. Examination by the Authority pertaining to Injury parameters

- 48. The Authority notes the arguments of the interested parties and various issues raised therein with regard to the claims of injury and causal link and the counter arguments of the domestic industry on the issues raised by the interested parties. All relevant issues as stated below have been considered in the Final Findings.
- 49. Before proceeding to a detailed assessment of the continued injury or likelihood thereof, the Authority considers it reasonable to note the following:
 - a. As regards the contention that the petition did not contain evidence of post-POI data, the Authority notes that post POI data analysis is though additionally desirable for likelihood is considered in warranting situation. The developments in the injury investigation period and the period of investigation are relevant in a sunset review determination. However, the information for the post POI period has been verified from the DG systems data and it has been found that there are no imports of subject goods from the responding exporters into India in the said period.
 - b. As regards the contention that the present volume of imports is low and does not support the need for continuation of anti-dumping duty, the Authority notes that in sunset review likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury is to be examined. Even if import volumes are low at present, the same may not imply absence of any likelihood of dumping and injury in the event of cessation of anti-dumping duty.
 - c. As regards increase in market share of other domestic producers, the Authority notes that in the present scenario of declining demand and continued imposition of anti-dumping duties, changes in market share may not provide a clear position with regard to likelihood parameters. The Authority also notes that the domestic industry has not claimed that it has suffered injury solely because of Chinese imports in India. The present investigation is to examine the likelihood of continuation or

recurrence of dumping and injury in the event of cessation of anti-dumping duty taking into account all other factors also which will be addressed in the Final Findings.

- d. As regards absence of causal link claimed by the interested parties, the Authority notes that absence of causal link in the present period is relevant only in a situation where the Authority concludes that the present injury to the domestic industry is because of current dumped imports into the country. The findings in this regard would examine the situation of continued dumping and injury as well as likelihood of dumping and injury to the domestic industry in the event of cessation of anti-dumping duty.
 - e. The Authority has noted the claim of the interested parties that many of the injury parameters of the domestic industry show improvement and domestic industry remained in profits / grew profits despite decline in demand due to contraction of demand from the downstream automobile sector. However, Authority notes that it needs to evaluate likelihood of dumping and injury in a SSR investigation.
50. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant rate of increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.
51. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments, or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital or investments have been considered in accordance with Annexure II of the Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above have been examined as under:

XIII. Volume Effects of Dumped imports

a) Import volumes & market share

52. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant rate of increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods from the subject country and other countries based on the transaction-wise import data provided by DGCI&S, and as correlated with the cooperative producer/exporter.
53. The Authority notes that as per DGCI&S reports and the questionnaire response filed by the cooperating exporters from China, who are reportedly the only exporters from that country, only machined products have been exported to India during the POI. Therefore, the import weight has been converted taking into account the unit weight of the machined products as reported by the exporters. Accordingly, volume of imports of the subject goods are as follows:

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Front Axle Beam					
Imports from China PR	MT	1013.11	1,587.60	2,155.97	182.34
Imports from Other Countries	MT	-	-	-	-
Total Imports	MT	1,013.11	1,587.60	2,155.97	182.34
Steering Knuckle					
Imports from China PR	MT	864.71	1,301.83	1,930.52	127.01
Imports from Other Countries	MT	-	0.68	2.70	1.21

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Total Imports	MT	864.71	1,302.51	1,933.23	128.21

54. The data shows an increasing trend between the periods 2016-17 to 2018-19. Thereafter, during the POI, the imports from the subject country has decreased dramatically.

a) *Assessment of Demand/Apparent Consumption and Market Share in demand*

55. Demand or apparent consumption of the product in India has been assessed based on the domestic sales of the Domestic Industry, other Indian producers, and imports from all sources. Accordingly, estimated demand for FAB in the domestic market is as follows:

FAB					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Imports from China PR	MT	1013.11	1587.6	2155.97	182.34
	Trend	100	157	213	18
Total Domestic Sales	MT	***	***	***	***
	Trend	100	114	112	59
Demand	MT	***	***	***	***
	Trend	100	115	115	58
Imports from China PR in relation to demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	136	186	31
Imports from China PR in relation to Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	134	182	21

56. The estimated demand for SK in the domestic market is as follows:

SK					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Imports from China PR	MT	864.713	1301.83	1930.52	127.008
	Trend	100	151	223	147
Total Domestic Sales	MT	***	***	***	***
	Trend	100	110	101	71
Demand	MT	***	***	***	***
	Trend	100	112	108	67
Imports from China PR in relation to demand	%	***	***	***	***
	Trend	100	134	206	22
Imports from China PR in relation to Domestic Production	%	***	***	***	***
	Trend	100	140	211	15

57. The foregoing data shows that the demand for the subject goods (FAB & SK) in India increased between 2016-17 and 2017-18. Further, in 2018-19 the demand remained at the same level as 2017-18. In the POI, however, the demand for the subject goods declined considerably.
58. The data shows significant rate of increase in volumes of imports from China PR in relation to growth of sales of

the Domestic Industry or other Indian producers as well as significant growth in relation to Indian Demand.

59. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been considered for FAB & SK and on a combined basis. It is seen that the demand of the subject goods has increased during the injury period upto 2018-19 and declined in the POI.
60. As far as FAB is concerned, the market share of the petitioner increased initially in 2017-18 compared to 2016-17 and then declined, hitting a point lower than the base year during the POI. At the same time, imports of FAB from China PR increased throughout the period of injury, upto 2018-19 and crashed in the POI.
61. As far as SK is concerned, the market share of the petitioner increased initially in 2017-18 compared to 2016-17 and then declined, hitting a point lower than the base year during the POI. At the same time, imports of SK from China PR increased throughout the period of injury, upto 2018-19 and crashed in the POI.

XIV. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

62. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. Therefore, both price undercutting and underselling effects of dumped imports have been examined though the volume of import is low.

a) Price undercutting

63. For the purpose of examination of the price undercutting effect of dumped imports, the net sales realization of the domestic industry for both the products have been compared with the landed values of imports of the corresponding products as per DGCI&S data. Only machined form of the products has been imported from China and therefore, selling price of machined products produced and sold by the domestic industry has been considered for determining price undercutting.
64. The price undercutting effect of dumped imports of FAB from the subject country have been examined as follows:

FAB					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Import Volume	MT	1,013.11	1,587.60	2,155.97	182.34
Assessable Values	Rs Lacs	***	***	***	***
Assessable Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Landed price of Imports	Rs/Kg	141.85	139.34	151.60	153
Net Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Range	(0-10)	(0-10)	(0-10)	0-10

65. It is noted that price undercutting without inclusion of ADD is positive in the POI. For the prior years, even without inclusion of ADD, the price undercutting is negative. When considered with the quantum of ADD included, there is no price undercutting caused by the dumped imports throughout the period of injury or in the POI.
66. The price undercutting effect of dumped imports of SK from the subject country have been examined as follows:

SK					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Import Volume	MT	864.71	1,301.83	1,930.52	127.01
Assessable Values	Rs Lacs	***	***	***	***
Assessable Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Landed price of Imports	Rs/Kg	121.57	121.68	131.29	131.12

SK					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Net Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs/Kg	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
	Range	35-45	35-45	35-45	45-55

b) *Price suppression/depression*

67. To examine the price suppression or depression effects of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production of the domestic industry and the landed price of the dumped imports for machined products, as follows:

Front Axle Beam					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	107	113	99
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	103	110	123
Landed Price from China PR	Rs./Kg	141.85	139.34	151.60	153
	Trend	100	98	107	105
Steering Knuckle					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	91	87	115
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	100	109	121
Landed Price from China PR	Rs./Kg	121.57	121.68	131.29	131.12
	Trend	100	100	108	108

68. The above data indicates that in case of FAB, the cost of production had increased upto 2018-19 and then declined significantly in the POI. Overall, the cost of sales between 2016-17 and the POI remained almost the same. The landed price of imports have gone up by about 5% compared to the base year but closed the gap between the domestic industry's selling price and itself, to end up being lower than the selling price of the domestic industry.
69. As far as Steering Knuckles are concerned, Authority notes that the cost of sales of the Domestic Industry increase by about 15% in the POI, compared to the base year. At the same time, even selling price increased. However, selling price has remained lower than cost of sales throughout most of the period of injury and in the POI. It is also relevant that the landed price from China PR did not show a parallel trend, but rather increased at a much slower pace. In the end, it is seen that the landed price (without ADD) undercuts the selling price of the Domestic Industry.
70. Both the Domestic Industry and the interested parties have argued that low volume of imports may not exhibit price suppressed or depression effect. However, the Domestic Industry emphasis on the likely effect in case of increase in volumes of imports, in the event of duty revocation while the interested parties simply limit themselves to this claim.

XV. Examination of Economic parameters relating to the domestic industrya) *Actual and Potential Impact on Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales*

71. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry is given in the table below:

Particulars	Unit Currency	/ UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Installed Capacity	MT	Indexed	90-100	90-100	90-100	90-100
Production Quantity	MT	Indexed	100	124	133	97
Capacity Utilization Percentage	%	Indexed	100	124	135	106

72. The capacity and production data of the domestic industry has been reviewed and corrected, as pointed out by the interested parties, taking into account the revised data filed by the domestic industry the non-confidential summary of which was also provided to all the interested parties by the domestic industry.
73. The Authority notes that since the volume of imports of the subject goods during the injury investigation is low, the actual impact of imports on the above parameters may not be significant.

b) *Actual and Potential Impact on Profitability, Profits, return on investment and cash flow*

74. On the basis of the detailed examination of the cost of production and other associated costs as well as selling prices carried out by the Authority, profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market has been worked out as follows:

Front axle beam	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Profit/loss (Machined)	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	(3021)	(2243)	13550
Cash Profit	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	104	96	355
Profit before Interest	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	100	121	118	455
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
	Trend	100	154	125	220
Steering knuckles	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Profit/loss (Machined)	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	(100)	(14.86)	110.16	(57.99)
Cash Profit	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	(100)	(56)	129	122.13
Profit before Interest	Rs/Kg	***	***	***	***
	Trend	(100)	(63)	26	19
Return on Capital Employed	%	***	***	***	***
	Trend	(100)	(90)	(19)	5

75. The Interested parties have stated that the Petitioner's ROCE has continuously and significantly increased, with respect to FAB. Similarly, with respect to SK, the Domestic Industry's ROCE has improved and turned positive.
76. The above data indicates that in case of FAB profit, cash profit, profit before interest and return on capital employed increased sporadically, with definitive growth in time for the POI.
77. In case of Steering knuckles, the domestic industry was in losses throughout the period of injury and in the POI,

though the loss per unit has declined over the period of injury. The cash profit, profit before interest and return on capital employed have shown improvement throughout the injury period and in the POI.

c) *Actual and potential impact on Market Share*

78. As indicated earlier, market share of the domestic industry in demand for subject goods has declined from the base year to the POI. The Authority notes that the volume of imports from China has been very low during the injury investigation period which appears to be due to imposition of antidumping duty

d) *Actual and potential impact on Employment, Productivity and Wages*

FAB	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
No of Employees- Company	Nos	***	***	***	***
	Trend	100	106	54	51
Salaries & Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Trend	100	117	124	16
SK	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
No of Employees- Company	Nos	***	***	***	***
	Trend	100	106	54	51
Salaries & Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
	Trend	100	111	118	8

e) *Actual and potential impact on Inventories*

79. The products under consideration are made to order items,

f) *Factors affecting domestic prices*

80. The examination of data indicates that the dumped imports from the subject country, though low in volume, are still entering the Indian market at prices much below the cost of production and selling prices of the domestic industry causing price undercutting and underselling in the Indian market during the POI, when considered excluding the quantum of ADD. There is a significant decline in demand due to general conditions of the automobile sector globally.

g) *Actual and potential impact on Growth*

81. The Authority notes that in a situation of significant decline in demand, growth in various physical and financial parameters need to be properly evaluated would not provide any meaningful guidance on determination of injury on account of dumped imports. This, coupled with the fact that the duties are currently in force, makes it hard to isolate the impact of the dumped imports on growth parameters.

h) *Ability to raise capital investments*

82. The Authority notes that the petitioner is a multi-product company covering several forged and machined products across sectors. Therefore, while their ability to raise capital may not be affected by the performance the production line of the subject goods alone. The company's capacity for fresh investment and expansion of the production line of subject goods is likely to be affected in the current and potential scenario of dumping, coupled with the recession in the auto sector.

i) *Level of dumping & dumping margin*

83. The margin of dumping as a factor for determination of injury indicates that dumping margins of the dumped imports of steering knuckles determined for the subject country are above *de minimis* level and significant. The Authority notes the likelihood of dumping and injury for FAB as well.

XVI. Overall Assessment of current Injury and Causal links

84. The Authority has assessed the impact of the foregoing parameters after receiving the Comments on the Disclosure Statement.

85. The Authority has also examined other factors in the light of the issues raised by the interested parties to evaluate if factors other than imports are responsible for the injury to the domestic industry.

a) *Volume and prices of imports from other sources*

86. It is noted from import data that the subject goods have been imported from the subject country only. The volume of imports from other countries, with respect to FAB, are negligible and with respect to SK are non-existent.

b) *Contraction in demand and / or change in pattern of consumption*

87. As seen above, the demand scenario and pattern of consumption for the subject goods in the domestic market shows there has been a significant decline in demand of the products concerned over the injury period which has been attributed to various factors, including demonetization, recession in the automobile sector, introduction of BS-IV standards, etc. The interested parties have argued that the injury, if any, is due to the decline in the demand and not because of the insignificant import from the subject country.

88. The Authority notes that there was a global slowdown in the automobiles industry and production and consumption of the commercial vehicles in India had also declined during the injury investigation period leading to a decline in demand for the subject products. Therefore, demand is one of the major factors affecting the physical performance of the domestic industry in terms of production volume and sales. The Authority has examined both volume and price injury during the injury period and its likelihood.

c) *Trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers*

89. The Authority notes that there are few other producers of the subject goods in India who are also producing and selling in the domestic market. The interested parties have not argued that the impact on the Domestic Industry is owing to factors such as *inter se* competition in the Indian market. Further none of the other producers have reported their data to the Authority or opposed the Petition, the Authority has examined available data and submissions by the interested parties.

90. There is no allegation of unfair competition between the domestic producers or any trade restrictive practices in the domestic market which could have contributed to the injury to the domestic industry.

d) *Development in technology*

91. Neither the Domestic Industry nor the interested parties have cited any change in technology for the production of the subject goods.

e) *Export performance of the domestic industry*

92. Petitioner has significant export of the products under consideration during the injury investigation period as per the table given below. The interested parties have not alleged that any injury to the domestic industry could be a result of poor export performance or increased focus on the export markets, at risk to the domestic market.

Export Sales	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Front Axle Beams	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	135	144	103
Forged	MT	***	***	***	***
Machined	MT	***	***	***	***
Steering Knuckles	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	129	153	137
Forged	MT	***	***	***	***
Machined	MT	***	***	***	***

93. The Authority notes that the exports of FAB and SK produced by the petitioner increased over the injury period and in the POI. The Authority has noted that the injury to DI is on account of its domestic sales without any impact of export sales.

f) *Magnitude of injury and injury margin*

94. For determination of injury margin the Authority has determined the Non-Injurious Price (NIP) for the domestic industry as per Annexure III of the Anti-Dumping Rules. The Non-injurious price so determined has been compared with the weighted average landed value of the goods imported during the POI as per DGCI&S data.

Accordingly, the margins of injury for the products under consideration imported from the subject country are as follows:

Particulars	Unit	HTRA FAB	Non-cooperative exporters for FAB	HTRF SK	Non-cooperative exporters for SK
Landed Price of Imports from China PR without ADD	Rs./Kg	***	***	***	***
NIP	Rs./Kg	***	***	***	***
Injury Margin without ADD	Actual	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
	Range	(30)-(20)	(20)-(10)	10-20	40-50

95. The Authority also notes that since this is a sunset review investigation, and the total volumes of imports from the subject country as well as volume exported by the responding exporters during the period of investigation are low, therefore, for assessment of dumping and injury margins both imports into India and the exports by the respondent producer/exporter to third country needs to be referenced.

96. The Authority notes that this being a sunset review investigation while the duties were in force, the current injury margin may not provide a clear indication of the future level of injurious imports because the dumping margins estimated are significantly positive though volumes are low. Therefore, the Authority has looked at the likelihood aspects of continuation or recurrence of dumping and injury through various other parameters as stated in the following paragraphs.

XVII. Examination by the Authority pertaining to Likelihood of Injury parameters

97. Despite the Anti-dumping duty on imports of Steering Knuckles from China PR is in place, it is noted that dumping margin and injury margin for injury period is positive and quite significant. Since no other exporter/producer responded, Authority holds the aforesaid observation even for non-cooperative exporters.

98. As regards Front Axle Beam, Authority has examined likelihood of dumping and injury by examining following parameters:

- Significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;
- Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and
- Inventories of the article being investigated.
- Total and surplus capacities of Products under Consideration in the subject countries during the proposed POI and 3 years prior thereto;
- Quantities and Prices of exports by producers / exporters in the subject countries to countries other than India. In case individual data for producers / exporters especially for whom individual assessment has been done is not available, aggregated information for the subject country may be provided;
- Export orientation of producers / exporters in subject countries. In case data for producers / exporters for which individual assessment has been done is not available, aggregated information for the subject country may be given;
- Justification as to why the Indian market would be chosen as a destination for exports notwithstanding (a) to (c) above, after withdrawal of anti-dumping duties. The attractiveness of the Indian market to be justified;

99. To examine these parameters, following data of respondent producer/exporters has been referenced.

A. Export Orientation:

Export Orientation of HTRA for FAB

Particulars	% Of Sales	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Production Capacity	Pieces	***	***	***	***
	Indexed	100	114	114	114
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
	Indexed	100	94	101	88
Total Sales	Piece	***	***	***	***
Domestic Sales	Piece	***	***	***	***
Sales to Domestic Market	%	***	***	***	***
Export Sales to Third Countries	Piece	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
Export sales to India	Piece	***	***	***	***
	%	***	***	***	***
Export Sales to India as a % of total exports	%	***	***	***	***
	% Range	35-55	35-55	5-15	5-15

Export Orientation of HTRF for SK					
Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Installed Capacity	Pieces	***	***	***	***
	Indexed	100	102	105	105
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
	Indexed	100	96	95	86
Total Sales	Pieces	***	***	***	***
Domestic Sales	Pieces	***	***	***	***
Sales to Domestic Market	%	***	***	***	***
Export Sales to India	Pieces	***	***	***	***
Export Sales to India	%	***	***	***	***
Export Sales to Third Countries	Pieces	0	0	0	0
Export Sales to Other Countries	%	0	0	0	0
Export Sales to India as a % of total exports	% Range	80 - 100%	80 - 100%	80 - 100%	80 - 100%

Capacities of other known producers/exporters

Particulars	Unit	Forging Capacity (POI)	2021-2022	2022-2023
Chongqing Qingling Forging Co., Ltd	MT	***	***	***
TIANRUN CRANKSHAFT CO., LTD	MT	***	***	***
M/s Hubei Tri-ring Auto-Axle Co., Ltd	MT	***	***	***
M/s Hubei Tri-ring Forging Co., Ltd	MT	***	***	***
Total Capacity in China		3,03,888	3,03,888	3,03,888
Source: Annexure N of Petition and Exporter Questionnaire responses				

100. The Authority notes that the DI has provided the capacities of various producers/exporters in the petition. It is further noted that the disposable capacity of the respondent producer/exporters have increased in the injury period.

B. Third country exports:

101. On the basis of unit price available, it is noted that third country prices are higher which indicates the dumping of subject goods into India. To evaluate the dumping behavior of respondent producer/exporters, Authority notes that as no information regarding the Ist two options, to determine the Normal Value, has been provided, Authority has adopted Constructed Normal Value to evaluate the dumping. However, it is also important to note that the export price trend of respondent producer/exporter to third country other than India indicates that the export prices of subject goods to third countries are higher than India.

Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (POI)
Front Axle Beam- HTRA					
Sales in Domestic Market	RMB/Piece	***	***	***	***
Export to India	RMB/Piece	***	***	***	***
Export to Other Countries	RMB/Piece	***	***	***	***

C. Diversion of Exports to India:

102. Authority notes that the respondent producer/exporter's inventories are high coupled with India as an attractive destination. During the injury period, the share of exports of FAB from China PR in total demand is 4-5%. Given the surplus capacities and export orientation of the respondent producer/exporter and also keeping in view the consistent high share of exports of respondent producer/exporter to India in the years prior to POI, the Authority considers that there is diversion of exports of subject goods from third countries to India in event of cessation of AD duty.

103. The Authority notes that the consistently high share of imports from subject country in the years prior to POI, availability of high unutilized capacities and high resultant inventories will have significant impact towards the likelihood of recurrence of injury and dumping from imports from China. It is also noted that the increase in volume of import from subject country is likely to erode the market share of domestic industry if AD duty is rescinded.

Particulars	UOM	2017	2018	2019	POI
Inventory for HTRA	Piece	***	***	***	***
	Indexed	100	115	133	74
Inventory for HTRF	Piece	***	***	***	***
	Indexed	100	254	253	230

104. The inventories of subject goods for respondent producers are noted to be extremely high.

XVIII. Post Disclosure Comments

Comments by domestic industry

Disposable Capacities / Surplus Capacities in China PR

105. As noted by Authority, HTRA and HTRF continue to be major producers of the subject goods and there are new capacities that have been added in China as per the EQR filed by these Respondents and data submitted by Applicant clearly establishes that there is surplus capacity in China PR.
106. However, the price behaviour of the exporters from China in the previous investigations and the capacities to produce and export on marginal cost pricing basis has a potential to significantly undercut and undersell the domestic industry in the Indian market to capture the market if the duties are revoked to utilise their spare capacities.

Inventories

107. The Authority has noted that inventories held by the producers / exporters in China PR are indicative of likelihood of dumping in India. In the present matter, both HTRA and HTRF have reported significant volumes of inventory (particularly in the period of declined sales to India, i.e., 2019). This is indicative of the likelihood of a surge of imports from China PR in case of revocation of duties.
108. Further, it may be noted that while the Chinese producers hold significant capacities, due to present economic condition in China after the US-China Trade war and impact of the Pandemic there is a likelihood of significant drop in the medium and heavy commercial vehicles in the Chinese domestic market in last several months and is likely to continue for some time.

Export Orientation of Chinese producers & Attractiveness of the Indian Market

109. The Authority has noted that share of imports from subject country is consistently high in the years prior to POI, availability of high unutilized capacities and high resultant inventories will have significant impact towards the likelihood of recurrence of injury and dumping from imports from China.
110. Further the Applicant submits that information submitted in previous submissions clearly establishes that there is an imminent likelihood of recurrence of dumping in large volume in the event of withdrawal of the duties. Any significant increase in volume of imports will adversely affect the delicate situation in which the domestic is operating in view of the condition of the domestic auto market at the moment. In a contracting global market, an increased volume of dumped import will cause significant volume and price impact on the domestic industry.
111. Further, as noted by Authority the participating exporter data shows clearly that HTRA had increased its export volumes to India by about 300% while HTRF had increased its export volumes to India by about 250% in 2018 compared to 2017. This, coupled with the fact that these increases to India are significantly greater than their export orientation towards other global markets (HTRF has NIL sales of subject goods to other markets), shows the export orientation of Chinese producers particularly targeting the Indian market.
112. The Authority may take cognizance of fact that the current pandemic situation has created serious demand crunch in the global auto sector, including India and China and in such a situation revocation of duty will irreparably injure the domestic industry if the antidumping duty is revoked. Authority has made an assessment that there is continuation of dumping, though the volume of imports are low due to the antidumping duty in force, and the performance of the domestic industry has also remained affected by several factors, including the presence of dumped imports from the subject country, the continuation, intensification and/or recurrence of dumping and injury to the domestic industry is likely and imminent.

Comments by responding exporters

113. The data regarding sales by the Respondents shows that their exports to India have been declining while exports to other countries and sales in the domestic market have been increasing. Also, the subject goods are made-to-order and customized depending on the requirements of the customers. Thus, it would not be possible to easily substitute one product for another and export a product intended for one customer to another. In any case with the decline in demand from the user segment in India, the Respondents have been more geared towards exporting to other countries and also demand from their own domestic market.
114. Even the existing customer base in India with the Respondents is limited to just one customer, with demand by other customers from the Respondents having dried up due to the antidumping duties in force for the past ten years. Even if the anti-dumping duty is lifted, it would be difficult for the Respondents to gain market share with the domestic industry and other producers dominating the market. Thus, the Respondents are not only not oriented towards increasing their exports to India but also will not be able to increase their exports to India if anti-dumping

duties on the subject imports are lifted.

115. In Para 100, the Authority has provided a table containing capacities of other known producers/exporters to assess capacities in China PR, which includes Tianrun Crankshaft Co., Ltd. The Respondents however submit that this particular producer does not manufacture the subject goods in China PR and the same can be understood from the public website of the said company itself, accessible at <http://www.tianrun.com/en/channels/57.html>. In fact, they are manufacturers of crankshafts, which is fitted in engines and is totally different from the subject goods. Therefore, capacity of this company must be removed from the total capacities of the subject goods in China PR.

Excess Capacity

116. In Para 101, the Authority has noted that the disposable capacities of the Respondents have increased in the injury period. The Respondents however submit that this assessment is incorrect and reiterate their previous submissions that their capacity utilizations are at optimal levels. No producer of the subject goods, including the domestic producers in India such as the Petitioner, will use their entire capacity. Therefore, the Authority's assessment that there is surplus capacity with the Respondents is wholly incorrect.
117. The Respondents further submit that in the case of HTRA, capacities have been increased to cater to increased demand of the subject goods domestically and from other countries. Since the increased capacities are geared towards domestic sales and exports to other markets, the possibility of utilization of capacity for exporting to India is very unlikely. In the case of HTRF, most of their production is geared towards catering to the domestic market. With the gradual easing of COVID related restrictions and improving of the economic situation, domestic demand for PUC in China PR is expected to further increase. Therefore, existing capacities itself will be utilized for catering to domestic demand in China PR and not for exports to India.
118. The Respondents further submit that, given the availability of other export markets in Europe and the United States, disposable capacities available with Respondents in China PR are oriented towards domestic sales and third country exports. There is no likelihood of recurrence/continuance of dumping (if any) if anti-dumping duties are allowed to cease.

Third country exports

119. In Para 102, the Authority has noted that the export price trend of respondent producer/exporter to third country other than India indicates that the export prices of subject goods to third countries are higher than India. The Respondents respectfully submit that this does not imply that the subject goods are being dumped into India by the Respondents, in case the Authority were to arrive at this conclusion in the final findings.
120. The Respondents submit that an apple-to-apple comparison between the exports to India and exports to other countries cannot be made since the subject goods are made-to-order, which are customized according to the customer's needs, as noted by the Authority in the Disclosure Statement itself. Some of these exports to third countries require a higher and different type of machining. Further, since the other countries to whom the Respondents export the subject goods are further away from India, the export prices are bound to be higher on account of higher ocean freight, warehousing costs, and insurance costs. As a result, there is bound to be a marked difference in the prices of the goods exported to various customers in various countries. Thus, export prices to other countries are not relevant for analyzing export prices to India. The Respondents also submit that the Authority must rely on the data provided in the questionnaire response which would clearly show that the subject goods exported to the third countries are of a different variation.

Diversion of exports to India

121. In Paras 103 and 104, the Authority has noted that the consistently high share of imports from subject country in the years prior to POI, availability of high unutilized capacities and high resultant inventories with the Respondents' coupled with attractiveness of the Indian market will have significant impact towards the likelihood of recurrence of injury and dumping from imports from China PR. As a result, the Authority has proposed to consider the diversion of exports from third countries to India in case of cessation of duty. The Respondent submits that they don't agree with the Authority in this regard.
122. With regard to imports from the subject country, the Respondents submit that it has already been noted that the volume of subject imports in relative to demand in India have been low over the injury period. The domestic industry and other domestic producers occupy the major proportion of the market share. With the domestic industry and other domestic producers dominating the market already, the increase in the Respondents' market share upon cessation of anti-dumping duty is very unlikely. Thus, the Authority may please reconsider its findings in this regard.
123. Without prejudice to the aforesaid submissions, the Respondents submit that the domestic industry has already been granted sufficient protection by way of anti-dumping duties for the last ten years. Despite such protection, the Domestic Industry has failed to cater to the demand for specific grades by certain consumers in India. Therefore, even otherwise, existence of inventory with the Respondents does not indicate that the exports to India

will increase in the event of cessation of duty.

124. Additionally, the inventories of both HTRA and HTRF have declined in the POI. The decline in HTRA's inventory was very drastic. However, the relatively higher inventory level of HTRF was propelled by HTRF's higher domestic sales in China PR. As a result, the Authority's assertions in Para 104 about the Respondents having "extremely high" inventory levels is incorrect.
125. The Respondents also submit that the volume of exports to third countries and domestic sales of the PUC has actually increased. So there is no likelihood of diversion of exports to India if anti-dumping duty is discontinued.

XIX. Examination by the Authority

126. Authority notes the submission on capacity of DI and has corrected the same in view of petition revised by DI and the capacity adopted for NIP computation. Noting the submissions of responding producer/exporter that terms of import price has not been correctly mentioned/captured, Authority has corrected the error based on the submissions and relevant records.
127. The Authority notes the post disclosure comments by the interested parties regarding the issue of likelihood of dumping and injury on cessation of existing AD duty. The Authority notes that imports of Steering Knuckles in POI have been found to be dumped and also injurious, though the imports have reduced significantly in POI and are nil in post POI as per DG systems data. As regards Front Axle Beam, both dumping margin and injury margin are noted to be negative in POI and imports being significantly lowered. Further in post POI, imports of Front Axle Beam are nil as per DG systems data. The Authority however had observed in the disclosure that imports of front axle beam are undercutting the DI's prices in POI. The 3rd country exports by the responding producer/exporter indicate that their prices are higher than those exported to India and thus there exists a likelihood of dumping on a likely diversion of exports to India on cessation of existing AD duty. The responding producer/exporter has refuted the aspect of dumping based on their third country exports but not substantiated the same with any evidence and data. The Authority noted that in the original investigation concluded in 2010, the share of Front Axle Beam in total demand was about 25%. As per data provided by the responding producer/exporter, though their domestic sales is 90% of total production, the exports which account for 10% includes India as a preferred destination with the India's share being even 50% in one of the years of injury period. Therefore, if the diversion of exports to India happens post cessation of existing AD duty and the original levels of exports are attained by the subject country, there could be a significant market erosion of Domestic Industry if 25% of the demand is captured by the subject country.
128. The Authority also notes that the demand of subject goods including sales of Domestic Industry have decreased over the Injury period due to slowdown of automobile industry. Keeping in view that one of the subject goods, that is, Steering Knuckles continues to be dumped and injurious and the other, that is, Front Axle Beam is undercutting the domestic prices with likelihood of diversion of subject goods in near future on account of easing logistics post pandemic and cessation of duty, the Authority holds that it may be appropriate to recommend continuance of AD Duty on Steering Knuckles on the basis of dumping margin/injury margin evaluated for POI as per Lesser Duty Rule and continuation of existing AD duty on Front Axle Beam for a period of 30 months from the date of levy of the recommended duty.
129. Imports have reduced significantly in POI and have become nil in post POI and further keeping in view that it is the 2nd SSR, tenure of 30 months of continued measure is proposed. In past cases also, Authority has curtailed the terms of extended duty.

XX. Conclusion

130. Having regard to the submissions made in the investigation, the post disclosure comments and facts available, the Authority concludes that:
- Steering knuckles exported from the subject country are at prices below their normal value, thus resulting in its dumping into India. The imports of Steering knuckles are undercutting the prices of the domestic industry in the market. Both dumping and injury margin for steering knuckles are positive in POI.
 - Dumping margin and injury margin for Front Axle Beam (FAB) are negative during POI. However, there is a likelihood of recurrence of dumping and consequential injury to the domestic industry, if anti-dumping duties are rescinded.
 - There is a strong likelihood of recurrence of Injury to the domestic industry in the event of cessation of anti-dumping duty because of continued dumped imports from the subject country;
 - The Authority thus considers it necessary to recommend continuation of definitive ADD on imports of the subject goods from the subject country.

XXI. Recommendations

131. Having concluded as above, the Authority is of the view that the antidumping measure is specified in the duty

table below.

132. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury on imports of Steering Knuckles from the subject country evaluated for POI. Further, the Authority recommends continuation of anti-dumping duty on imports of Front Axle Beam as notified under Customs Notification No. 50/2010-Customs dated 12th April 2010. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in the column no. 7 of table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the Front Axle Beam (FAB) and Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles originating in or exported from the subject country, **for 30 months** from the date of levy of the recommended duty.

Duty Table

S. No.	Heading/Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty Amount	Currency	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	8708109087089400	Front Axle Beam used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	China PR	Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.35	US\$	KG
2.	8708109087089400	Front Axle Beam used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	China PR	Any other producer except Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.63	US\$	KG
3.	8708109087089400	Front Axle Beam used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	Any Country other than China PR	Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.35	US\$	KG
4.	8708109087089400	Front Axle Beam used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	Any Country other than China PR	Any other producer except Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.63	US\$	KG
5.	8708109087089400	Front Axle Beam used in medium and heavy commercial vehicles	Any Country other than China PR	China PR	Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.35	US\$	KG
6.	8708109087089400	Front Axle Beam used in medium and heavy commercial vehicles	Any Country other than China PR	China PR	Any other producer except Hubei Tri-ring Auto Axle Co. Ltd.	0.63	US\$	KG
7.	8708109087085000	Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	China PR	Hubei Triring Forging Co. Ltd.	0.47	US\$	KG
8.	8708109087085000	Steering Knuckles (SK)	China PR	China PR	Any other producer	1.09	US\$	KG

		used in medium and heavy commercial vehicles			except Hubei Triring Forging Co. Ltd.			
9.	8708109087085000	Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	Any Country other than China PR	Hubei Triring Forging Co. Ltd.	0.47	US\$	KG
10.	8708109087085000	Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles	China PR	Any Country other than China PR	Any other producer except Hubei Triring Forging Co. Ltd.	1.09	US\$	KG
11.	8708109087085000	Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles	Any Country other than China PR	China PR	Hubei Triring Forging Co. Ltd.	0.47	US\$	KG
12.	8708109087085000	Steering Knuckles (SK) used in medium and heavy commercial vehicles	Any Country other than China PR	China PR	Any other producer except Hubei Triring Forging Co. Ltd.	1.09	US\$	KG

XXII. FURTHER PROCEDURE

133. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Customs Tariff Act, 1975.

B. B. SWAIN, Spl. Secy. & Designated Authority